बालाघाट
शुक्रवार 26 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 10 विक्रम संवत 2083
वर्ष 16, अंक 272
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	–	77,100.47
निफ्टी	–	24,056.00
सोना	–	1,49,449
चांदी	–	2,35,000
डॉलर	–	94.38

खास खबर

शिशुओं को मिलेगी 1 ग्राम सोने की अंगूठी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने प्रमुख चुनावी वादा पूरा करते हुए सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को 1 ग्राम सोने की अंगूठी देने की योजना शुरू कर दी है। राज्य सरकार का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव को बढ़ावा देना है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करना है। योजना के तहत प्रत्येक पात्र नवजात को जन्म के बाद 1 ग्राम सोने की अंगूठी प्रदान की जाएगी। अनुमान है, इस योजना के लिए हर वर्ष लगभग 420 किलोग्राम तमिलनाडु सरकार वितरित करेगी। सरकार ने इसके लिए विशेष बजटीय प्रावधान किए हैं। राज्य सरकार का कहना है, यह पहल गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सहायक साबित होगी। सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी। योजना की शुरुआत के बाद स्वास्थ्य विभाग को इसके क्रियान्वयन और वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सरकार को उम्मीद है, इससे मातृ एवं शिशु कल्याण कार्यक्रमों को भी नई मजबूती मिलेगी।

इबोला के खतरे को देखकर भारत ने एयर सुविधा 2.0 पोर्टल लांच किया

नई दिल्ली। अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला बीमारी के बढ़ते खतरे के मद्देनजर, भारत सरकार ने विदेश से आने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य निगरानी को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने मिलकर एयर सुविधा 2.0 नामक एक उन्नत, कॉन्टैक्टलेस हेल्थ सेल्फ़-डिक्लेरेशन पोर्टल लांच किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज द्वारा विकसित यह पोर्टल, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को इमिग्रेशन क्लीयरेंस से पहले अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ऑनलाइन जमा करने की सुविधा देता है।

कोचिंग विवाद मामले में फैजल खान की जमानत पर सुनवाई अब 27 को

पटना। पटना सिविल कोर्ट में कोचिंग विवाद मामले में फैजल खान की जमानत पर सुनवाई नहीं हुई। फैजल खान उर्फ खान सर के मामले में अपडेट केस डायरी की मांग की गई है। अगली सुनवाई शनिवार 27 जून को होगी। वहीं रोशन आनंद पक्ष के दोनों अभियेक और गौरव के मामले में कोर्ट ने दोनों को बड़ी राहत दी है। दोनों की जमानत याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए उन्हें राहत दी है। फैजल खान के वकील ने कहा कि जमानत पर गुरुवार को सुनवाई नहीं हुई।

वेनेजुएला में आया सदी का सबसे बड़ा भूकंप...

39 सेकेंड में भूकंप के 2 बड़े झटके, 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा, 164 मौतों की पुष्टि, जबकि 971 लोग घायल

कराकस। वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे। लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे का कहना है कि इस तबाही में 10 हजार से अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका है। सामाचार लिखे जाने तक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं। ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे।

भूकंप से सबसे ज्यादा तबाही राजधानी कराकास में हुई है। इमारतें गिर गई हैं। धूल का गुबार उठता दिखाई दिया है। लोग डरे-सहमे नजर आए। कराकास एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। भूकंप विशेषज्ञ लूसी जोन्स का कहना है कि यह इसलिए इतना भयावह है क्योंकि बेहद शक्तिशाली भूकंप को लाखों लोगों की बसावट एक ही जगह पर मिल गई। वेनेजुएला की सबसे घनी आबादी कराकास में रहती है, इसलिए नुकसान स्वाभाविक रूप से सबसे ज्यादा यहां हुआ। वजह सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। इसका वैज्ञानिक पक्ष कुछ और ही है। अब इसे भी समझ लेते हैं।

भूकंप का असर 2 से 5 गुना ज्यादा

कराकास ऐसी एल्युवियल वैली में बसा है जहां मिट्टी की सॉफ्ट पर्तें हैं। इन पर भूकंप की तरंगों का असर 2 से 5 गुना ज्यादा होता है। यानी ठोस पत्थर पर खड़े शहरों की तुलना में झटका ज्यादा लगता है। वेनेजुएला पहले से ही राजनीतिक और आर्थिक संकट से जूझ रहा है और भूकंप ने इसकी मुश्किलें और भी बढ़ा दी हैं। एक वरिष्ठ स्ट्रक्चरल इंजीनियर का कहना है, कराकास में तबाही का एक बड़ा कारण यह है कि पुरानी इमारतें पुराने निर्माण मानकों के अनुसार बनी हैं, जो इस तरह के भूकंप को झेलने में सक्षम नहीं थीं। वेनेजुएला लम्बे समय से आर्थिक संकट से जूझ रहा है। यही वजह है कि यहां का रखरखाव शून्य है। देश में 2025 में महंगाई दर 500 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई और आम लोग रोजमर्रा की जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में इमारतों की मरम्मत और रखरखाव वर्षों से नहीं हुआ भूकंप में ये कमजोर ढांचे तुरंत ढह गए।

यहां भूकंप नहीं, डबलेट भूकंप आया

तबाही की एक और वजह है डबलेट भूकंप। यह भूकंप सामान्य भूकंप से शक्तिशाली होता है। सामान्य भूकंप में दूसरा झटका कमजोर होता है, लेकिन डबलेट में दूसरा झटका और मजबूत होता है। वेनेजुएला में पहला झटका 7.2 तीव्रता और दूसरा 7.5 तीव्रता का था। जब दो भूकंप बहुत कम समय अंतराल पर आते हैं तो और तीव्रता ज्यादा होती है तो उसे डबलेट भूकंप में कहते हैं। डबलेट भूकंप में संभलने का मौका नहीं मिलता। यही वजह है कि यह ज्यादा विनाशकारी होता है क्योंकि डबलेट भूकंप में झटका कमजोर नहीं बराबर की एनर्जी से आता है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44 प्रतिशत आशंका है। वहीं, 30 प्रतिशत आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया।

126 साल में सबसे बड़ा भूकंप, देश में इमरजेंसी

वेनेजुएला में यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया।

राजधानी कराकस में लोगों ने सड़कों पर रात बिताई

भूकंपों के बाद राजधानी कराकस में सैकड़ों लोगों ने पूरी रात सड़कों पर बिताई। कई लोगों के घर भूकंप में क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि बड़ी संख्या में लोग लगातार आ रहे आफ्टरशॉक के डर से अपने घरों में लौटने की हिम्मत नहीं जुटा सके। कई परिवार बच्चों और जरूरी सामान के साथ खुले मैदानों और सड़कों पर रातभर डटे रहे। लोगों को आशंका है कि क्षतिग्रस्त इमारतें किसी भी समय गिर सकती हैं। भूकंप के बाद लगातार आफ्टरशॉक महसूस किए जा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

वेनेजुएला भूकंप के बाद भारत का आर्थिक संकट बढ़ा

वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंपों के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। भूकंप से व्यापक तबाही हुई है। इसका सबसे ज्यादा असर भारत में पड़ने जा रहा है। भारत में कच्चे तेल की आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है।अमेरिका और इजरायल के कारण भारत के ईरान के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं। अमेरिका ने रूस और ईरान से भारत पर तेल लेने से रोक लगा रखी है। जिसके कारण भारत को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वेनेजुएला के तेल भंडार को हुए वास्तविक नुकसान का आकलन अभी जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की उपलब्धता और कीमतों को लेकर भारत सहित दुनिया के अन्य देशों की चिंता बढ़ी है। भारत, अपनी तेल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है।

एनसीईआरटी की किताब में आपातकाल का अध्याय, लोकतंत्र की बड़ी चुनौती के रूप में शामिल

सोशल मीडिया पर इमरजेंसी चैप्टर का फर्जी संस्करण वायरल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहली बार कक्षा 9 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में आपातकाल के अध्याय को शामिल किया है। देश में आपातकाल लागू होने के करीब पांच दशक बाद, अंडरस्टैंडिंग सोशाइटी- इंडिया एंड बियॉन्ड नामक नई पुस्तक में आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के समक्ष आई एक बड़ी चुनौती के रूप में दिखाया गया है। यह पहली बार है जब नौवीं कक्षा के छात्र इसके इतिहास और उसके प्रभावों के बारे में विस्तार से पढ़ने वाले हैं। यह बदलाव 1975 में लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के करीब किया गया है।

एनसीईआरटी की पुस्तक में बताया गया है कि 1970 के दशक की शुरुआत में देश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और शासन व्यवस्था को लेकर व्यापक असंतोष था, जिससे कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक अशांति का माहौल बना था। इसी पृष्ठभूमि में जून 1975 में आंतरिक अशांति के आधार पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया गया। इसके बाद 21 माह तक देश में कई संवैधानिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध लगे, प्रेस सेंसरशिप लागू हुई और कई विपक्षी नेताओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर जेल में डाल दिया गया। इस दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ा और नागरिकों के अधिकारों तथा स्वतंत्रताओं पर भी असर पड़ा।

पाठ्यपुस्तक में लोकनायक जयप्रकाश नारायण की भूमिका को विशेष रूप से दिखाया गया है, जिन्होंने आपातकाल के विरोध में छात्रों, युवाओं और आम नागरिकों को एकजुट किया। उनके नेतृत्व में चले आंदोलनों ने लोकतांत्रिक सुधारों की व्यापक मांग को मजबूत किया। किताब में बताया गया है कि 1977 में आपातकाल समाप्त होने के बाद हुए आम चुनावों ने भारतीय लोकतंत्र की मजबूती को साबित किया, क्योंकि मतदाताओं ने मतदान के जरिए अपनी राय व्यक्त की और राजनीतिक बदलाव संभव हुआ।

आपातकाल के अलावा, नई पाठ्यपुस्तक में लोकतंत्र के सामने मौजूद आधुनिक चुनौतियों जैसे फेक न्यूज, गलत सूचनाएं, गरीबी, क्षेत्रीय विभाजन, सामाजिक भेदभाव और लैंगिक असमानता पर भी चर्चा की गई है। इसमें डेमोक्रेसी एंड यू नामक एक नया खंड जोड़ा गया है, जिसका उद्देश्य छात्रों को लोकतांत्रिक मूल्यों और एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका से परिचित कराना है। इसके अतिरिक्त, भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका, मतदान प्रक्रिया और स्थानीय निकायों में महिलाओं के मतदान अधिकार व आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को भी विस्तार से शामिल किया गया है।

एनसीईआरटी की चेतावनी- इमरजेंसी चैप्टर का फर्जी संस्करण वायरल

वहीं राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) अपनी पाठ्यपुस्तकों के फर्जी और छेड़छाड़ किए गए संस्करणों के व्यापक प्रसार के कारण गंभीर विवाद में घिर गया है। विशेष रूप से, कक्षा 9 की सोशल साइंस की किताब में शामिल इमरजेंसी चैप्टर का नकली और संशोधित संस्करण सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर एनसीईआरटी ने कड़ी आपत्ति जताकर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

एनसीईआरटी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट के माध्यम से पुष्टि की है कि उन्हें अपनी पाठ्यपुस्तकों की अनधिकृत और पायरेटेड प्रतियों के प्रिंट और डिजिटल फॉर्मेट में फैलने की जानकारी मिली है। इसमें बताया गया है कि कक्षा 9 की सोशल साइंस पार्ट 1 की किताब, अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी- इंडिया एंड बियॉन्ड का एक फर्जी संस्करण वेबसाइटों, मैसेजिंग ग्रुप और सोशल मीडिया के ज़रिए साझा किया जा रहा है। परिषद ने छात्रों और शिक्षकों को आगाह किया है कि वे केवल एनसीईआरटी की आधिकारिक वेबसाइट (एनसीईआरटी.एनआईसी.इन), ईपाठशाला एप, या अधिकृत विक्रेताओं से ही किताबें खरीदें।

छात्रों को आतंकवादी बताने पर शिक्षा मंत्री प्रधान माफी मांगें और इस्तीफा दे- राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला कर छात्रों को आतंकवादी कहने के आरोप पर युवाओं से माफी मांगने और तुरंत इस्तीफा देने की मांग की है। राहुल गांधी ने पोस्ट में केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह छात्रों की गंभीर समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के बजाय, उनकी आवाज दबाने में लगी हुई है।

राहुल गांधी का यह बयान तब आया है जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान पर हाल ही में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के लिए आतंकवादी जैसी टिप्पणी करने का आरोप लगा है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर लगातार केंद्र की घेराबंदी कर शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों की मांग कर रही है। राहुल गांधी ने

कहा कि निष्पक्ष परीक्षाओं, सुरक्षित भविष्य और अपने अधिकारों की मांग करने वाले छात्रों को आतंकवादी बताना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों से करोड़ों युवाओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है। उन्होंने मौजूदा मोदी सरकार की आलोचना कर कहा कि यह सवाल पूछने वालों को देशविरोधी बताने की राजनीति कर रही है। राहुल गांधी ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए, वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को उन्होंने युवाओं पर बढ़ता आर्थिक बोझ और वसूली तंत्र बताया। उन्होंने हाल ही में कोटा जैसे शहरों में प्रतियोगी परीक्षाओं के अत्यधिक खर्च और दबाव का उल्लेख किया था। इस गंभीर आरोप और मांगों के बीच, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने स्वीकार किया है कि देश की परीक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर छात्रों के मुद्दों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाकर कहा कि केंद्र सरकार परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। यह राजनीतिक घमासान तब सामने आया है जब देश भर में छात्र नीट, नेट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, और केंद्र सरकार पर इस संकट को गंभीरता से न लेने के आरोप लग रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में जल्द सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी और गबन की जांच को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की गई। इस पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने जल्द सुनवाई से इंकार कर सोमवार को फिर से अवकाशकालीन पीठ के समक्ष मेंशन करने को कहा है। याचिकाकर्ताओं ने अपनी अर्जी की गंभीरता को देखकर जल्द सुनवाई की मांग कर कहा कि इस मामले में तुरंत आदेश जारी करने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि सोमवार को एक बार फिर जल्द सुनवाई की मांग करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राम मंदिर चढ़ावा से जुड़े घोटाला मामले में जांच को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। इस मामले में सबसे पहले आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई की एसआईटी से जांच की मांग गई है। दो वकीलों की तरफ से दायर याचिका में मांग की गई है कि राम जन्मभूमि ट्रस्ट के पैसों में गड़बड़ी के आरोपों की एफआईआर दर्ज की जाए। सीबीआई की अगुवाई में एसआईटी बनाकर निष्पक्ष, समयबद्ध जांच कराई जाए, जिससे यह पता चल सके कि दान के पैसों में कोई गड़बड़ी, गबन या भ्रष्टाचार हुआ है या नहीं। याचिका में यह भी कहा कि कोर्ट के द्वारा रामजन्मभूमि ट्रस्ट और यूपी सरकार को निर्देश दिया जाना चाहिए कि वो ट्रस्ट के फंड और संपत्तियों की निगरानी के लिए मजबूत ऑडिट और जांच व्यवस्था बनाए, जिससे भविष्य में ऐसी शिकायतें न हों। मांग की गई है कि कोर्ट यूपी सरकार और ट्रस्ट को निर्देश दे कि जांच पूरी होने तक सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाएं, जैसे बैंक खाते, दान रजिस्टर, ऑडिट रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, कंप्यूटर डेटा। इसके साथ ही, किसी भी रिकॉर्ड या सबूत को नष्ट करने या उसमें छेड़छाड़ करने पर रोक लगाई जाए।

राहुल गांधी मानहानि केस में सुलतानपुर कोर्ट में टली बहस

सुलतानपुर। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे चर्चित मानहानि मामले में गुरुवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई है। इस मामले में आज अंतिम बहस होनी थी, लेकिन परिवादी पक्ष द्वारा समय मांगे जाने के कारण अदालत ने सुनवाई को आगे बढ़ा दिया है। अदालत की कार्यवाही के दौरान परिवादी एवं भाजपा नेता विजय मिश्र की ओर से अधिवक्ता संतोष पांडेय ने न्यायालय को सूचित किया कि परिवादी इस समय जनपद से बाहर हैं।

कुछ ना कहना

गलतफहमी हुई...बयान शिवराज सिंह या कार्तिकेय चौहान के बारे में नहीं था

जबलपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आठ साल पुराने मानहानि मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह पर बयान देने के लिए खेद व्यक्त किया है। राहुल की तरफ से इस संबंध में कोर्ट में लिखित रूप से आवेदन दिया गया है। जबलपुर हाईकोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से पेश वकील ने एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें राहुल गांधी अपने बयान पर खेद जताया है। उन्होंने कहा कि यह बयान गलतफहमी में दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस आवेदन पर कार्तिकेय से जवाब मांगा है और कहा है कि उनकी तरफ से लिखित प्रतिक्रिया कोर्ट में पेश की जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में पहले से चल रहा है, जहां राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज है। कोर्ट ने इस मामले में पहले ही समन भी जारी कर दिया था। यह मुकदमा शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान ने दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने 2018 के चुनावी भाषण में पनामा पेपर्स लीक से जुड़े बयान में उनका नाम लिया था। इसी बयान को लेकर यह मानहानि का मामला दर्ज किया गया था। अब इस मामले पर अगली सुनवाई फिर से होगी। राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि जिस बयान के आधार पर मानहानि का मामला दर्ज किया गया है, वह मध्य प्रदेश के तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान या उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के बारे में नहीं था।

भारत के इतिहास के सबसे अंधकारमय अध्यायों में से एक है आपातकाल – पीएम

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने 25 जून को भारतीय इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक आपातकाल को याद करते हुए इसे संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला करार दिया। एक्स पर अपने संदेशों में पीएम ने उन अनगिनत नागरिकों और विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने उस दौर में दमन के खिलाफ आवाज़ उठाई और भारतीय संविधान के आदर्शों की रक्षा की।

पीएम मोदी ने आपातकाल को भारत के इतिहास के "सबसे अंधकारमय अध्यायों में से एक" बताते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की दृढ़तापूर्वक रक्षा करने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आपातकाल ने उन अनगिनत नागरिकों के असाधारण साहस को भी उजागर किया, जिन्होंने चुप रहने से इनकार किया और संविधान में निहित आदर्शों को बनाए रखा। एक पोस्ट में 1975 में इसी दिन लागू किए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आपातकाल हमारे संविधान पर सीधा हमला था। इस दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं को निलंबित कर दिया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए, राजनीतिक नेताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया तथा हमारे लोकतंत्र की आधारशिला माने जाने वाले संस्थानों पर प्रहार किया गया।

पीएम मोदी ने कहा कि देशवासियों के लिए संविधान 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं, अधिकारों और कर्तव्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। संविधान की भावना से प्रेरित होकर हम ऐसे भारत का निर्माण करेंगे, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि "संविधान हत्या दिवस" आज हमें उस काले दौर की याद दिला रहा है, जब भारतीय लोकतंत्र को बुरी तरह से कुचला गया था।

डिजिटल अरेस्ट गिरोह पर सीबीआई का शिकंजा : 16 राज्यों में रेड, दो गिरफ्तार

जयपुर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने देश के 16 राज्यों, जिसमें राजस्थान भी शामिल है, में डिजिटल अरेस्ट गिरोह पर शिकंजा कसते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। गुरुवार सुबह 80 से अधिक ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई, इसके परिणामस्वरूप दो प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डिजिटल अरेस्ट ठगी के 200 से अधिक मामलों से जुड़े व्यापक नेटवर्क को तोड़ने के लिए की गई। ऑपरेशन चक्र-6 के तहत 60 विशेष टीमों ने इन छापों को अंजाम दिया। सीबीआई जांच में सामने आया कि गिरोह शेल कंपनियों और म्यूल बैंक खाते बनाकर साइबर धोखाधड़ी से करीब 2 करोड़ रुपए की अवैध कमाई को ठिकाना लगा रहा था। आशंका है कि इन बदमाशों ने भारत के साथ-साथ अन्य देशों के लोगों को भी अपना निशाना बनाया है, जिसके संबंध में संबंधित विदेशी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित किया जा रहा है।

इस गिरोह की कार्यप्रणाली में सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट से मिलता-जुलता एक नकली डोमेन बनाना शामिल था, इसका उपयोग पीड़ितों को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर ठगने के लिए होता था। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री की शिकायत पर ही सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी। आरोपियों पर अदालतों और विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के नाम से फर्जी आदेश और दस्तावेज तैयार कर लोगों को गुमराह करने का आरोप है।

शिकायत के बाद रातों-रात खोदा गया खेत तालाब, खैरलांजी में जल गंगा संवर्धन योजना पर उठे गंभीर सवाल

जनसुनवाई में शिकायत के बाद हरकत में आए जिम्मेदार, पंच बोला- जो तालाब कागजों में था, वह अब जेसीबी से जमीन पर बनाया जा रहा है

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले की खैरलांजी ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन योजना के तहत स्वीकृत खेत तालाब निर्माण को लेकर विवाद और गहरा गया है। पहले जहां पंच ने आरोप लगाया था कि लाखों रुपए की लागत से स्वीकृत खेत तालाब केवल कागजों में बना हुआ है और धरातल पर उसका कोई अस्तित्व नहीं है, वहीं अब शिकायत के बाद रातों-रात तालाब निर्माण किए जाने का मामला सामने आने से पूरे प्रकरण पर अब सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम पंचायत खैरलांजी के वार्ड क्रमांक-6 निवासी राजू कुमार ने कुछ दिन पूर्व जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि जल गंगा संवर्धन योजना के तहत वर्ष 2025-26 में एक हितग्राही के खेत में खेत तालाब निर्माण स्वीकृत किया गया था। शासकीय अभिलेखों में तालाब निर्माण कार्य पूर्ण दर्शाकर राशि भी व्यय बता दी गई, लेकिन मौके पर कोई तालाब मौजूद नहीं था। उन्होंने इसे शासन की योजना में गंभीर अनियमितता बताते हुए कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग की थी। राजू कुमार का कहना है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद जब वह गांव लौटे तो अगले ही दिन उन्हें जानकारी मिली कि जिस

खेत में तालाब नहीं था, वहां रातों-रात जेसीबी मशीन लगाकर तालाब खोद दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत सामने आने के बाद मामले को दबाने और दस्तावेजों को सही साबित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों, संबंधित हितग्राही और अन्य लोगों की मिलीभगत से आनन-फानन में तालाब निर्माण कराया गया है। इस पूरे घटनाक्रम पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान में मनरेगा के तहत नियमित कार्य संचालित नहीं हो रहे हैं और न ही संबंधित कार्यों के लिए मास्टर रोल भरे जा रहे हैं। ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आखिर किस योजना और किस स्वीकृति के आधार पर रातों-रात तालाब निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि यदि तालाब का निर्माण हाल ही में किया गया है तो फिर शासकीय रिकॉर्ड में इसे पहले से पूर्ण कैसे दर्शाया गया था। राजू का आरोप है कि खेत तालाब निर्माण का उद्देश्य ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना और मजदूरों के माध्यम से कार्य कराना होता है। शासन की गाइडलाइन के अनुसार ऐसे कार्यों में मजदूरों को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन यहां मशीनों का उपयोग कर जेसीबी से खुदाई कराई गई है। उनका कहना है कि मशीनों से कराया गया कार्य न केवल योजना की मूल भावना के विपरीत है बल्कि रोजगार गारंटी संबंधी प्रावधानों पर भी सवाल खड़े करता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि तालाब पहले से बना हुआ था तो शिकायत के बाद अचानक जेसीबी मशीनों की जरूरत क्यों पड़ी और यदि तालाब अब बनाया गया है तो फिर पहले खर्च दिखाई गई राशि किस कार्य में उपयोग हुई। इस पूरे मामले में कई स्तरों पर अनियमितता की आशंका है, जिसकी तकनीकी और प्रशासनिक जांच होना आवश्यक है। जिला प्रशासन से मांग की है कि खेत तालाब निर्माण से जुड़े सभी दस्तावेज, तकनीकी स्वीकृति, मापन पुस्तिका, भुगतान विवरण और कार्य की वास्तविक स्थिति की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि शिकायत के बाद रातों-रात किए गए निर्माण कार्य में किसकी अनुमति थी और मशीनों के उपयोग की जिम्मेदारी किसकी है।

10 मोहर्रम, यौमे आशुरा आज,याद किये जायेंगे शहीदाने कर्बला

यौमे आशुरा पर अदा कि जाएगी विशेष नमाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन हुसैन और उनके 72 जानिसारो की शहादत का पर्व मोहर्रम 26 जून शुक्रवार को जिले सहित देश व पूरी दुनिया में धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप मनाया जाएगा।जहा पूरे दिन जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन

किए जाएंगे। यौमे आशुरा के नाम से जाने जाने वाले इस खास दिन में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा आशूरा की विशेष नमाज मस्जिदों व घरों में अदा की जाएगी इसके अलावा जगह जगह ताजिए निकालकर अखाड़े का आयोजन कर, जगह जगह लंगर ए आम, खिचड़ा, शरबत आदि का वितरण कर शहीदाने कर्बला को याद किया जाएगा।जिसकी शुरुआत भी जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में हो चुकी है।जहां मोहर्रम पर्व के तहत नगर सहित विभिन्न क्षेत्रो में रोजाना लंगर ए आम, शरबत, व खिचड़ा वितरण का दौर जारी है।जिसके नजारे वार्ड नं 10, 3 सहित विभिन्न वार्डों में रोजाना देखने को मिल रहे है।वही भरवेली में भी जगह जगह इन आयोजनों के साथ शहीदाने कर्बला को याद किया जा रहा है।

विशेष नमाज सहित विभिन्न कार्यक्रमो के होंगे अयोजन

मुस्लिम समाज के लोग इस खास दिन में यौमे आशूरा का रोजा रख विशेष इबादत करेंगे तो वही कब्रिस्तान पहुंचकर अपने मरहुमीन और बुजुर्गों को याद करेंगे। वही जगह-जगह लंगर खिचड़ा शरबत आदि का वितरण कर अन्य कार्यक्रम संपन्न कराए जाएंगे, इसके आलावा घर घर- शरबद खिचड़ा का वितरण कर शहीदाने करबला को याद किया जाएगा.

ऐतिहासिक दिनों में शुमार है आज का दिन

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आशूरा के दिन का ऐतिहासिक महत्व है इस्लामिक तारीख के मुताबिक यौमे आशुरा की बहुत ही फजीलत और यह अजमत वाला दिन है, क्योंकि यौमे आशुरा के दिन ही हजरत आदम की दुआयें कबूल हुई, इसी दिन हजरत नूह की कश्ती जूदी पहाड़ी के किनारे लगी। इसी दिन हजरत इब्राहिम पर आग, गुलजार हुई, इसी दिन हजरत ईसा आसमान पर उठा लिये गये और इसी दिन हजरत ईमाम हुसैन और उनके 72 जानिसार की करबला में शहादत हुई थी

यौमे आशूरा का रोजा, नमाज सहित होंगी अन्य इबादते

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मस्जिदो और घरो में यौमे आशुरा का पर्व मनाया जाएगा। जिसके तहत मस्जिदो और घरो में विशेष नमाज अदा की जायेगी और दुआये मांगी जायेगी नगर मुख्यालय की जामा मस्जिद, मस्जिदे आला हजरत जामेआ नूरिया मदरसा सहित विभिन्न मस्जिदो में जुमे की नमाज के फौरन बाद, यौमे आशूरा की विशेष नमाज अदा की जाएगी और आशुरे की दुआ भी पढ़ी जाएगी बताया गया कि यौमे आशुरा का रोज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए मुस्लिम धर्मावलंबी रोजे का ऐहतेमाम करते है और शहीदाने कर्बला की याद में शरबत, खिचड़ा सहित लंगर का भी जगह-जगह इंतजाम किया जाता है।

करबला मैदान में इस्लाम को बचाने हुए थे शहीद

आपको बताए कि मोहर्रम माह की उर्दू 1 तारीख से लेकर 10 तारीख तक शहर की जामा मस्जिद में धर्मगुरू द्वारा धर्मावलंबियों को शहीदाने करबला और हजरत ईमाम हुसैन की जीवनी से जुड़ी तकरीर दी जा रही है।मुस्लिम धर्म की मान्यता अनुसार यौमे आशुरा का पर्व परंपराओं एवं मान्यताओं के अनुसार हजरत ईमाम हुसैन के चाहने वाले अलग-अलग तरीकों से भी मनाते हैं, बहरहाल आशूरे के दिन को पूरी दुनिया में विशेष रूप से हजरत ईमाम हुसैन की याद के रूप में ही मनाया जाता हैं, जिन्होंने इस्लाम की शरियत के खिलाफ उठने वाली सभी याजिदरूपी आवाजो को हमेशा के लिए बंद करने के लिए अपनी शहादत दी थी जिनके साथ परिवार के 6 माह के बच्चे अली असगर सहित 72 जानिसार शहीद हुए थे।हर साल उन्ही शहीदों की याद में मुस्लिम समाज द्वारा धार्मिक मान्यता के अनुरूप मोहर्रम का पर्व मनाया जाता है।जहां शहीदाने कर्बला को याद कर उनकी याद में शरबत खिचड़ा लंगर सहित अन्य आयोजन कर विशेष नमाज दुआ आदि आयोजन संपन्न कराए जाते है।वही इसी माह मोहर्रम से ही मुस्लिमो के नए साल की शुरुवात होती है।

भरवेली में दिखी कौमी एकता की मिशाल

मोहर्रम पर्व की पूर्व सन्धा पर जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में लंगर ए आम व शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन गया।जहा पिछले 14 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को कायम रखते हुए मुस्लिमो के अलावा सर्वधर्म के लोगों को लंगर तकसीम किया गया। इस आयोजन में खास बात यह रही की यह आयोजन न सिर्फ मुस्लिम समाज द्वारा किया गया ,बल्कि इस आयोजन में गैर मुस्लिमो ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जहां उन्होंने न सिर्फ लंगर व शरबत का आयोजन किया, बल्कि लंगर व शरबत तकसीम करने में भी सहयोग किया। वहीं देर शाम आयोजन के उपरांत सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से ना सिर्फ ग्राम भरवेली बल्कि बालाघाट जिला सहित देश व पूरी दुनिया के तमाम मुल्कों के लिए अमन चैन शांति और आपसी भाईचारे के लिए सामूहिक रूप से दुआएं की।इस दौरान मो. शकील कादरी,लोचन माहुले,राकेश वाहने, विपुल चौरे, श्री भीमवाने, हाजी मो.इसरईल कुरैशी, इकबाल खान,मोबिन खान, सादिक खान, गणेश भैया, बंटू मेश्राम,और राजा भाई सहित अन्य का आयोजन में सरहानीय योगदान रहा ।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्प्लेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर
दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

जेल में बंद हत्या के आरोपी कैदी कृष्ण किशोर के शव का हुआ पोस्टमार्टम

जिला अस्पताल में उपचार के दौरान हो गई थी मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल में मृत कैदी कृष्ण किशोर उदयपुरे के शव का पोस्टमार्टम गुरुवार को कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी नीरज कुमार सोनी की उपस्थिति में चिकित्सकों की टीम के द्वारा किया गया। इसके पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया। भाई की हत्या के आरोप में गिरफ्तार होकर जिला जेल बालाघाट में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे। इस कैदी की 24 जून को 2:00 बजे करीब जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। ज्ञात होगी हट्टा पुलिस ने कृष्ण किशोर उदयपुरे को अपने बड़े भाई कुलदीप उदयपुरे की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेजा गया था। बताया जाता है कि 15 और 16 जून की दरमियानी रात ग्राम हट्टा में पारिवारिक विवाद के चलते कृष्ण किशोर ने शराब के नशे में सो रहे अपने बड़े भाई कुलदीप उदयपुरे की गला घोंटकर हत्या कर दी थी।कृष्ण किशोर को इस मामले में हट्टा पुलिस ने गिरफ्तार कर 19 जून को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश किये थे। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। 23 और 24 जून की दरमियानी रात जेल में अचानक कृष्ण किशोर की तबीयत बिगड़ गई। उसका ब्लड प्रेशर बढ़ गया था और सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। स्थिति गंभीर होने पर जेल प्रशासन ने तत्काल उसे जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। जहां सुबह 3:20 बजे हाई डिपेंडेंसी यूनिट वार्ड में भर्ती किया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। उसकी निगरानी के लिए जेल प्रशासन का कर्मचारी भी अस्पताल में मौजूद रहा। चिकित्सकों द्वारा गहन उपचार किए जाने के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और 24 जून को दोपहर करीब 2:10 बजे उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना जिला अस्पताल पुलिस चौकी एवं जेल प्रशासन को दे दी गई है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में रखकर आवश्यक कार्रवाई की। लंबी जांच प्रक्रिया के कारण देर शाम तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था। जिसके शव को जिला अस्पताल के फीजर में सुरक्षित रखा गया था। 25 जून को माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी नीरज कुमार सोनी जिला अस्पताल पहुंचे जिनकी उपस्थिति में कानूनी प्रक्रिया के तहत शव पंचनामा कार्रवाई की गई। और उनकी ही उपस्थिति में डॉक्टर सुषमा गोयल, डॉक्टर स्नेहा वैध और डॉक्टर साहिल खान की टीम के द्वारा कैदी कृष्णकिशोर के शव का पोस्टमार्टम किया गया। इस दौरान जेल प्रशासन के अलावा जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले, प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे विक्रम शर्मा, कोतवाली बालाघाट से सहायक उप निरीक्षक सुनील पंचाले और हट्टा पुलिस थाना से सहायक उप निरीक्षक विजय पटले, आरक्षक अभिषेक मालवीय के अलावा मृतक के परिजन उपस्थित रहे। पोस्टमार्टम के पश्चात कृष्ण किशोर के शव को उनके परिजनों को सौंप दिया गया जिनके द्वारा कृष्ण किशोर के शव का अंतिम संस्कार बालाघाट नगर समीप बैनगंगा नदी के जागपुर घाट में हट्टा पुलिस और कोतवाली पुलिस की उपस्थिति में किया गया।

नशे में धुत आरक्षक ने ड्यूटी पर तैनात रेलवे गेटकीपर से की मारपीट ?

गेटकीपर ने आरक्षक पर लगाया मारपीट का आरोप, कोतवाली पुलिस से की शिकायत

घटना के बाद से आरक्षक फरार, मामले की जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरुवार की देर शाम नगर के बैहर रेलवे फाटक पर उस वक्त हंगामे का माहौल निर्मित हो गया, जब ड्यूटी पर तैनात एक रेलवे कर्मचारी (गेटकीपर) और वही ड्यूटी कर रहे एक आरक्षक के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया।आरोप है इस विवाद में रेलवे कर्मचारी (गेटकीपर) के साथ पुलिस आरक्षक द्वारा शराब के नशे में धुत होकर लकड़ी से मारपीट की गई ।वह बार-बार मारपीट के बाद आरक्षक मौके से फरार हो गया।घटना के तुरन्त बाद गेटकीपर ने मामले की जानकारी आरपीएफ(रेलवे पुलिस) को दी।और कोतवाली थाना पहुचकर आरक्षक पर कार्यवाही की मांग को लेकर आवेदन सौपा है।खबर लिखे जाने तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नही हो सकी थी।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार देर शाम लगभग 7.30 बजे आरक्षक नरेंद्र कुमार की बैहर रेलवे फाटक पर ही यातायात व्यवस्था की ड्यूटी कर रहे थे। गेटकीपर संजय के अनुसार, आरक्षक शराब के नशे में थे। वह बार-बार गेटकीपर रूम में प्रवेश कर रहा था। रूम के अंदर ही गुटका थूक रहा था। इसका संजय ने विरोध किया और रूम से बाहर जाने कहा। इससे नाराज होकर आरक्षक नरेंद्र तेजी से रेलवे क्रासिंग के पार गया और लकड़ी तोड़कर लाई। रूम में घुसकर संजय को बाहर निकाला और लकड़ी से मारपीट कर दी।हमले में संजय के हाथ में चोट लगी है।

कर्मचारी के परिजनों ने भी जताई नाराजी

शिकायत दर्ज कराने गेटकीपर के साथ रेलवे पुलिस के अफसर भी कोतवाली पहुंचे थे।मामले को लेकर कोतवाली थाना पहुंचे पीड़ित गेट कीपर संजय ने आरक्षक पर एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।इस दौरान संजय के परिजन पुलिसकर्मी की इस हरकत से नाराज दिखे और कड़ी कार्रवाई की मांग की। बताया गया कि आरक्षक पुलिस लाइन में पदस्थ है, जिसकी गुरुवार को बैहर रेलवे फाटक पर ड्यूटी लगी थी।

आरक्षक पर की जाए वैधानिक कार्यवाही- संजय

इस मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान पीड़ित संजय ने बताया कि वह रेलवे फाटक पर अपनी ड्यूटी पर था, आरक्षक उसके केबिन में बे-ढंगे तरीके से बैठा हुआ था,बार बार गुटखा खाकर थूक रहा था।जिसे मैंने मना किया। मना करते हुए बाहर जाकर बैठने कहां गया था, इस पर वह नाराज हो गया और लकड़ी से उसके साथ मारपीट की। जिससे मेरे हाथ में चोट आई है। पीड़ित संजय ने इस पूरे मामले में संबंधित आरक्षक पर एफआईआर दर्ज कर मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा हक्कू शाह बाबा का 222 वा सालाना उर्स

आज नगर में निकाला जाएगा शाही संदल ,रोजाना 29 जून तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर साल की तरह इस साल भी सैय्यद अलहाज अब्दुल हकीम उर्फ हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती का सालाना उर्स पूर्ण अकीदतो, हर्षोल्लास और विधि विधान के साथ मनाया जा रहा हैं।जिसकी शुरुआत 21 जून को परचम कुशाई और गुसल,मजार ए पाक के साथ की जा चुकी गई।29 जून तक चलने वाले इस उर्स मुबारक पर रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के अयोजन किए जा रहे।जिसके तहत आज गुरुवार को दरगाह शरीफ में कुरान ख्वानी व मिलाद शरीफ का आयोजन किया गया, तो वही शुक्रवार को बाबा के आस्ताने के लिए नगर में उर्स मुबारक पर शाही संदल निकाला जाएगा।जानकारी के अनुसार 26 जून को सुबह यादें हुसैना मनाया जाएगा।वही दोपहर 2 बजे दरबार शरीफ से शाही संदल निकाला जाएगा जो वार्ड नंबर 10 इमामबाड़ा पहुंचेगा।वहां से अलम और चादर के साथ शाही संदल शहर का गस्त करने के लिए रवाना होगा।जो नगर के विभिन्न मार्गों का गस्त करता हुआ वापस दरबार शरीफ पहुंचेगा। जहां बाबा को अलम व चादर पेश कर अमनो- आमान की सामूहिक दुआएं मांगी जाएगी।वही भरवेली शहर का संदल भी इसी संदल में शामिल होगा। वही दरबार शरीफ मे शमा महफिल का आयोजन होगा।

रोजाना हो रहे विभिन्न आयोजन

आपको बताएं कि हजरत हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 222 वे सालाना उर्स मुबारक पर हर साल की तरह इस साल भी 21जून से रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है। 29 जून तक चलने वाले इस सालाना उर्स मुबारक की शुरुवात 21 जून की सुबह मजार शरीफ का गुसल व परचम कुशाई के साथ की गई।वही 23 जून को हजरत इमाम हुसैन रजी. के मुए मुबारक का दीदार कराया गया।इसी क्रम मे 25 जून को सुबह 10 बजे कुरान खानी व मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ तो वही 26 जून की सुबह यादे हुसैना मनाया जाएगा तो वही दोपहर में उर्स मुबारक पर शाही संदल नगर का गस्त करता हुआ दरगाह पहुचेगा, जहा अमनो आमान की सामुहिक दुवाओ के अलावा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कराए जाएंगे।इसी तरह 28 जून की शाम को फूलों का नजराना पेश कर दरगाह शरीफ में चादर चढ़ाई जाएगी।वही शाम को लंगर ए आम का आयोजन होगा।29 जून को कुल शरीफ की फातिहा, रंग महफिल कार्यक्रम होगा।जहा उर्स ए मुबारक पर अजीमो शान कव्वाली का आयोजन होगा।जिसमें देश व दुनिया के मशहूर कव्वाल सब्बू शादब साबरी करियर शरीफ उत्तराखंड / और शफ़ीज़ शाबेज वारसी देवा शरीफ यू पी से तशरीफ़ ला रहे है।अपने फन में माहिर ये दोनों कव्वाल देर रात तक अपने चुनिंदा शेर और कव्वाली पेश करते नजर आएंगे जिसके बाद देश में अमन चैन शांति और अमनो अमान की सामूहिक दुवाओ के साथ उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा।बाबा के इस सालाना उर्स मुबारक पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां उर्स व दरबार कमेटी द्वारा पूर्ण कर ली गई है।हज़रत हक्कू शाह बाबा दरबार ए खुद्दाम एवम् कमेटी ने तमाम अकीदतमंदो व बाबा के चाहने वालों से उर्स ए मुबारक व तमाम आयोजनों में शामिल होने की गुज़ारिश की है।

फूलो व आकर्षक रोशनी से सजाया गया दरबार

सैय्यद अलहाज अब्दुल हकीम उर्फ हक्कू शाह बाबा रहमतुल्लाह अलैह चिश्ती के 222 वे सालाना उर्स मुबारक पर मेन रोड स्थित आस्ताना ए औलिया दरबार को रंग रोगन कर, रंग बिरंगी लाइट लगाकर सजाया गया हैं।तो वही उर्स मुबारक के अवसर पर दरबार शरीफ में आकर्षक डेकोरेशन लगाकर दरगाह शरीफ को फूलों से सजाया गया है।वही उर्स कमेटी व दरबार कमेटी द्वारा उर्स मुबारक पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।जहा रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर 29 जून को कव्वाली और कुल शरीफ की फातिहा के बाद उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा।उर्स मुबारक के मौके पर सरपरस्त जनाब नजीर अहमद कादरी, दरगाह शरीफ खादिम कलीम अहमद कादरी, सगीर अहमद कादरी,अरहम अहमद, हजरत ख्वाजा गरीब नवाज उर्स कमेटी,हजरत हक्कू शाह बाबा उर्स कमेटी, और हजरत हक्कू शाह बाबा जनकल्याण समिति के समस्त पदाधिकारी सदस्यों सहित अन्य ने बाबा के आस्ताने में पहुंचने वाले सभी अकीदतमन्दो से उर्स मुबारक में शामिल होने की गुजारिश की है.

अजय सुखदेवे बने भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के शहडोल जिला प्रभारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा ने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करते हुए सम्राट अशोक सेना के प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ बालाघाट के जिला संयोजक अजय सुखदेवे को 25 जून बुधवार को शहडोल जिला भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला प्रभारी नियुक्त किया है।यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार द्वारा की गई है।प्रदेश नेतृत्व की महत्वपूर्ण बैठक के बाद जारी नियुक्ति सूची में अजय सुखदेवे के नाम पर मुहर लगाई गई। उनकी नियुक्ति के बाद समर्थकों और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है तथा उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं।मीडिया से चर्चा करते हुए, अजय सुखदेवे ने प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व तथा भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और गंभीरता के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने अनुसूचित जाति समाज के अधिक से अधिक लोगों को संगठन की विचारधारा से जोड़ने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं और अधिकारों का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करने की बात कही।उन्होंने बताया कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए वह सदैव तत्पर रहेंगे और जनसेवक के रूप में कार्य करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शुक्रवार 26 जून 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बाकीगुड़ा में 12 घंटे से लापता युवक ने लगाई फांसी

पिता ने पेड़ में लटका देखा बेटे का शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम बाकीगुड़ा में 12 घंटे से लापता 22 वर्षीय युवक का शव उसके पिता ने ही आम के पेड़ में फांसी पर लटका हुआ देखा। जिसके बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। और मौके पर लोगों का हुजूम लग गया। इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है मलाजखंड पुलिस ने मृतक घनश्याम पिता दुलीराम खैरवार 22 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजन को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घनश्याम खेती किसानी करता था इसके परिवार में माता-पिता, छोटे भाई जागेश और एक बहन रोशनी है। बहन रोशनी की शादी हो चुकी है। घनश्याम खेती किसानी के अलावा वह अपने गांव के ही संजीव चौधरी के यहां मिक्सर मशीन चलाने का काम भी करता था। 23 जून की शाम करीब 7 बजे घनश्याम अपनी मां सावन बाई के साथ घर मे था। उसी समय उसके पिता दुलीराम खेत से घर लौटे। घनश्याम तैयार होकर बिना पिता से बात किए घर से निकल गया। रात में परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए। घनश्याम रातभर घर नहीं लौटा। परिजनों ने सोचा कि वह हमेशा की तरह पड़ोस में किसी के यहां खाना खाकर सो गया होगा। इसलिए रात में उसकी खोजबीन नहीं की।24 जून की सुबह जब दुलीराम अपने खेत तरफ गए तो उन्होंने आम के पेड़ में कोई पुतला जैसा लटका देखा। पास जाकर देखने पर पता चला कि वह उनका बेटा घनश्याम है। जो नायलॉन की रस्सी से लटका हुआ था। शरीर हिलता देख दुलीराम को लगा कि वह जिंदा है। उसने तुरंत पास की झोपड़ी से आरी लाए और रस्सी काट दीमजिससे घनश्याम नीचे गिर गया। लेकिन पहले ही उसकी मृत्यु हो चुकी थी घटनास्थल पर पेड़ के पास घनश्याम की चप्पल और लकड़ी का स्टूल भी रखा मिला। घनश्याम के द्वारा स्टूल में खड़े होकर पेड़ में फांसी लगाने की संभावना व्यक्त की जा रही है इस घटना के संबंध में दुलीराम ने सरपंच झामसिंह टेकाम और कोटवार रोहित आधवान को सूचना दी। खबर मिलते ही गांव और पड़ोस के लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ जमा हो गई। जिसकी रिपोर्ट पर मलाजखंड थाना से उप निरीक्षक मनोज मांगरे अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बिरसा अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हैं।इस युवक ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की। मलाजखंड पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

नपा. अध्यक्ष के खिलाफ शिकायत मामले में फिर तेज हुई जांच, 2 जुलाई को जबलपुर में होंगे बयान दर्ज

न्यायालय की सख्ती के बाद दोबारा सक्रिय हुई जांच प्रक्रिया, शिकायतकर्ताओं को नगरीय प्रशासन संचालनालय ने किया तलब

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका बालाघाट में कुछ माह पूर्व सामने आए बहुचर्चित शिकायत प्रकरण ने एक बार फिर राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर के खिलाफ सत्ता पक्ष के ही कुछ पार्षदों एवं उनके प्रतिनिधियों द्वारा डीजल व्यय सहित अन्य प्रशासनिक और वित्तीय मामलों को लेकर की गई शिकायत पर लंबे समय से कोई ठोस प्रगति दिखाई नहीं दे रही थी, लेकिन अब इस मामले में जांच प्रक्रिया दोबारा सक्रिय हो गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय, जबलपुर द्वारा शिकायतकर्ताओं को 2 जुलाई को उपस्थित होकर बयान दर्ज कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके बाद एक बार फिर यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

जानकारी के अनुसार नगर पालिका के कुछ पार्षदों और उनके प्रतिनिधियों ने नगर पालिका अध्यक्ष के विरुद्ध डीजल खर्च, प्रशासनिक निर्णयों और अन्य बिंदुओं को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। मामला न्यायालय तक पहुंचा, जहां से राज्य शासन को पूरे प्रकरण की जांच कर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। न्यायालय के आदेश के बाद शासन स्तर पर एक जांच समिति का गठन किया गया था। समिति में बालाघाट से ज्वाइंट कलेक्टर राहुल नायक को सदस्य बनाया गया था, जबकि नगरीय प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी जांच दल में शामिल किया गया था। उस समय यह मामला नगर पालिका और स्थानीय राजनीति में सबसे चर्चित विषयों में शामिल हो गया था। शिकायतकर्ताओं को उम्मीद थी कि निर्धारित समय सीमा के भीतर जांच पूरी कर निष्कर्ष सामने आएगा।

बताया जाता है कि जांच समिति को लगभग 90 दिनों के भीतर अपनी कार्रवाई पूर्ण करनी थी, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी शिकायतकर्ताओं एवं संबंधित पक्षों के बयान तक दर्ज नहीं किए जा सके। धीरे-धीरे जांच प्रक्रिया सुस्त पड़ गई और मामला लगभग शांत होता दिखाई देने लगा। कई महीनों तक किसी प्रकार की प्रगति नहीं होने से शिकायतकर्ताओं में असंतोष बढ़ता गया। शिकायतकर्ता एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता केवल सोनेकर का कहना है कि जब उन्हें लगा कि मामला बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो सकता है, तब उन्होंने पुन: न्यायालय की शरण लेने का निर्णय लिया। उन्होंने न्यायालय में अवमानना याचिका प्रस्तुत कर यह सवाल उठाया कि न्यायालय के निर्देशों के बावजूद जांच प्रक्रिया समय पर पूरी क्यों नहीं की गई। केवल सोनेकर ने बताया कि न्यायालय में मामला पुन: उठाने के बाद प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हुईं और अब नगरीय प्रशासन संचालनालय, जबलपुर से उन्हें आधिकारिक सूचना प्राप्त हुई है। सूचना के अनुसार उन्हें, उनके सहयोगियों तथा मामले से जुड़े अन्य शिकायतकर्ताओं को 2 जुलाई को जबलपुर पहुंचकर अपने बयान दर्ज कराने होंगे। उन्होंने बताया कि वे अपने साथियों के साथ इस मामले से जुड़े सभी दस्तावेज, प्रमाण और साक्ष्य लेकर जांच समिति के समक्ष उपस्थित होंगे। उन्होंने कहा कि शिकायत केवल किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि नगर पालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी। इसलिए वे चाहते हैं कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और जो भी तथ्य सामने आएं, उनके आधार पर विधिसम्मत निर्णय लिया जाए। उनका कहना है कि यदि शिकायतों में दम नहीं है तो जांच में यह स्पष्ट हो जाएगा और यदि अनियमितताएं पाई जाती हैं तो संबंधित स्तर पर कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरी ओर इस मामले में लंबे समय बाद आई हलचल ने नगर पालिका की राजनीति को भी गर्मा दिया है। शहर में इस बात को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है कि आखिर इतने समय बाद जांच प्रक्रिया अचानक कैसे सक्रिय हुई और क्या अब यह मामला किसी निर्णायक मोड़ तक पहुंचेगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चूंकि शिकायत सत्ता पक्ष के ही पार्षदों द्वारा की गई थी, इसलिए यह मामला शुरू से ही विशेष महत्व रखता रहा है। फिलहाल पूरे प्रकरण की अगली महत्वपूर्ण कड़ी 2 जुलाई को सामने आएगी, जब शिकायतकर्ता और अन्य संबंधित पक्ष जबलपुर में जांच समिति के समक्ष अपने बयान दर्ज कराएंगे। इसके बाद जांच की दिशा और गति काफी हद तक स्पष्ट हो सकेगी। अब शहरवासियों और राजनीतिक हलकों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और क्या नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर कोई ठोस प्रशासनिक कार्रवाई होती है या फिर यह मामला भी लंबे समय तक चलने वाली जांच प्रक्रियाओं की सूची में शामिल होकर रह जाता है। आने वाले दिनों में इस बहुचर्चित मामले की दिशा और परिणाम पर सभी की नजरें बनी रहेंगी।

खबर प्रकाशन के बाद, जागे जिम्मेदार

सर्जिकल पर्ची काउंटर के पास से हटाई गई गंदगी, कचरे का भी हुआ उठाव

अस्पताल परिसर में करवाई सफाई ,ब्लीचिंग पाउडर का किया गया छिड़काव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है।जहा मंगलवार को प्रकाशित हुई खबर का संज्ञान लेकर अस्पताल प्रबंधन द्वारा जिला अस्पताल के सर्जिकल पर्ची काउंटर के समीप एकत्र

कर रखी गई गंदगी व कचरे को हटवा दिया गया है।साथ ही उक्त स्थान पर ब्लीचिंग पाउडर डालकर उसे साफ किया गया है जिससे जहा एक ओर यहां आने वाले ,वाहन खड़ा कर आराम करने वाले व यहां से पर्ची बनाकर गुजरने वाले लोगो को गंदगी से छुटकारा मिल गया है तो वही सड़न मार रही दुर्गंध से लोगो को निजात मिल गई है।

दरअसल जिला अस्पताल से रोजाना निकलने वाले कचरे का निस्तारण नहीं किया जा रहा था।उचित प्रबंध न होने से ठेकेदार द्वारा अस्पताल परिसर स्थित सर्जिकल पर्ची काउंटर के पास ही खुले में गंदगी व कचरा फेंका जा रहा था। सर्जिकल पर्ची काउंटर समीप ही नाली का मलमा, चाय, नास्ता की प्लेट, डिस्पोजल, पाउच, खराब अनाज, सब्जी, दाल रोटी बियर का खाली बोतले सहित अस्पताल व आसपास का कचरा एकत्र होने से पूरे अस्पताल परिसर में दम घोंटू दुर्गंध फैल रही थी।जिससे मरीज व परिजनों का यहां से निकलना मुश्किल हो रहा था।उधर खबर प्रकाशन के साथ ही सिविल सर्जन के निर्देश पर सम्बंधित ठेकेदार के कर्मचारियों ने न सिर्फ पूरे परिसर की गंदगी व कचरे की सफाई की, बल्कि ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर संक्रमण को नष्ट करने का काम भी किया है। अब अस्पताल परिसर पहले की तरफ साफ-सुथरा नजर आने लगा है। यहां पहुंचने वाले मरीजो और उनके परिजनों ने भी राहत की सांस ली है।

खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आया प्रबंधन

आपको बताए कि हमने मंगलवार के अंक में जिला अस्पताल में सेहत से खिलवाड़- ? सर्जिकल पर्ची काउंटर के पास खुले में फेंकी जा रही गंदगी नामक शीर्षक के साथ एक खबर का प्रकाशन किया था।जिसमे हमने परिसर में फैल रही दुर्गंध से मरीजो व परिजनो के परेशान होने की बात का उल्लेख करते हुए कचरे के उठाव का उचित प्रबंध न होने से खुले में गंदगी बिखरी पड़ी रहने की बात बताई थी।साथ ही अस्पताल प्रबंधन को भी मामले से अवगत कराकर खबर का प्रमुखता से प्रकाशन किया था।जहां खबर के प्रकाशित होते ही विभाग हरकत में आया और सम्बंधित ठेकेदार से बात करके उक्त कचरा व गंदगी का उठाव कर दिया गया है जिससे उपचार व भर्ती पर्ची बनाने के लिए सर्जिकल के पर्ची काउंटर पर आने वाले मरीजों व उनके परिजनों सहित अन्य लोगों को राहत मिल गई है।

पूरे परिसर की सफाई करके ब्लीचिंग पाउडर का किया गया छिड़काव

जिला अस्पताल परिसर एक बार फिर साफ-सुथरा नजर आने लगा है। सड़न मारती दुर्गंध भी बंद हो गई है।जिससे यहां भर्ती मरीज और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली है।

मानसून की पहली बारिश से तरबतर हुआ जिला, 2 घण्टे की बारिश ने पहुँचाई राहत

किसानों के लिए वरदान बनकर बरसे बदरा,बोआई कार्य मे जुटे किसान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देरी से ही सही पर, बालाघाट जिले में अब मानसून की दस्तक हो चुकी है।जहां समय से काफी देरी से आए मानसून की पहली बारिश गुरुवार की दोपहर जिले में देखने को मिली। आंधी तूफान, तेज हवाओं के साथ हुई करीब 2 घंटे की बारिश ने पूरे जिले को तरबतर कर दिया, तो वही इस बारिश ने जिले वासियों को भीषण गर्मी से राहत भी पहुंचाई है।उधर मानसून की यह पहली बारिश किसानों के लिए वरदान बनकर बरसी है।जहां बारिश को देखते हुए किसानों ने फसल बोआई का कार्य तेज कर दिया है।दोपहर 3 बजे से सायंकाल 5 बजे तक दो घंटे की बारिश से लोगों को पड़ रही गर्मी से राहत मिली।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर सटीक बैठा मानसून का आगमन

मानसून के आगमन को लेकर मौसम विभाग द्वारा जारी किए गया पूर्वानुमान एक बार फिर सटीक बैठा है। आपको बताए है की मौसम विभाग ने 3-4 दिन पूर्व ही मानसून को लेकर पूर्वानुमान जारी करते हुए 25 जून को मानसून के बालाघाट पहुंचने की संभावना जताई थी।उसी के अनुरूप 25 जून को मानसून ने बालाघाट में दस्तक दी है।जहा बादलों की गड़गड़ाहट के बीच करीब 2 घण्टे तक हुई बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया और भीषण गर्मी से लोगों को काफी हद तक राहत मिल गई है।ज्ञात हो कि गुरुवार को सुबह से मौसम साफ होने के कारण, बारिश की उम्मीद कम थी, लेकिन जब दोपहर बारिश शुरू हुई तो लोग, बारिश से बचने भागते नजर आए। वहीं बारिश के कम नहीं होने से लोग, पहली बारिश का आनंद उठाते हुए भींगते घर लौटे। स्कूल की छुट्टी के बाद, स्कूली छात्र, छात्राओं ने मानसून की पहली बारिश का आनंद लिया।

किसानों के लिए वरदान से कम नही मानसून

उधर लंबे समय से मानसून की राह तक रहे किसानों के लिए गुरुवार का दिन किसी वरदान से कम नही रहा।जहा मानसून के आगमन के साथ हुई पहली मानसूनी बारिश ने चिंतित किसानों के चेहरे पर खुशी ला दी है,मानसून की पहली बारिश से अब किसानों को आने वाले दिनो में अच्छी बारिश होने की उम्मीद है, ताकि वह बोअनी शुरू कर सके। हालांकि, अभी भी जिले में बारिश का आंक ?ा, पिछले वर्ष की अपेक्षा काफी कम है।

जिले में एक इंच भी बारिश नहीं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बारिश का आंकड़ा काफी पीछे है, अब तक बालाघाट में एक इंच भी बारिश नहीं हुई है।जिले में 24 घंटे में 22 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 43 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। मौसम जानकार बताते है कि अब तक जिले में 170 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए था, लेकिन बालाघाट, वर्ष बारिश के आंकडे में काफी पीछे है।

तीन तहसीलो में नहीं हुई बारिश

जारी आकड़ो पर गौर किया जाए तो 24 घंटे में जिले में 06 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट में 01 मिलीमीटर, वारासिवनी में 07, बैहर में 14, किरनापुर में 02, लालबर्रा में 20, बिरसा में 05, परसवाड़ा में 12 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 02 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जबकि लांजी, कटंगी और खैरलांजी में बारिश ही नहीं हुई। सबसे अधिक बालाघाट, वारासिवनी और सबसे कम खैरलांजी में बारिश हुई है।

बालाघाट और वारासिवनी में सबसे अधिक वर्षा

सरकारी आकड़ो के अनुसार चालु सत्र में सबसे अधिक 41 मिलीमीटर वर्षा बालाघाट एवं वारासिवनी तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 03 मिलीमीटर वर्षा खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बैहर में 37 मिलीमीटर, लांजी में 12 मिलीमीटर, कटंगी में 11 मिलीमीटर, किरनापुर में 06 मिलीमीटर, लालबर्रा में 31 मिलीमीटर, बिरसा में 08 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 30 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 21 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

205 फीट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा स्थापना हेतु हीरापुर से निकली संकल्प यात्रा

आधा दर्जन बस से तीन सैकड़ा से अधिक श्रद्धालुओं का जत्था किष्किंधा धाम रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम हीरापुर भरवेली के विष्णुधाम में 205 फीट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करने हेतु 25 जून गुरुवार को महा संकल्प यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में आधा दर्जन बस से करीब तीन सैकड़ा से अधिक श्रद्धालुओं का जत्था हनुमान जी की जन्मस्थली किष्किंधा धाम के लिए रवाना हुआ। इस यात्रा को आयोजन समिति के संरक्षक किरण भाई त्रिवेदी, वैभव कश्यप, विहिप जिलाध्यक्ष यज्ञेश लालू चावड़ा, चंदर दमाहे, ललील एड्डे, डॉ. अंकित असाटी के प्रमुख आतिथ्य में झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इस संबंध में किरणभाई त्रिवेदी ने कहा कि आज विष्णुधाम हीरापुर से हनुमान जी की जन्मस्थली किष्किंधा धाम के लिए श्रद्धालुओं का जत्था बसों के द्वारा रवाना हुआ है। जो किष्किंधा धाम से पावन रज (पवित्र मिट्टी) एवं पम्पा सरोवर का निर्मल जल लेकर आएंगे। उन्होंने बताया कि विष्णुधाम में हनुमान जी की 205 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित व भव्य मंदिर का निर्माण किया जाना है। जिसमें इन पवित्र स्थानों की मिट्टी व जल समर्पित किया जाएगा। इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुजन दक्षिण भारत के अनेक

प्रमुख धार्मिक व पौराणिक स्थलों के दर्शन कर पूजन अर्चना कर सुख समृद्धि व विश्व कल्याण की कामना की जावेगी। श्रद्धालुजनों का जत्था किष्किंधा, हंपी दर्शन, विरूपाक्ष मंदिर के दर्शन कर तुंगभद्रा नदी में स्नान व वहां का जल लाएंगे।इसके अलावा कोदण्ड राम मंदिर व माल्यवंत राम मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना करेंगे। तीर्थ स्थलों के दर्शन कर 28 जून को विष्णुधाम हीरापुर वापस पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि हनुमान जी की प्रतिमा व मंदिर निर्माण के निमित्त 17 मई को अवधूत महायोगी श्री दादा गुरू जी का भी विष्णुधाम हीरापुर आगमन हुआ था। उन्होंने कहा कि 205 फीट ऊंची प्रतिमा निर्माण को लेकर श्रद्धालुजनों में काफी उत्साह का माहौल है। इस यात्रा में प्रमुख रूप से सीताराम महाराज, नरेन्द्र जी महाराज, अनिल बिसेन, पवन मरकाम, विजेशबावने, डब्बूलाल नागेश, संतोष अर्जुनवार, शैलेन्द्र कुमार सेन, राजेन्द्र शिववंशी, अमित जोशी, अमरसिंग धानेश्वर, रवि बरमैया, शिवपाल टेंभरे, नंदकिशोर शिववंशी सहित अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

एक महिला को बेटी को डांटना महंगा पड़ा पति सास ने की मारपीट- दी जान से मारने की धमकी मां बेटे के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम परसाटोला में घरेलू विवाद के चलते एक महिला के साथ सास और पति द्वारा बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। महिला को अश्लील गालियां देने के साथ जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने आरोपी पति दिलीप अखलेश्वर और सास मीराबाई अखलेश्वर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार नीलू अखलेश्वर 30 वर्ष घरेलू कामकाज करती हैं। उनके परिवार में पति दिलीप, चार बच्चे और सास मीराबाई साथ रहते हैं। 25 जून की सुबह करीब 7 बजे नीलू बकरी चराने गई थीं। सुबह 9 बजे घर लौटने पर घर का काम अधूरा देख उन्होंने बड़ी बेटी अलका को डांट दिया। इस पर सास मीराबाई भड़क गईं और नीलू को अश्लील गालियां देने लगीं। नीलू के गाली देने मना करने पर पति दिलीप वहां आ गया।माँ से जुबान लड़ाती है कहते हुए उसने नीलू के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद लकड़ी का डंडा उठाकर बेरहमी से मारपीट करना शुरू कर दिया।शोर सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर नीलू को छुड़ाया। इसके बाद भी दिलीप ने उसे मां से जुबान लड़ाने और बच्चों को डांटने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। सास और पति पहले भी उसके साथ लड़ाई-झगड़ा कर चुके हैं। घटना के बाद नीलू अपनी मां शशि कला के साथ मलाजखंड थाने पहुंचीं और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने नीलू का मेडिकल कराया और पति दिलीप व सास मीरा के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारती न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

टेकाडी ला. सर्राटी जलाशय की पार में आई दरारें, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

वनों से आने वाले पानी के भारी दबाव के कारण जलाशय की सुरक्षा पर मंडराया संकट

जलाशय की जर्जर स्थिति से सहमे आधा दर्जन गांवों के लोग, प्रशासन से तत्काल मरम्मत की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र के ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सर्राटी जलाशय (टेकाडी ला.) की पारों (दीवारों) में दरारें आने के कारण इसके आसपास बसे गांवों की सुरक्षा पर संकट मंडराने लगा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि सर्राटी जलाशय के मुख्य पारों की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। जिससे बरसात के दिनों में तेज बारिश होने एवं तालाब लबालब भरता है तो जिस स्थान से पारों में दरारे एवं कुछ स्थानों पर गड्ढे बन गये है उक्त स्थान से फुटने की संभावना बनी हुई है। साथ ही पार के दोनों साइड में छोटे-छोटे पौधे एवं झाड़िया उग आई हैं, जिसकी साफ-सफाई भी नही करवाई गई है। ऐसी स्थिति में तालाब की पार कमजोर होने लगी है। लेकिन प्रशासन के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे कभी भी कोई अनहोनी या बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। वहीं आगामी वर्षाकाल को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों में भारी भय और आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने जल संसाधन विभाग और प्रशासन से इस जलाशय के पार की मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

पार फुटने से आधा दर्जन से अधिक ग्राम होगें प्रभावित

आपकों बता दे कि लालबर्रा मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. स्थित सर्राटी जलाशय (तालाब) स्थित है। जिसका निर्माण 100 वर्ष पूर्व किया गया है और इस तालाब में बारिश होने पर पहाड़ी क्षेत्र का पानी जमा होता है। वहीं तालाब के पानी को स्टोर रखने के लिए पार का निर्माण किया गया है। साथ ही इस पार से क्षेत्रीय पर्यटक व ग्रामीणजन आना-जाना करते है और सर्राटी जलाशय में बने विश्राम गृह तक पहुंचाने का भी यह एक सीधा रास्ता है। लेकिन पार से बने रास्ते का लंबे समय से साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जिसके कारण से कुछ स्थानों से मुख्य बांध (पार) क'ची सड़क जर्जर होने के साथ ही दरारे आ गई है। साथ ही पार के दोनों साइड में झाड़ियां उग चुकी है, बरसात के दिनों में अत्यधिक वर्षा होने पर तालाब लबालब भर जाता है ऐसी स्थिति में कमजोर स्थान से पार फुटता है तो सर्राटी जलाशय के ठीक समीप और निचले बहाव क्षेत्र में कई घने बसे हुए गांव स्थित हैं। यदि जलाशय की दीवारें (पार) पानी का दबाव नहीं झेल पाती हैं और कोई अप्रिय घटना होती है, तो टेकाडी ला., चिचगांव, साल्हे ला. , खैरगोंदी और बघोली सहित अन्य कई ग्रामीण अंचलों में भारी तबाही मच सकती है। इन गांवों के हजारों नागरिकों की जान और माल सीधे तौर पर इस जलाशय की मजबूती पर टिकी हुई है।

वनों के पानी से बढ़ता है अत्यधिक दबाव

भौगोलिक दृष्टि से यह जलाशय घने वनों से घिरा हुआ है। बारिश के दिनों में चारों ओर के वनों और पहाड़ियों का पूरा पानी तीव्र गति से बहकर सर्राटी जलाशय में जमा होता है। भारी माता में पानी के इस अत्यधिक और अचानक आने वाले दबाव के कारण जलाशय की जर्जर हो चुकी दीवारें अब जवाब देने लगी हैं। दीवारों में पड़ी दरारें एवं रास्ता खराब होना यह साफ बयां कर रही हैं कि इस अमूल्य जल संरचना पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। जबकि यह सर्राटी जलाशय परियोजना क्षेत्र की जनता और किसानों के लिए कितनी महत्वपूर्ण है, जहां इसका विस्तृत विवरण बोर्ड पर अंकित है। सर्राटी जलाशय परियोजना का इतिहास काफी पुराना है (जिसका निर्माण काल वर्ष 1912 से 1923 के मध्य का है और वर्ष 2014-2016 में इसका जीर्णोद्धार भी किया गया था)। यह जलाशय क्षेत्र के लगभग दो दर्जन से अधिक गांवों की हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को सींचने का काम करता है। लेकिन वर्तमान में इसकी उपेक्षा के कारण इसकी सुरक्षा ताश के पत्तों की तरह बिखरने की कगार पर है। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों का कहना है कि सर्राटी जलाशय तालाब की पार सहित अन्य समस्या से विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत करवा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाये है। बरसात शुरू होने के पहले युध्दस्तर पर इस जलाशय की पारों की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य नहीं किया गया तो भविष्य पर बड़ी समस्या उत्पन्न हो सकती है।

जलाशय की पार कमजोर हो चुकी है - कमल

वरिष्ठ कांग्रेसी कमल शांडिल्य ने बताया कि सर्राटी जलाशय तालाब क्षेत्र के किसानों के लिए जीवनदायिनी है। इस तालाब के पानी से दो दर्जन से अधिक ग्रामों के किसानों के हजारों हेक्टेयर खेती में सिंचाई होती है। लेकिन जलाशय की मुख्य पार जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होने के साथ ही कुछ स्थानों पर दरारे आ चुकी है। पिछले वर्ष की बारिश में एक-दो स्थानों से पानी का रिसाव भी हो रहा था। साथ जलाशय में पहाड़ी क्षेत्र का पुरा पानी जमा होता है, पार पर पानी का दबाव अधिक बनने से पार फुटने की संभावना बनी हुई है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र में विधायक, सांसद, जिला पंचायत सदस्य, सरपंच और बीडीसी जैसे कई जनप्रतिनिधि मौजूद हैं, लेकिन इसके बावजूद किसानों और आमजनता से जुड़े बुनियादी और गंभीर मुद्दों पर किसी का ध्यान नहीं है। श्री शांडिल्य ने बताया कि आखिर इतने बड़े और संवेदनशील विषय पर नेतागण चुप क्यों हैं और उन्हें इसकी चिंता क्यों नहीं है जो समझ से परे लग रहा है। आज के नेता केवल अखबारों और सोशल मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए ही प्रयास करते हैं। अगर किसी पुल का नामकरण करना हो या कोई छोटा-मोटा मुद्दा हो, तो उस पर बड़ी-बड़ी राजनीति शुरू हो जाती है। सड़क या ओवरब्रिज के निर्माण में कोई कमी हो, तो तुरंत विरोध दर्ज करवाने पहुंच जाते हैं, लेकिन जहां बात सीधे तौर पर किसानों और आमजनता के जीवन से जुड़ी हो, वहां ये पूरी तरह मौन साध लेते हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि नेताओं को जनसमस्याओं को हल करने में कोई वास्तविक रूचि नहीं है। जल संसाधन विभाग और प्रशासन से मांग है कि सर्राटी जलाशय की पारों में उग आई झाड़ियों की सफाई, सड़क व पार का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन - भाऊराम

जल उपभोक्ता संस्था के पूर्व जिलाध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि क्षेत्र के ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सर्राटी जलाशय (टेकाडी ला.) की पारों (दीवारों) में दरारें आने लगी है। जबकि इस पार के ऊपर से तालाब घुमने जाने वाले पर्यटक एवं ग्रामीणजन आवागमन करते है। किन्तु क'चा मार्ग होने से जगह-जगह गड्ढे बन चुके है एवं कुछ स्थानों से पार भी कमजोर होने लगी है। श्री गाड़ेश्वर ने बताया कि बरसात के दिनों में क्षेत्रीयजन बड़ी संख्या में तालाब एवं रपटे के पानी को देखने के लिए पहुंचते है लेकिन उक्त स्थानों पर सुरक्षा के इंतजाम भी नही है, जिससे हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। साथ ही जलाशय के आसपास बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई है इसलिए प्रशासन से मांग है कि झाड़ियों की सफाई कर जल्द तालाब की बांध (पार) का मरम्मत कार्य करवाये।

ओरिएंटल कालेज में आईकॉन रेमेडी प्रा. लि. का ओपन कैंपस ड्राइव का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित ओरिएंटल कालेज (ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में) गत दिवस आईकॉन रेमेडी प्राइवेट लिमिटेड नागपुर के सहयोग से ओपन कैंपस ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। इस रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम में संस्थान सहित विभिन्न महाविद्यालयों के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज करवाई है। वहीं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वहीं कालेज में आयोजित कैंपस ड्राइव के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान, संचार कौशल एवं व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया। साथ ही विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास एवं उत्साह के साथ साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं कैंपस ड्राइव के परिणामस्वरूप 50 से अधिक विद्यार्थियों का चयन विभिन्न पदों के लिए किया गया। चयनित विद्यार्थियों ने अपनी योग्यता, मेहनत एवं प्रतिभा के बल पर यह उपलब्धि प्राप्त की। साथ ही चयनित विद्यार्थियों को कालेज संस्थान के डायरेक्टर सहित अन्य शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उत्साह, अनुशासन एवं प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उ'जवल भविष्य, सफल कैरियर एवं निरंगर प्रगति की कामना की है। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर डॉ. एच. सी. हनवत, मैनेजिंग डायरेक्टर सैफाली बिसेन, चेयरमैन ऐश्वर्य बिसेन, श्रीमती रोहिणी हुमनेकर, ट्रिवंकल वरकड़े, अंचल कटरे, शीतल बिसेन, स्वाति हनवत, दीपिका बिसेन, साक्षी साकुरे, माधुरी गोले, रिया लिल्हारे, संगीता बोपचे, ललित रोकड़े, बिहारी प्रजापति, अंकित पंचेश्वर, राहुल रंगारे, कपिल पंचेश्वर नीतू उइके एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आदिवासी ग्राम खैरगोंदी में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और श्री सत्य सांई सेवा समिति के संयुक्त प्रयास से 70 ग्रामीणों की हुई जांच

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले आदिवासी ग्राम खैरगोंदी में गत दिवस एक विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर श्री सत्य सांई सेवा समिति लालबर्रा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। साथ ही डॉक्टरों द्वारा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के लिए उचित मार्गदर्शन भी दिया गया।

राष्ट्रपति की प्रेरणा से देशभर के 500 गांवों में अभियान

चर्चा में श्री सत्य सांई सेवा समिति लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्री सत्य सांई सेवा संगठन से देश के आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार और जागरूकता के लिए रचनात्मक कार्य करने का अनुरोध किया था। राष्ट्रपति की इसी प्रेरणा से प्रेरित होकर संगठन द्वारा पूरे भारत वर्ष के 500 आदिवासी गांवों का चयन कर विशेष मेडिकल कैंप (स्वास्थ्य शिविर) आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में खैरगोंदी गांव में गत दिवस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में कुल 70 ग्रामीणों की चिकित्सों के द्वारा जांच कर उनका उपचार किया गया। साथ ही यह भी बताया कि जांच के दौरान 2 महिलाओं में हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) की शिकायत पाई गई। साथ ही 6 महिलाओं को बेहतर व उच्च स्तरीय जांच और उपचार के लिए बड़े अस्पताल के लिए रिफर किया गया। वहीं इस मानवीय कार्य के लिए खैरगोंदी के ग्रामीणों ने श्री सत्य सांई सेवा समिति और स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर साल्हे ला. सरपंच प्रतिनिधि जुगल भैरम, बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे, गुमान गोंडगे, श्री सत्य सांई सेवा समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस की जनसभा एवं धरना प्रदर्शन 28 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नीट पेपर लीक, बेरोजगारी, मध्यप्रदेश सरकार भर्ती हुए घोटालों की जांच, धान का 3100 रूपये समर्थन मूल्य किये जाने, बेरोजगारी भत्ता सहित अन्य मामलों को लेकर युवा कांग्रेस एवं जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा 28 जून को बालाघाट में जनसभा एवं धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में लालबर्रा विकासखण्ड के सभी युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील लालबर्रा युवा कांग्रेस अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने की है। चर्चा में युवा कांग्रेस लालबर्रा अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि देश एवं प्रदेश में नीट पेपर लीक, बेरोजगारी, सरकारी भर्ती में हुए घोटालों की जांच, कालेजों की छात्रवृत्ति समय पर न मिलना, खाली रिक्त पदों में भर्ती करने, बेरोजगारी भत्ता, 3100 रूपये धान खरीदी, डीएपी, यूरिया खाद के दाम कम करने, 24 घंटे 5 एचपी

बिजली फ्री किसानों के लिए दिये जाने, पेट्रोल-डीजल के रेट कम करने, समय पर उपलब्ध करने, गैस सिलेंडर के रेट कम, स्मार्ट मीटर बंद करने, युवाओं को रोजगार देने, महंगाई, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने, आदिवासियों की जमीन भू-माफिया से बचाने की मांग को लेकर बालाघाट के काली पुतली चौक में 28 जून को युवा कांग्रेस के द्वारा जनसभा एवं धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इस दौरान केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। साथ ही जिस तरह से घोटाले हो रहे है, महंगाई बढ़ रही है उस पर रोक लगाने की मांग सरकार से की जायेगी। इस अवसर पर लालबर्रा क्षेत्र के युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता युवा कांग्रेस की जनसभा एवं धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्री पिपलोद ने की है।

बसपा का छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती समारोह 27 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में बहुजन समाज पार्टी के द्वारा आरक्षण के जनक कोल्हापुर के राजा छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं। तत्संबंध में जानकारी देते हुए बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिला प्रभारी दीपक मेश्राम ने बताया कि आरक्षण के जनक कोल्हापुर के राजा छत्रपति शाहूजी महाराज का 26 जून को जन्म हुआ था। इसी पखवाड़े के तहत बहुजन समाज पार्टी 27 जून को लालबर्रा स्थित बालाघाट रोड़ लॉन में दोपहर 12 बजे से छत्रपति शाहूजी महाराज के जन्म दिवस को आरक्षण दिवस के रूप में मनायेगी। साथ ही विधानसभा स्तरीय आयोजित इस कार्यक्रम में संगठन की समीक्षा भी की जायेगी। श्री मेश्राम ने बताया कि उक्त कार्यक्रम बसपा प्रदेश प्रभारी जियालाल अहिरवार, बसपा विधानसभा अध्यक्ष पुनाराम हुमनेकर की अध्यक्षता एवं बसपा जोन प्रभारी उमाकांत बंदेवार, इंजी. महेंद्र जी जिला अध्यक्ष बसपा बालाघाट, रंजीत जगनके जिला उपाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी खेमराज हरिनखेड़े के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रभर के बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील बसपा पूर्व जिला प्रभारी दीपक मेश्राम ने की है।

मदनपुर-कायदी नाले पर पुलिया के अभाव में ग्रामीण परेशान

बारिश में अवरुद्ध हो जाता है मार्ग, जान जोखिम में डालकर नाला पार करने मजबूर ग्रामीणजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनपुर स्थित पट मैदान के पास से बहने वाला नाला इन दिनों स्थानीय ग्रामीणों और कृषकों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुका है। मदनपुर और कायदी गांव के बीच बहने वाले इस नाले पर दशकों बाद भी पुलिया का निर्माण नहीं हो सका है। जिसके कारण रोजाना यहां से गुजरने वाले सैकड़ों ग्रामीणों, महिलाओं और खेतिहर मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शासन प्रशासन की इस घोर उपेक्षा को लेकर अब क्षेत्र के ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

रेलवे स्टेशन और खेतों तक पहुंचने का एकमात्र शॉर्टकट

विदित हो कि यह नाला मदनपुर और कायदी के बीच की भौगोलिक सीमा पर बहता है। नाले के दोनों ओर बड़े पैमाने पर खेती किसानी होती है। मदनपुर के ग्रामीणों के लिए कायदी रेलवे स्टेशन, जिला मुख्यालय बालाघाट सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में जाने के लिए यह सबसे छोटा और सुगम मार्ग है। सबसे ज्यादा आवागमन कायदी रेलवे स्टेशन के लिए होता है। इसके अलावा कायदी की तरफ स्थित खेतों में काम करने के लिए मदनपुर से रोजाना बड़ी संख्या में महिला पुरुष और मजदूर इसी मार्ग से आना जाना करते हैं। वहीं कायदी के लोग भी विभिन्न कार्यों के लिए मदनपुर इसी रास्ते से आते हैं। पुलिया ना होने का सबसे खराब रूप बारिश के दिनों में देखने को मिलता है। जब नाला उफान पर होता है तो इस मार्ग से दोपहिया या साइकिल से निकलना किसी खतरे से खाली नहीं है और कई बार तो आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। इस समस्या के कारण ग्रामीणों को महज कुछ मीटर का नाला पार करने के बजाय करीब ५ किलोमीटर का लंबा और कष्टदायी फेरा काटकर प्रतिदिन अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है। इससे ना सिर्फ ग्रामीणों का समय बर्बाद हो रहा है बल्कि आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। केवल नाला ही नहीं बल्कि पट मैदान से होकर गुजरने वाले इस पूरे पहुंच मार्ग की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। पूरे रास्ते में बडे बड़े गड्ढे उभर आए हैं जिससे पैदल चलना भी दूभर हो गया है। खराब सड़क और बिना पुलिया के नाले ने मिलकर ग्रामीणों के सफर को बेहद कष्टदायक और जोखिमभरा बना दिया है। कृषकों और ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से गुहार लगाने के बाद भी आज तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि किसानों और मजदूरों के हित को ध्यान में रखते हुए इस नाले पर पाइप या सीमेंट की पक्की पुलिया का निर्माण कराया जाए साथ ही पट मैदान वाले पहुंच मार्ग का भी सुदृढ़ीकरण किया जाए।

पुलिया बनने से सभी की समस्या का समाधान होगा- उमाशंकर ठाकरे

ग्रामीण उमाशंकर ठाकरे ने बताया कि यह मार्ग सीधा कायदी के लिए जाता है बीच में एक नाला पड़ता है वहां से गाड़ी आना जाना नहीं कर सकती है बारिश में पैदल आना जाना नहीं कर सकते हैं। अभी सूखा है पैदल या गाडी से लोग आना जाना कर रहे हैं यह स्थिति आजकल की नहीं बहुत पुरानी है पहले से यह समस्या हमारे यहां बनी हुई है। यदि बारिश में हमें कायदी जाना होता है तो हम घूम कर जाते हैं ४ किलोमीटर का अत्यधिक फेर लगता है। वारासिवनी होते हुए बहुत लंबा पड़ जाता है यदि यहां पुलियां बन जाता है तो हम सीधा कायदी निकल जाएंगे। आवागमन करने में सुविधा होगी घूम कर जाना किसी को नहीं पड़ेगा। अभी यहां सुखे समय में भी हर किसी के लिए दिक्कत है और दुर्घटना का भी डर लगा हुआ है।

समस्या हर किसी को पता है निराकरण कोई नही करना चाहता है-ईश्वरी भगत

ईश्वरी भगत ने बताया कि यह जो मदनपुर से कायदी के बीच में नाला है इस पर से आने जाने में बहुत दिक्कत है। इस मार्ग का उपयोग अधिकांश खेतों में मजदूरी के लिए आना जाना करने होता है जैसे परहा लगाना है निंदाई करना है। इसके अलावा किसी को ट्रेन बैठना है या कहीं जाना है तो यहीं से जाते हैं। हमारे यहां बहुत कम खेती है कायदी में ज्यादा खेती है तो वहां पर काम करने वाले लोगों की अधिक संख्या रहती है। दूसरे खेत वाले उन्हें बुलाते हैं ऐसे में बहुत जरूरत है पुलियां बनने की यहां पर पाइप या कालम किसी भी प्रकार का पुलियां बनना चाहिए की आना जाना हमारा सुरक्षित हो सके। यह नाला आमाटोला में आता हैं समस्या हर किसी को पता है बस इसका निराकरण करना चाहिए।

पुलिया बनाने हमारे द्वारा जिला पंचायत में आवेदन किया है-सुनील झिल्पे

सरपंच प्रतिनिधि सुनील झिल्पे ने दूरभाष पर बताया कि यह नाला बहुत महत्वपूर्ण है। यहां से हमारे गांव के किसान मजदूर एवं विद्यार्थी प्रतिदिन आना जाना करते हैं तो वहीं जरूरत के लिए भी लोग आते जाते हैं। इस संबंध में हमारे द्वारा जिला पंचायत में आवेदन लगाया गया है और ध्यान आकर्षण भी कराया गया है परंतु वर्तमान तक कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिल पाए हैं। यदि प्रशासन इस नाले पर पुलिया बनाने के लिए सहयोग करता है तो ग्राम के लोगों को एक बेहतर और सरल यातायात का साधन मिलेगा अभी बारिश में यह मार्ग पूरा बंद हो जाता है। लोगों को दूरी तय कर जाना पड़ता है जो दिक्कत भरा होता है।

मनेरी के दायित्वनिधि गौतम का आईआईएम लखनऊ में चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम मनेरी निवासी दायित्वनिधि गौतम ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल

पर प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान आईआईएम लखनऊ में प्रवेश प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनका चयन वर्ष 2026-2028 बैच के लिए हुआ है, जिससे परिवार एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। दायित्वनिधि, महेंद्र गौतम एवं श्रीमती ज्योति गौतम के सुपुत्र हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद वीएनआईटी नागपुर से बी.टेक. की पढ़ाई पूरी की। इसके पश्चात उन्होंने लगभग दो वर्षों तक निजी क्षेत्र में कार्य कर व्यावसायिक अनुभव प्राप्त किया। अपनी उच्च शिक्षा और प्रबंधन क्षेत्र में आगे बढ़ने के लक्ष्य के साथ दायित्वनिधि ने कॉमन एडमिशन टेस्ट की तैयारी की और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रावीण्य सूची में स्थान बनाया। उनकी इस उपलब्धि के आधार पर देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थानों में से एक आईआईएम लखनऊ में चयन हुआ है। दायित्वनिधि की इस सफलता पर परिजनों, मित्रों एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सभी ने विश्वास व्यक्त किया है कि वे अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन से भविष्य में भी नई उपलब्धियां हासिल कर क्षेत्र एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे।

निमटोला के मां मिल में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस ने दर्ज किया मर्ग

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी के निमटोला स्थित मां एग्रो मिल में 28 वर्षीय युवक नितीश शाद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना 21 जून 2026 की रात की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक नितीश शाद पिता लालचंद शाद, उम्र 28 वर्ष, मूल निवासी अक्काहटोला, बिहार का रहने वाला था और वर्तमान में लांजी के अग्रवाल मील, नीमटोला क्षेत्र में रह रहा था। 21 जून 2026 की रात करीब 11:30 बजे सिविल अस्पताल लांजी द्वारा थाने में सूचना दी गई कि नितीश शाद को किसी कारणवश फांसी लगाने के बाद अस्पताल लाया गया था, जहां उसे जांच कर मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल से प्राप्त लिखित तहरीर के आधार पर थाना लांजी में मर्ग क्रमांक 26/2026 धारा 194 बीएनएस के अंतर्गत दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित किया एवं शव का पोस्टमॉर्टम कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। अभी तक आत्महत्या के पीछे का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दीवार गिरने से शौचालय गए ९ वर्षीय रियांश की दर्दनाक मौत

बारिश में आकाशीय बिजली गिरने से गिरी शौचालय की दीवार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत तुमाड़ी में गुरुवार को प्रकृति ने ऐसा कहर बरपाया जिसने एक हंसते खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। क्षेत्र में अचानक हुई झमाझम बारिश और आकाशीय बिजली की तेज गर्जना के बीच एक घर के शौचालय की दीवार भरभराकर गिर गई। इस हादसे की चपेट में आने से शौचालय गए एक ९ वर्षीय रियांश बालक की मलबे में दबकर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्कूल से लौटकर शौचालय गया था बालक

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तुमाड़ी के वार्ड नंबर ४ निवासी जितेंद्र नगपुरे पेशे से मजदूर हैं। वे अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ यहां रहते हैं। रोज की तरह गुरुवार को भी जितेंद्र काम करने गए हुए थे जबकि उनकी पत्नी घर के कार्यों में व्यस्त थी। दोनों बच्चे स्कूल गए थे दोपहर करीब ४ बजे जब स्कूल की छुट्टी हुई तो दोनों भाई हंसते-खेलते घर लौटे। घर पहुंचने के कुछ ही देर बाद बड़ा बेटा रियांश नगपुरे उम्र ९ वर्ष शौच के लिए घर के आंगन में बने शौचालय में गया था। इसी दौरान यह भयानक हादसा हो गया।

अचानक बदला मौसम आकाशीय बिजली गिरने की आशंका

ग्रामीणों के अनुसार शाम होने से पहले ही अचानक आसमान में काले घने बादल छा गए। हल्की हवाओं के साथ शुरू हुआ बूंदाबांदी का दौर देखते ही देखते झमाझम बारिश में बदल गया। करीब एक घंटे से अधिक समय तक कड़कड़ाती बिजली और बादलों की भीषण गर्जना के साथ यह झमाझम बारिश होती रही। इसी दौरान एक तेज गर्जना और बिजली कड़कने के साथ ही जितेंद्र नगपुरे के शौचालय की दीवार अचानक ढह गई। आशंका जताई जा रही है कि आकाशीय बिजली गिरने के जोरदार झटके या सीधे उसकी चपेट में आने के कारण ही दीवार गिरी जिसके मलबे में रियांश बुरी तरह दब गया।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम गई सांसें

दीवार गिरने की आवाज सुनकर मां और आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े। मलबे को हटाकर रियांश को बेसुध हालत में बाहर निकाला गया। परिजन और ग्रामीण बिना वक्त गंवाए रियांश को तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। रियांश की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से तहरीर के माध्यम से तत्काल थाना वारासिवनी को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी सिविल अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मृत बालक के शव का पंचनामा बनाकर वहां मौजूद परिजनों और ग्रामीणों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। फिलहाल बालक के शव को सिविल अस्पताल वारासिवनी परिसर में स्थित शव विच्छेदन गृह के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। जिसका शुक्रवार की सुबह १० बजे पोस्टमार्टम किया जाएगा जिसके बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे की जांच प्रारंभ कर दी है।

तेज गर्जना के साथ बिजली गिरने से दीवार गिरी जयराम गौतम

ग्रामीण जयराम गौतम ने बताया की यह घटना हमारे घर के सामने की हैं। जितेंद्र नगपुरे का बालक स्कूल से घर आया था जो शौचालय में शौच करने के लिए गया हुआ था। यह उस समय की घटना है जब तेज बारिश हो रही थी तभी अचानक शौचालय की दीवार गिरी और परिजनों का शोर सुनाई दिया। हम लोग जाकर बच्चे को तत्काल अस्पताल में लेकर आए यहां डॉक्टर मौत होना बताया है। शायद तेज गर्जना के साथ बिजली गिरने से दीवार गिरी है यह दो भाई थे बडे भाई की मौत हो गयी हैं। मामले में पुलिस अब अपनी कार्यवाही कर रही है।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने गुरुवार 25 जून 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, श्री एम.आर. कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी, तहसीलदार श्री सुनील वर्मा, श्रीमती मंजुला महोबिया, अधीक्षक भू-अभिलेख कृष्णा नायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने साइबर तहसील के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साइबर तहसील प्रकरणों में समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने वाले पटवारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्ती के लंबित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान बालाघाट अनुभाग में 118, किरनापुर में 25, कटंगी में 25 तथा वारासिवनी में 20 प्रकरण लंबित पाए गए। कलेक्टर ने इन सभी मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा में जिले में 325 प्रकरण लंबित पाए गए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी व्यक्त करते हुए वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले सभी लंबित सीमांकन प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेतों में फसल लगने के बाद सीमांकन कार्य प्रभावित होगा, इसलिए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए।

कलेक्टर श्री मीना ने आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्व मामलों के निपटारे में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मीना ने शेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शीघ्र पूरा करने तथा सभी तहसीलों में 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कृषि भूमि पर आवास निर्मित होने के कारण फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है, वहां भूमि का डायवर्सन कराकर निर्धारित राशि की वसूली की जाए। डायवर्सन प्रकरणों में मात्र 19 लाख रुपये की वसूली होने पर कलेक्टर ने असंतोष व्यक्त करते हुए लक्ष्य के अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी तहसीलदारों को नक्शा तरमीम के कार्य में तेजी लाने और अनावश्यक लंबित प्रकरणों का निराकरण करने को कहा।

प्राकृतिक आपदा राहत संबंधी आरबीसी 6-4 प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मीना ने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि कोई भी प्रकरण लंबित न रहे तथा उनका त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी एसडीएम को भू-अर्जन एवं आरबीसी 6-4 प्रकरणों की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी निगरानी करने के निर्देश भी दिए। बैठक के अंत में कलेक्टर श्री मीना ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण कर वहां सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

एआई और इंटरनेट से बढ़ती डिजिटल थकान-कारण और समाधान

आज का युग तकनीक का युग है और आज के इस तकनीक और डिजिटल युग में हर किसी में डिजिटल फटीग (डिजिटल थकान) तेजी से बढ़ती समस्या बनती जा रही है। दिनभर या यूं कहें कि लगातार स्क्रीन पर काम करना, बार-बार आने वाले नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, ऑनलाइन बैठकों और एआई आधारित टूल्स पर बढ़ती निर्भरता के कारण लोगों में मानसिक थकान, एकाग्रता की कमी, आंखों में तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। उत्पादकता बढ़ाने के लिए बनाए गए डिजिटल साधन कई बार मानसिक दबाव का कारण भी बन जाते हैं। इसलिए स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करना, नियमित अंतराल पर विश्राम लेना और डिजिटल संतुलन बनाए रखना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कहना गलत नहीं होगा कि मोबाइल या लैपटॉप पर बार-बार आने वाले नोटिफिकेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) द्वारा तैयार की जा रही सामग्री, स्क्रीन पर लगातार काम करने की आदत और विभिन्न एआई टूल्स के बढ़ते उपयोग के कारण आज लोगों में मानसिक और डिजिटल थकान तेजी से बढ़ रही है। विडंबना यह है कि जिन तकनीकों और टूल्स को हमारी उत्पादकता बढ़ाने के लिए बनाया गया था, वे ही अब एकाग्रता में कमी, तनाव और बर्नआउट का मुख्य कारण बन रहे हैं। ऑनलाइन लेक्चर, वर्चुअल मीटिंग्स, इंटरनेट पर उपलब्ध असीमित जानकारियों, रील्स और शॉर्ट वीडियोज ने लोगों को इस कदर बांध लिया है कि किताब पढ़ते समय भी ध्यान बार-बार मोबाइल फोन की ओर चला जाता है, जिसका सीधा असर हमारी स्मरण शक्ति और निर्णय लेने की क्षमता पर भी पड़ रहा है। लगातार डिजिटल माध्यमों के संपर्क में रहने और एआई-आधारित टूल्स से मिलने वाले अलर्ट्स, रिमाइंडर्स व परफॉर्मेंस रिपोर्ट्स के कारण आज मानसिक बोझ बढ़ रहा है। पाठक जानते हैं कि आज शिक्षा से लेकर कार्यस्थल तक एआई कौशल सीखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है, लेकिन जब हम एआई के उत्तरों पर पूरी तरह निर्भर होने लगते हैं, तो गहराई से सोचने, तर्क करने और नए समाधान खोजने की हमारी मौलिक व रचनात्मक क्षमता कमजोर पड़ने लगती है। इंटरनेट मीडिया पर स्क्रॉलिंग की कोई निश्चित सीमा नहीं होती और एआई एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं के व्यवहार व रुचियों के आधार पर लगातार व्यक्तिगत व आकर्षक कंटेंट दिखाते रहते हैं, जिससे लोग कुछ मिनट के लिए प्लेटफॉर्म खोलकर भी वहां घंटों बिता देते हैं। इस इन्फॉर्मेशन ओवरलोड (सूचना की अधिकता) के कारण मानसिक संतुलन प्रभावित होता है और व्यक्ति थकान व भ्रम का शिकार हो जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए गैर-जरूरी नोटिफिकेशन बंद करना, स्क्रीन टाइम सीमित रखना, प्रतिदिन सुबह और रात को कुछ समय डिजिटल डिवाइस से दूर रहना तथा हर आधे घंटे में छोटा ब्रेक लेना बेहद आवश्यक है। वास्तव में, आज चिंता का विषय यह नहीं है कि एआई मानव रचनात्मकता का स्थान ले लेगा, बल्कि यह है कि उस पर अत्यधिक निर्भरता हमारी जिज्ञासा और स्वतंत्र सोच को सीमित कर देगी; इसलिए एआई का उपयोग केवल एक सहायक उपकरण के रूप में होना चाहिए।

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 की धारा 26 ए का डंडा चला

16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध-जनस्वास्थ्य सुरक्षा, वैज्ञानिक दवा नीति और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

वैश्विक स्तरपर भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 20 जून 2026 को जनस्वास्थ्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लिया। मंत्रालय ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 की धारा 26ए के अंतर्गत अधिसूचना जारी कर 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक, उत्तरदायी और साक्ष्य-आधारित औषधि नीति का स्पष्ट संकेत भी है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया दवा सुरक्षा,एंटीबायोटिक प्रतिरोध, तर्कसंगत औषधि उपयोग और रोगी सुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब भारत का यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन अर्थात ऐसी दवाएं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय तत्वों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में तैयार किया जाताहै चिकित्सा विज्ञान में एफडीसी का सिद्धांत नया नहीं है। यदि दो या अधिक दवाओं का संयोजन रोगी के लिए अधिक प्रभावी, सुरक्षित, सुविधाजनक और उपचार अनुपालन को बेहतर बनाने वाला हो तो ऐसे संयोजन अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। क्षय रोग, एचआईवी, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी अनेक बीमारियों के उपचार में वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित एफडीसी दवाओं कासफल उपयोग किया जाता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि समस्या तब उत्पन्न होती है जब पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन क्लिनिकल परीक्षण और चिकित्सीय औचित्य के बिना अनेक दवा संयोजन बाजार में उपलब्ध हो जाते हैं। ऐसे संयोजन न केवल अपेक्षित लाभ देने में विफल रहते हैं, बल्कि कई बार रोगियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम भी उत्पन्न कर सकते हैं।स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार विशेषज्ञ समितियों, तकनीकी सलाहकार समूहों और वैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि संबंधित 16 एफडीसी दवाओं का पर्याप्त चिकित्सीय औचित्य उपलब्ध नहीं है।उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर यह पाया गया कि इन दवाओं के उपयोग से होने वाले संभावित जोखिम इनके संभावित लाभों की तुलना में अधिक हैं।इसलिए जनहित और रोगी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक समझा गया। साथियों, इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह भारत में तर्कसंगत औषधि उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है। चिकित्सा विज्ञान का मूल सिद्धांत है कि प्रत्येक दवा का उपयोग केवल तभी किया जाए जब उसका लाभ उसके जोखिम से अधिक हो। यदि किसी दवा या दवा संयोजन के प्रभावी और सुरक्षित होने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध न हों, तो उसका बाजार में बने रहना उचित नहीं माना जा सकता। यही सिद्धांत इस निर्णय की आधारशिला है।प्रतिबंधित 16 एफडीसी दवाओं में विभिन्न श्रेणियों के संयोजन शामिल हैं। इनमें एंटीबायोटिक संयोजन, दर्द निवारक दवाएं, त्वचा रोग उपचार संबंधी क्रीम और लोशन, मधुमेह उपचार के कुछ बहु-घटक संयोजन, एंटीफंगल- स्टेरॉयड-एंटीबायोटिक क्रीम तथा अन्य बहु-घटक दवा संयोजन शामिल हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्रतिबंधित संयोजनों में निम्न प्रकार के प्रमुख संयोजन शामिल हैं-निश्चित खुराक संयोजन दवाओं की प्रतिबंधित सूची एमोक्सिसिलिन + सेराटियोपेप्टिडेज़ + लैक्टोबैसिलस स्पोरोजेन्स, एमोक्सिसिलिन + सेराटियोपेप्टिडेज़ एमोक्सिसिलिन + क्लोक्सासिलिन + लैक्टिक एसिड बैसिलस + सेराटियोपेप्टिडेज़,सेफ्यूरोक्सिम + सेराटियोपेप्टिडेज़, सेफैड्रोक्सिल + प्रोबेनेसिड, डाइसाइक्लोमाइन + पैरासिटामोल + क्लिडिनियम ब्रोमाइड + क्लोर्डियाज़ेपॉक्साइड,डाइसाइक्लोमाइन +पैरासिटामोल + क्लिडिनियम ब्रोमाइड,एलोवेरा का अर्क + एलेंटोइन + अल्फाटोकोफेरोल एसीटेट + डी-पैन्थेनॉल + विटामिन ए,एलोवेरा का अर्क + विटामिन ई + डाइमेथिकोन + ग्लिसरीन, एलोवेरा + जोजोबा ऑयल + विटामिन ई,एलोवेरा + संतरे का तेल, एलोवेरा + विटामिन ई + हर्बल,पैरासिटामोल + लिग्नोकेन ग्लिक्लाजाइड + क्रोमियम पिकोलीनेट समिति द्वारा समीक्षा की गई दो अतिरिक्त निश्चित खुराक वाली दवाओं के संयोजन को भी पर्याप्त चिकित्सीय समर्थन के अभाव में प्रतिबंधित कर दिया गया।अन्य वैज्ञानिक आधारहीन बहु-घटक एफडीसी उत्पाद। साथियों, उल्लेखनीय है कि अंतिम आधिकारिक अधिसूचना में प्रत्येक उत्पाद का विस्तृत रासायनिक नाम, शक्ति तथा संरचना का विवरण उपलब्ध होता है, जिसके आधार पर संबंधित उत्पादों की पहचान की जाती है।इन प्रतिबंधित दवाओं में एंटीबायोटिक संयोजनों को लेकर विशेष चिंता व्यक्त की गई है।आज पूरी दुनिया एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस अर्थात एंटीबायोटिक प्रतिरोध की गंभीर समस्या से जूझ रही है। जब एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक या अनुचित उपयोग किया जाता है, तो जीवाणु धीरे-धीरे उन दवाओं के प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं। परिणामस्वरूप सामान्य संक्रमणों का उपचार कठिन हो जाता है और मृत्यु दर बढ़ने लगती है। विश्व स्वास्थ्य समुदाय कई वर्षों से चेतावनी दे रहा है कि यदि एंटीबायोटिक प्रतिरोध को नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में सामान्य संक्रमण भी घातक सिद्ध हो सकते हैं। ऐसे में वैज्ञानिक आधार के बिना तैयार किए गए एंटीबायोटिक संयोजन सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सटीकता से गंभीर खतरा बन सकते हैं। साथियों, भारत विश्व के सबसे बड़े दवा उत्पादक देशों में से एक है। वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका तथा अनेक विकसित देशों में भारतीय दवाओं का व्यापक उपयोग होता है। इसलिए भारत की औषधि नियामक प्रणाली द्वारा लिया गया प्रत्येक निर्णय वैश्विक औषधि बाजार और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी प्रभाव डालता है। जब भारत किसी दवा या दवा संयोजन को वैज्ञानिक आधार पर प्रतिबंधित करता है, तो यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी एक स्पष्ट संदेश देता है कि रोगी सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रमाण सर्वोच्च प्राथमिकता हैं।इस निर्णय का कानूनी आधार औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 26ए है। यह धारा केंद्र सरकार को यह अधिकार प्रदान करती है कि यदि किसी दवा के उपयोग से मानव स्वास्थ्य को जोखिम हो सकता है अथवा उसके सुरक्षित एवं प्रभावी होने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध न हों, तो सरकार उसके निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा सकती है।यह प्रावधान भारतीय औषधि नियामक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण सुरक्षा तंत्र है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को संभावित रूप से हानिकारक दवाओं से बचाना है।भारत सरकार इससे पहले भी कई अवसरों पर इसी धारा का उपयोग कर चुकी है। पिछले वर्षों में सैकड़ों फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं पर प्रतिबंध लगाया गया था। उन निर्णयों का उद्देश्य भी यही था कि बाजार में केवल वही दवाएं उपलब्ध रहें जिनकी प्रभावशीलता और सुरक्षा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो।वर्तमान निर्णय उसी प्रक्रिया की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।दवा उद्योग के दृष्टिकोण से भी यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है।आधुनिक फार्मास्युटिकल उद्योग में अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्ता नियंत्रण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। जब नियामक संस्थाएं वैज्ञानिक मानकों को कठोरता से लागू करती हैं,तो दवा कंपनियां भी अधिक शोध, बेहतर क्लिनिकल परीक्षण और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के पालन के लिए प्रेरित होती हैं। इससे पूरे उद्योग की विश्वसनीयता बढ़ती है और रोगियों को सटीकता से सुरक्षित उपचार उपलब्ध होता है। साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि दवा बाजार में केवल उत्पादों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक लक्ष्य यह होना चाहिए कि उपलब्ध प्रत्येक दवा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, प्रभावी और सुरक्षित हो। यही कारण है कि विश्व के विकसित देशों में दवाओं की स्वीकृति के लिए कठोर वैज्ञानिक परीक्षण आवश्यक होते हैं। भारत भी इसी दिशा में, आगे बढ़ रहा है और वर्तमान निर्णय इस प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।रोगियों के लिए भी यह निर्णय महत्वपूर्ण संदेश देता है। अनेक लोग बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का उपयोग करते हैं या फार्मेसी से सीधे दवाएं खरीद लेते हैं। विशेष रूप से एंटीबायोटिक दवाओं का अनियंत्रित उपयोग लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार सलाह देते रहे हैं कि किसी भी दवा का उपयोग केवल योग्य चिकित्सक की सलाह पर ही किया जाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति वर्तमान में प्रतिबंधित संयोजन वाली दवा का उपयोग कर रहा है, तो उसे घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने चिकित्सक से परामर्श लेकर उपयुक्त वैकल्पिक उपचार अपनाना चाहिएस्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना का मूल सार यह है कि केंद्र सरकार ने उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों, विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशों और सार्वजनिक स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखते हुए यह संतोष व्यक्त किया कि संबंधित 16 फिक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन दवाओं का कोई पर्याप्त चिकित्सीय औचित्य नहीं है तथा उनका उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकता है। साथियों, जनहित में इनके निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाता है। यही अधिसूचना इस निर्णय का आधिकारिक आधार है।यदि इस निर्णय को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो यह केवल 16 दवाओं पर प्रतिबंध का मामला नहीं है,बल्कि भारत की स्वास्थ्य नीति में गुणवत्ता, पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्णय दर्शाता है कि सरकार केवल दवाओं की उपलब्धता पर ही नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और प्रभावशीलता पर भी समान रूप से ध्यान दे रही है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रतिभा केंद्र और उज्ज्वल भविष्य की नई शक्ति

-कांतिलाल मांडोत

इक्कीसवीं सदी में यदि किसी देश ने अपनी प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है तो वह भारत है। कभी ऐसा समय था जब देश के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ बेहतर अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर जाते थे। उस दौर में इसे ब्रेन ड्रेन कहा जाता था और चिंता जताई जाती थी कि देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति विदेशों की प्रगति में योगदान दे रही है। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। भारत अब केवल प्रतिभा देने वाला देश नहीं रहा बल्कि प्रतिभाओं को वापस आकर्षित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

आज दुनिया के विकसित देशों में भारतीय प्रतिभा की धाक है। अमेरिका ब्रिटेन कनाडा ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों की बड़ी कंपनियों में भारतीय पेशेवर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान इंजीनियरिंग चिकित्सा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब कहा जा रहा है।

हाल के वर्षों में एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर विदेशों से वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे केवल नौकरी करने नहीं आ रहे बल्कि भारत में अवसरों का नया संसार खड़ा कर रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में एक लाख बत्तीस हजार से अधिक उच्च कौशल वाले भारतीय पेशेवर अपने देश लौटे। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सपनों का देश नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लौटने वाले भारतीय युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो भविष्य की दिशा तय करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डीप टेक सेमीकंडक्टर एयरोस्पेस क्लाइमेट टेक और उन्नत अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञ नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। वे रिसर्च लैब बना रहे हैं नई तकनीक विकसित कर रहे हैं और दुनिया की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी पुनर्जागरण का संकेत है।

दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों की संख्या सीमित है लेकिन उनमें भारतीयों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एआई प्रतिभा उपलब्ध कराने वाले देशों में सबसे आगे है। भारतीय इंजीनियर और वैज्ञानिक वैश्विक तकनीकी विकास की रीढ़ बन चुके हैं। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां भारतीय प्रतिभा के बिना अपनी कल्पना भी नहीं कर सकतीं। यह स्थिति भारत की शिक्षा व्यवस्था मेहनतकश युवाओं और ज्ञान आधारित संस्कृति की सफलता को दर्शाती है।

भारत की बढ़ती ताकत का एक कारण उसका विशाल युवा वर्ग भी है। देश की बड़ी आबादी युवा है और यह युवा वर्ग नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है। भारतीय युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहते बल्कि वे रोजगार देने वाले बनना चाहते हैं। स्टार्टअप संस्कृति ने इस सोच को नई दिशा दी है। देश में दो लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनमें से अनेक वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारत में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तेजी से मजबूत हो रहा है।

विदेशों से लौट रहे पेशेवरों के पीछे केवल भावनात्मक कारण ही नहीं हैं बल्कि भारत में उपलब्ध अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों में आर्थिक मंदी और बदलती आव्रजन नीतियों ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। दूसरी ओर भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मजबूत डिजिटल ढांचा और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं। अब भारतीय विशेषज्ञों को लगता है कि वे अपने देश में रहकर भी विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

भारत सरकार ने भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। विदेशों से लौटने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को आकर्षक शोध अनुदान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सस्ती सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे युवा शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं ताकि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिभा और अवसर का संगम तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले प्रतिभा थी लेकिन अवसर सीमित थे। अब अवसर भी बढ़ रहे हैं और संसाधन भी उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय अब यह नहीं पूछते कि भारत क्यों लौटें बल्कि वे यह सोचते हैं कि अपने भविष्य का निर्माण किसी दूसरे देश में क्यों करें। यह सोच भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और गर्व का प्रतीक है।

भारतीय प्रतिभा केवल आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रही बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा भी बढ़ा रही है। जब कोई भारतीय वैज्ञानिक नई खोज करता है जब कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक कंपनी खड़ी करता है या जब कोई भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है तब पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ता है। आज भारत ज्ञान विज्ञान और नवाचार की शक्ति के रूप में पहचाना जा रहा है।

आने वाले वर्षों में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हरित ऊर्जा अंतरिक्ष विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। यदि देश इसी गति से आगे बढ़ता रहा तो वह केवल प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला राष्ट्र नहीं रहेगा बल्कि विश्व के वैज्ञानिक और तकनीकी नेतृत्व का केंद्र बन जाएगा।

आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। यह ऐसा भारत है जो अपने युवाओं की क्षमता पर भरोसा करता है। यह ऐसा भारत है जो दुनिया को केवल मानव संसाधन नहीं बल्कि विचार नेतृत्व नवाचार और समाधान प्रदान कर रहा है। विदेशों से लौटती प्रतिभाएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और दुनिया की अगली बड़ी सफलता की कहानी भारत की धरती पर लिखी जाएगी।

भारत का यह परिवर्तन केवल आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास की कहानी है। यह उस नए भारत की कहानी है जो ज्ञान को शक्ति मानता है प्रतिभा को सम्मान देता है और अपने युवाओं को दुनिया बदलने का अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि आज भारत गर्व के साथ विश्व के सबसे बड़े प्रतिभा केंद्र के रूप में खड़ा है और आने वाला समय उसकी उपलब्धियों को और अधिक गौरवशाली बनाने वाला है।

नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है।

संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ''विश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्या: स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधान''। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुन: सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानत: विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ित हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ित प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है।

बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों-अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बड़ा है। कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।

भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित 'गोल्डन क्रिसेंट'-अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषत: पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। 'नशा मुक्त भारत अभियान' देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, मीडिया और नागरिक समाज को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनना होगा। बच्चों और किशोरों में जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास, नैतिक शिक्षा और तनाव प्रबंधन की संस्कृति विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। खेल, योग, ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियां और सकारात्मक सामाजिक वातावरण युवाओं को नशे की ओर बढ़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

महान दार्शनिकों और आध्यात्मिक चिंतकों ने सदैव संयम को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश भी आत्मसंयम, जागरूकता और सदाचार पर आधारित रहा है। यदि समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित किया जाए तो नशे जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के शिकार व्यक्तियों के प्रति घृणा या बहिष्कार का दृष्टिकोण छोड़कर उन्हें सहानुभूति, उपचार और पुनर्वास के अवसर प्रदान किए जाएं। नशे की जंजीरों को तोड़ने के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, परिवारों और समुदायों को एक साझा मोर्चा बनाना होगा। नशीली दवाओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानव जीवन अनमोल है और उसे नशे के अंधकार में खोने नहीं दिया जा सकता। यदि हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं, तो नशे के विरुद्ध संघर्ष को जनांदोलन का स्वरूप देना होगा। यही इस दिवस का मूल संदेश है और यही मानवता के उज्ज्वल भविष्य की अनिवार्य शर्त भी।

-ललित गर्ग

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में आज दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी ही उतार-चढ़ाव बना रहने से दिन भर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 703 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 24,100 के स्तर से नीचे फिसल गया। इसके पीछे एक कारण मुनाफावसूली भी माना जा रहा है। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 109 अंक की बढ़त के साथ ही 77,100 पर और 50 अंक वाला एनएसई निफ्टी 34 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 24,056 पर बंद हुआ।

आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दोनों ही बेंचमार्क इंडेक्स लगातार ऊपर की तरफ जाने लगे। यह तेजी दोपहर तक ही रही इसके बाद बाजार गिरने लगा। बाजार बंद होने तक सेंसेक्स करीब 703 अंक नीचे आ गया। वहीं निफ्टी 24,125 के स्तर पर खुला। बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप में 0.55 फीसदी की गिरावट देखी गई और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.47 फीसदी की गिरावट रही।

निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज्यादा तेजी इंटरग्लोब में देखने को मिल। वहीं इसके अलावा मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरो में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज्यादा नुकसान ओएनजीसी को हुआ जिसमें 2.88 फीसदी की गिरावट देखी गई। इसके अलावा पावर ग्रिड, हिंडाल्को के अलावा टेक महिंद्रा में भी गिरावट रही।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आवकें सीमित रहने से गुरूवार को किराना बाजार में जायफल व जावत्री में बाजार मजबूत रहे। शक्कर में भी आंशिक सुधार रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में भाव बने रहे। दलहनों में चना 6100 रू. प्रति क्विंटल पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार जायफल व जावत्री में आवकें ठंडी चलने से भावों में मजबूती है। वहीं शक्कर बाजार भी आंशिक सुधार पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में बाजार पूर्वस्तर पर रहे। दलहनों में चना 6100 रू. क्विंटल पर टिका रहा। उड़द व मूंग में मजबूती देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4220-4300, खोपरा गोला 370-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-125, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्स्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालू 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 3250-3300, (200) 3750-3800, (250) 4400-4500

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1365-1370, सोया रिफाइंड 1430-1440, कपास्या 1470, धूलिया 1475, कड़ी 1475,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1525, मुम्बई पाम 1460, मुम्बई सोया 1460,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5950-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबुली चना डॉलर 7000-8300, काबुली चना राश्यिन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरुवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 225000, चाँदी (99) 224500, टंच 224000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 144000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.34 पर बंद हुआ। आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट से भी रुपया शुरुआती कारोबार में 31 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान ने भी रुपये को समर्थन दिया। हालांकि, विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 31 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को 21 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.55 पर बंद हुआ था।

एथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल से कारों में काली फंगस, सर्विसिंग खर्च दोगुना, माइलेज घटा

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की बढ़ती मात्रा से वाहन मालिकों की चिंताएं बढ़ी हैं। कई शहरों से गाड़ियों के माइलेज घटने, सर्विसिंग का खर्च दोगुना होने और फ्यूल टैंक में काली फंगस व जंग लगने की शिकायतें आई हैं। दिल्ली स्थित कार रिपेयरिंग मार्केट में मैकेनिकों का कहना है कि एथेनॉल युक्त पेट्रोल के कारण वाहनों के फ्यूल सिस्टम और इंजन के महत्वपूर्ण पार्ट्स तेजी से खराब हो रहे हैं। दिल्ली के निवासी ने 3 साल पहले कार खरीदी थी। एक साल बाद ही उन्हें फ्यूल सिस्टम में दिक्कत महसूस हुई। उनकी कार केवल 10 प्रतिशत एथेनॉल (ई10) वाले पेट्रोल के लिए बनी थी, लेकिन उसमें गलती से 20 प्रतिशत एथेनॉल (ई20) वाला फ्यूल डाल दिया। इससे कार का माइलेज बुरी तरह प्रभावित हुआ और सालाना सर्विसिंग का खर्च 15-20 हजार रुपये से बढ़कर दोगुना हुआ। वहीं कुछ युवा भी सोशल मीडिया पर एथेनॉल फ्यूल से जुड़ी गड़बड़ी के वीडियो देखकर चिंतित हैं और अब केवल पावर पेट्रोल का इस्तेमाल कर रहे हैं। पालिका मार्केट में 20 साल से कार रिपेयरिंग कर रहे शख्स बताते हैं कि पिछले दो सालों से फ्यूल से जुड़ी दिक्कतें काफी बढ़ी हैं। एथेनॉल में पानी सोखने की क्षमता होने के कारण फ्यूल टैंक में काली काई जमने और फ्यूल पंप व सेंसर में जंग लगने की शिकायतें बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक महीने में मर्सिडीज जैसी प्रीमियम गाड़ियों में भी ऐसी ही 6-7 समस्याएं देखी गई हैं, जिसमें फ्यूल सेंसर, पंप और फिल्टर तीनों प्रभावित हुए हैं। एक अन्य मैकेनिक कहते हैं कि एथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के इस्तेमाल के बाद से गाड़ियों के फ्यूल पंप और हाई प्रेशर पंप अक्सर बैठ जाते हैं। नई गाड़ियां भी चलते-चलते अचानक बंद हो रही हैं। इंजन के इंजेक्टर, फ्यूल फिल्टर, पिस्टन और वाल्व जैसे कई पार्ट्स में खराबी आ रही है। मोहसिन यह चिंता भी जाहिर करते हैं कि यदि एथेनॉल की मात्रा और बढ़ाई गई, तब ई20 के लिए बनी नई गाड़ियां भी कैसे चल पाएंगी, जबकि ई10 या उससे कम के लिए बनी पुरानी गाड़ियों में तो दिक्कतें शुरू हो ही चुकी हैं।

छोटे डिजिटल फ्रॉड पीड़ितों को आरबीआई से देगा 25,000 तक मुआवजा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने छोटे मूल्य के डिजिटल बैंकिंग धोखाधड़ी के पीड़ितों को बड़ी राहत देते हुए एक व्यापक मुआवजा ढांचे को अंतिम रूप दे दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत, ग्राहक 50,000 रुपए तक की धोखाधड़ी में अधिकतम 25,000 रुपए तक का मुआवजा प्राप्त कर सकेंगे, हालांकि इसके लिए कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। यह महत्वपूर्ण बदलाव 1 जनवरी, 2027 से लागू होगा। आरबीआई द्वारा अंतिम रूप दिए गए इस ढांचे का उद्देश्य धोखाधड़ी वाले इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाना और शिकायतों के निवारण में बैंकों की जिम्मेदारी तय करना है। यह ढांचा 1 जनवरी, 2027 से किए गए इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन पर लागू होगा, जिसे केंद्रीय बैंक ने पूर्व निर्धारित तिथि से छह महीने आगे बढ़ा दिया है। नए नियमों के अनुसार, धोखाधड़ी के शिकार (व्यक्ति या एकमात्र प्रोप्राइटर) को अपनी जिंदगी में एक बार शुद्ध हानि राशि का 85 प्रतिशत या 25,000, जो भी कम हो, का मुआवजा मिलेगा। इस मुआवजे के पात्र होने के लिए, पीड़ित को धोखाधड़ी की घटना के 5 दिनों के भीतर अपने बैंक और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (या हेल्पलाइन 1930) दोनों पर इसकी रिपोर्ट करनी होगी। मुआवजे की राशि धोखाधड़ी की सीमा पर निर्भर करेगी। 29,412 रुपए से कम के नुकसान पर, ग्राहक को शुद्ध हानि का 85 प्रतिशत मिलेगा। इसमें आरबीआई 65 प्रतिशत, ग्राहक का बैंक और लाभार्थी बैंक प्रत्येक 10 प्रतिशत योगदान देंगे। यदि धोखाधड़ी में 29,412 या उससे अधिक लेकिन 50,000 रुपए तक का नुकसान हुआ है, तो मुआवजा 25,000 तक सीमित रहेगा। इस मामले में, आरबीआई 19,118 रुपए देगा, जबकि ग्राहक का बैंक और लाभार्थी बैंक प्रत्येक 2,941 रुपए का दान देंगे। सीमा पार धोखाधड़ी वाले लेनदेन में, आरबीआई 19,118 रुपए और ग्राहक का बैंक 5,882 रुपए देंगे।

मेष- आज ग्रहों की चाल यह संकेत दे रही है कि आपके जीवन में सुख, समृद्धि और आर्थिक उन्नति के नए द्वार खुल सकते हैं। जिम्मेदारियाँ भले ही बढ़ी हुई महसूस हों, लेकिन आपकी मेहनत और आत्मविश्वास आपको हर चुनौती से आगे निकालने की क्षमता रखते हैं। कोई नई शुरुआत आज आपके मन में आकार ले सकती है, जो आने वाले समय में लाभ का कारण बनेगी। घर में मेहमानों की चहल-पहल और खुशियों का माहौल बना रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपको समाज में सम्मान और पहचान दिलाने वाला साबित हो सकता है। आपके अनुभव, आपकी समझ और आपके द्वारा किए गए कार्य लोगों की नजरों में आपकी प्रतिष्ठा को और मजबूत करेंगे। यदि आप सामाजिक या सार्वजनिक क्षेत्र से जुड़े हैं, तो प्रशंसा और सम्मान मिलने के प्रबल योग बन रहे हैं। किसी छोटी यात्रा का अवसर भी मिल सकता है, जो भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगा।

मिथुन- आज का दिन आपको जीवन में संतुलन की महत्ता का एहसास कराएगा। आय और व्यय के बीच सही तालमेल बनाकर चलना आपके लिए अत्यंत आवश्यक रहेगा। कुछ परिस्थितियाँ आपको असहज कर सकती हैं, लेकिन आपकी सूझबूझ आपको हर मुश्किल से बाहर निकाल लेगी। यदि यात्रा का योग बनता है, तो उसके दौरान कोई ऐसी जानकारी प्राप्त हो सकती है जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो।

कर्क- आज का दिन आपको सफलता और सावधानी दोनों का संदेश दे रहा है। कार्यक्षेत्र में कोई उपलब्धि आपके आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकती है। वहीं मौसम में बदलाव का असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए स्वयं का विशेष ध्यान रखें। धन के मामलों में ईमानदारी और सही मार्ग अपनाना आपके लिए सबसे अधिक लाभकारी रहेगा। कोई काम जो लगभग पूरा हो चुका था, उसमें अचानक रुकावट आ सकती है, लेकिन घबराने की आवश्यकता नहीं है।

सिंह- आज ग्रह आपको धैर्य और संयम का पाठ पढ़ाने वाले हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ उतार-चढ़ाव मन को बेचैन कर सकते हैं, लेकिन याद रखें कि हर परिस्थिति स्थायी नहीं होती। किसी भी निर्णय या वादे को करने से पहले अच्छी तरह विचार कर लें। टालमटोल की आदत आज आपके लिए परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए जरूरी कार्य समय पर पूरा करें।

कन्या- आज सितारे आपको जोखिम लेने से बचने की सलाह दे रहे हैं। किसी भी ऐसे कार्य में हाथ न डालें जिसमें अनिश्चितता अधिक हो। यदि कोई सरकारी कार्य लंबे समय से रुका हुआ था, तो उसके पूरे होने के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि कुछ काम अंतिम समय में अटक सकते हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें। किसी अनजान व्यक्ति पर आँख मूँदकर भरोसा करना उचित नहीं होगा।

तुला- आज सफलता आपके साथ कदम मिलाकर चलना चाहती है, बस आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना होगा। रियल एस्टेट या संपत्ति से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभदायक दिखाई दे रहा है। आत्मविश्वास और साहस में वृद्धि होगी, जिससे आप महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम रहेंगे।

वृश्चिक- आज कुछ लोग आपकी प्रगति से असहज महसूस कर सकते हैं और आपके मार्ग में बाधाएँ डालने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी और आत्मबल आपको विजयी बनाए रखेंगे। आपका व्यक्तित्व और प्रभाव लोगों के बीच अलग पहचान बनाने में सहायक होगा। यदि किसी काम को लेकर लंबे समय से तनाव था, तो आज उसमें राहत मिलने की संभावना है।

धनु- आज आपकी वाणी ही आपकी सबसे बड़ी शक्ति साबित होगी। आपके मधुर शब्द और विनम्र व्यवहार लोगों का दिल जीत सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नए अवसर दस्तक दे सकते हैं और नौकरी या करियर से जुड़ी कोई सकारात्मक खबर मिल सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, क्योंकि अनावश्यक खर्च भविष्य में परेशानी का कारण बन सकते हैं।

मकर- व्यापार से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन कई अच्छे अवसर लेकर आ सकता है। आपके कार्यों की सराहना होगी और आपकी पहचान मजबूत होगी। हालांकि कोई महत्वपूर्ण सौदा अंतिम क्षणों में अटक सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। समय और धन दोनों का सही प्रबंधन आज आपकी सबसे बड़ी आवश्यकता है। हर मुस्कुराने वाला व्यक्ति आपका हितैषी नहीं होता, इसलिए लोगों को पहचानने में जल्दबाजी न करें।

कुंभ- आज आपके भीतर ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता का अद्भुत संचार रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और कार्यकुशलता लोगों को प्रभावित करेगी और प्रशंसा दिलाएगी। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें। परिवार और विशेषकर बच्चों के साथ समय बिताने का अवसर मिल सकता है, जो आपको मानसिक सुकून देगा। ऑनलाइन कार्य करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से शुभ दिखाई देता है।

मीन- आज का दिन खुशियों और शुभ समाचारों की सौगात लेकर आ सकता है। सुबह से ही ऐसी घटनाएँ घट सकती हैं जो आपके मन को प्रसन्नता से भर दें। हालांकि पिता या किसी वरिष्ठ सदस्य के साथ विचारों का मतभेद हो सकता है, जिसका कारण आपकी जल्दबाजी या अत्यधिक उत्साह बन सकता है।

शब्दजाल - 8301

शब्दजाल में राशिचक्र की 10 राशियों के नाम ढूंढ़िए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं।

मेष, मकर, वृषभ, कन्या, सिंह, तुला, कुंभ, मीन, मिथुन, कर्क

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	व	रा	
वि	ली	प्रे	क	व्या	स	द	ज	कां	इ	चु	
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं	
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि	
अ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या	
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द	
सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क	
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा	
म	तु	ला	र	म	स	या	औ	र	आ	क	
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क	
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श	

शब्दजाल - 8300 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

26 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 177 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 22.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 19.16 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 11.39 बजे को समाप्त।
करण बव 09.15 बजे तदन्तर बालव 22.23 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872752
जूलियन दिन 2461217.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 10
विशेष रामलक्ष्मण द्वादशी, विश्व नशा निरोधक दिवस।

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.49 बजे से	
चंद्र	तुला में	सिंह	09.06 बजे से	
मंगल	वृष में	कन्या	11.17 बजे से	
बुध	मिथुन में	तुला	13.28 बजे से	
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.43 ब.से	
शुक्र	कर्क में	धनु	17.59 बजे से	
शनि	मीन में	मकर	20.04 बजे से	
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.50 बजे से	
केतु	सिंह में	मीन	23.23 बजे से	
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मेष	00.54 बजे से	
		वृष	02.34 बजे से	
		मिथुन	04.32 बजे से	

दिन का चौघडिया			रात का चौघडिया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ्भ श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7245

ऊपर से नीचे:-

1. 'हल्ला हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
2. एलबम 'मैं भी मैडेना' का गायक?-२
4. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
5. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
6. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
8. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
13. 'बंबई से है रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
14. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
15. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
19. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
19. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
20. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
21. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
23. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
24. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
27. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
28. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
29. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
30. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
32. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
34. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
3. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
5. 'गवाह है चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
7. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
9. धर्मेंद्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, स्वीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
10. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
11. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
12. 'फूल माँगू ना' गीत वाली फिल्म-२
14. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
16. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
18. 'इलाहाबाद में पैदा हुए' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
22. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'दूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
25. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
26. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
27. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
29. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
30. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
31. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
33. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नरगिस की फिल्म-२
35. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
36. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7244

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सबसे बड़ी बाधा

एक बार राजा चंद्रगुप्त ने विद्वानों की सभा बुलाई। दूर-दूर से विद्वान आए। कई दिनों तक शास्त्रार्थ चला। इसमें भारवि को विजेता घोषित किया गया। राजा चंद्रगुप्त ने उनका यथोचित सम्मान किया और परंपरा के अनुसार उन्हें हाथी पर बिठाकर चंवर डोलाते हुए घर छोड़ने गए। उन्हें देखकर उनके माता-पिता की खुशी का ठिकाना न रहा। लेकिन भारवि ने अपनी मां का तो अभिवादन किया पर पिता के प्रति ठंडा रवैया अपनाया। पिता ने सभा के बारे में कुछ जानना चाहा तो उन्होंने अनमने तरीके से बात की। उनके इस व्यवहार से उनके माता-पिता को दुख पहुंचा। भारवि को अपनी विद्वता का घमंड हो गया था। राजा ने उन्हें जो सम्मान दिया, उससे वह अपने आप को विशिष्ट समझने लगे थे। उन्हें लगने लगा कि उनके सामने उनके पिता भी कुछ नहीं हैं। लेकिन उनका यह नशा कुछ दिनों बाद टूट गया। तब उन्होंने पिता से सामान्य दिनों की तरह संवाद करना चाहा पर उनके व्यवहार से आहत पिता ने उन पर विशेष ध्यान नहीं दिया। भारवि ने अपने को उपेक्षित महसूस किया। फिर उन्होंने अपनी मां से कारण जानना चाहा तो मां ने उत्तर दिया, 'पुत्र तुमने अपने व्यवहार से अपने पिता को दुख पहुंचाया है तुम यह कैसे भूल गए कि आज तुम जहां तक पहुंचे हो, वहां पहुंचने में उनकी कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है। जब तुम शास्त्रार्थ के लिए गए थे तो उन दिनों तुम्हारी विजय के लिए तुम्हारे पिताजी ने विशेष साधना की। उन दिनों वह केवल जल पीकर रहे। आज जिस ज्ञान के बल पर तुम सर्वश्रेष्ठ घोषित हुए हो, वह उन्हीं का दिया हुआ है। क्या तुम उनका ऋण कभी चुका सकते हो?' भारवि अत्यंत लज्जित हुए। वह दौड़कर अपने पिता के पास गए और चरणों में गिर पड़े। पिताजी ने उन्हें उठाकर गले से लगा लिया और कहा, 'पुत्र भारवि, ज्ञान की प्राप्ति में अहंकार सबसे बड़ी बाधा है। अच्छा है तुमने समय रहते इस बाधा को पहचान लिया और इसे दूर भी कर लिया।'

सूडोकू नवताल- 7554

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7553 का हल

8	2	4	7	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 8769

बाएँ से दाएँ

1. दर्द से निकली कराह-2
2. ओट, चिलमन-3
4. जरा, थोड़ा-2
6. कपड़े को दीवार-3
7. निर्माण-3
8. झगड़ा, अनबन-3
9. गहन-3
10. लाज, लज्जा-3
11. रनिवास-3
13. 500 कागजों की गड्डी-2
14. विश्राम, राहत-3
15. थोड़ा-2
16. एक कीमती लकड़ी-3
17. कैनाल, उपनदी-3
18. बूंद-3
19. मृत्युंजय-3
20. मेघ, बदरा-3
21. सम्राट, राजा-3
23. संपत्ति-2
24. विष, गरल-3
25. औषधि-2

ऊपर से नीचे

1. अग्नि, अनल-2
2. आश्रय, शरण-2
3. लीन, मगन-2
4. कूड़ा-कर्कट-3
5. ईकार-2
6. लेखनी, पेन-3
7. करुणा, दया-3
8. कर्म, भाग्य-3
9. उष्ण-3
10. भद्र, कुलीन-3
11. अवैध, नाजायज-3
12. युद्ध, रण-3
14. आश्रय-3
15. जलजला-3
16. डंडा-3
17. नमस्कार, प्रणाम-3
18. कद्र, मान-3
19. जो कभी वृद्ध नो हो-3
20. चील, ईगल-2
21. पथ, मार्ग-2
22. इस पर रोटी सेंकते हैं-2

शब्द पहेली -8768 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बिना परमिट के दौड़ रही बसों पर परिवहन विभाग ने लगाया जुर्माना

पद्मेश न्यूज। लांजी। कलेक्टर बालाघाट, पुलिस अधीक्षक बालाघाट तथा जिला परिवहन अधिकारी बालाघाट के निर्देशन में लगातार अवैद्ध रूप से संचालित वाहनों पर परिवहन विभाग के द्वारा जांच कर कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत 24 जून को परिवहन विभाग के उड़न दस्ता दल के द्वारा लांजी में बसों की जांच की गई जिसके अन्तर्गत आशीर्वाद बस ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस क्रमांक सीजी 08 एम 0526 कि जांच के दौरान बगैर परमिट संचालन पायें जाने पर पुलिस थाना लांजी में अभिरक्षा में खड़ा गया था तथा परिवहन विभाग के नीति नियमानुसार 65 हजार रूपये का जुर्माना किया गया है। इसी तरह सालेटेकरी में जांच के दौरान नवीन बस ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस क्रमांक सीजी 07 ई 1620 की जांच कर उस पर 74 हजार रूपये का जुर्माना किया गया है। इस जुर्माना प्रक्रिया से साफ तौर पर यह तो स्पष्ट हो गया कि उक्त बसें नियमों का उल्लंघन कर संचालित की जा रही थी तथा बेडधक संचालन से यह भी स्पष्ट हो गया कि किसी ना किसी के संरक्षण में इन बसों का संचालन हो रहा था जिन पर अब तक कार्यवाही नही हो ना सवालिया निशान खड़ा करता है। बहरहाल वर्तमान में परिवहन विभाग के द्वारा कार्यवाही की गई तथा बसों पर जुर्माना भी लगाया गया है। लेकिन क्या जुर्माना भरकर संचालन वैद्य हो जायेगा।

तीन राज्यों की सीमा पार कर हो रहा था बस का संचालन

आशीर्वाद बस कंपनी की उक्त बस क्रमांक सीजी 08 एम 0526 जो कि छत्तीसगढ़ राज्य के डोंगरगढ़ से संचालित होकर व्हाया महाराष्ट्र से मध्यप्रदेश की सीमा लांजी में पंहुचती थी। इसी बस पर परिवहन विभाग ने बिना परमिट के संचालन पर 65 हजार रूपये का जुर्माना किया है। इस संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार यह बस विगत 3 से 4 वर्षो से संचालित हो रही थी तो क्या इतने वर्षो से यह अवैद्ध रूप से संचालित की जा रही थी इसकी जांच कि जानी चाहिये। यदि अवैद्ध रूप संचालन हो रहा था तो बड़ा राजस्व का नुकसान है। परिवहन एवं पुलिस विभाग का चाहिये की इस संबध में बारिकी से जांच की जाये साथ ही यह भी देखा जाये कि आगे नियम विरूद्ध इस प्रकार बसों का संचालन ना हो पाये तथा परिवहन विभाग सक्त कार्यवाही करे।

अवैद्य एवं नियम विरूद्ध बसों के संचालन पर होगी निरंतर कार्यवाही- बाथम

उक्त संबध में जिला परिवहन अधिकारी देवेश बाथम से चर्चा की गई तो आपने बताया कि वर्तमान में लगातार वाहनों की जांच अभियान चलाकर जांच की जा रही है। अवैद्ध रूप से नियम विरूद्ध वाहनों के संचालन पर नियमित कार्यवाही की जावेगी। बस संचालक वैद्य रूप से परमिट, फिटनेस, टैक्स सहित अन्य वैद्ध दस्तावेजों के साथ ही बसों का संचालन करे, नियम विरूद्ध, बिना परमिट के बस संचालन पर कड़ी कार्यवाही की जावेगी।

वन विभाग ने स्कूली छात्र छात्राओं को वनों की अनुभूति कराने पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी का कराया भ्रमण

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन वन विभाग के द्वारा वन्य प्राणी, पर्यावरण, वन सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर अनेको जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर स्कूली छात्र छात्राओं को वनों की अनुभूति करवाती है ताकि यह छात्र छात्रायें वन्य प्राणी एवं वनों के महत्व को करीब से जान सके। इसी कड़ी में दक्षिण वन मण्डल बालाघाट के अन्तर्गत परिक्षेत्र पश्चिम लांजी सामान्य एवं पूर्व लांजी सामान्य से शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल घोटी नंदोरा, उत्कृष्ट विद्यालय लांजी, तथा किरनापुर सामान्य से उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के 55 छात्र छात्राओं इन विद्यालयों के शिक्षकों को टाईगर आऊटसाईड टाईगर रिजर्व टीओटीआर योजना के अंतर्गत 23 और 24 जून को 2 दिवस का पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी में वन्यप्राणी जागरूकता शिविर के अन्तर्गत भ्रमण करवाया गया। इस दौरान वन अधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे जिनके द्वारा संपूर्ण पेंच टाईगर रिजर्व की जानकारी बच्चो को प्रदान की गई। बच्चों द्वारा पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी के तुरिया गेट से जंगल सफारी करते हुए वन्य प्राणियों का प्रत्यक्ष अनुभूति की बच्चों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से बाघ, तेंदुआ, सांभर, बायसन, चीतल, सोन कुत्ता आदि वन्य प्राणियों का दीदार किया तथा पेंच के टूरिस्ट गाइडों के द्वारा बच्चों को उनके बारे में बताया गया कॉमन फैसिलिटी सेंटर खवासा के मीटिंग हॉल में पेंचटाइगर रिजर्व के खवासा बफर के परिक्षेत्र अधिकारी सुमित रेगे के द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति द्वारा वन्य प्राणियों एवं उसके आवास स्थलों के संरक्षण में किस प्रकार योगदान दिया जा सकता है मानव वन्यप्राणी द्वंद्व ना हो इसके लिए क्या सावधानी रखनी है विभाग के द्वारा किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी गई अलिकट्टा के घास मैदान और विश्व के सबसे बड़े टाइगर स्टैचू को देखकर बच्चे रोमांचक हुए इसके अतिरिक्त बच्चों ने इंटरप्रिटेशन सेंटर तुरिया तथा पेंच वर्कर सोसाइटी द्वारा संचालित सोवेनियरशॉप भी देखा प्रत्येक बच्चे को वन्यप्राणी प्रिंट की शर्ट वितरण किया गया संपूर्ण कार्यक्रम गौरव चौधरी (भा.व.से.) वन संरक्षक बालाघाट के निर्देशन में एवं नित्यानंदम एल. (भा.व.से.) वनमंडलाधिकारी दक्षिण बालाघाट वनमंडल (सा.)के मार्गदर्शन में एवं राकेश अडकने उपवनमंडल अधिकारी लांजी के मार्गदर्शन तथा सपन ताम्रकार परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम लांजी और जगत खरे परिक्षेत्र अधिकारी किरनापुर के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान अनिता तारन प्रचार्य और मनीषा निंहावे शिक्षिका किरनापुर, जनु मेघे शिक्षिका घोटी, शीतल तुरकर शिक्षिका लांजी इलियास खान वनरक्षक पूर्व लांजी, रत्ना भलावी वनरक्षक पश्चिम लांजी, सुरेश निंहावे वनपाल, पेंच टाइगर रिजर्व से देवा प्रसाद जे. (भा.व.से.) क्षेत्र संचालक पुनीत गोयल (भा.व.से.) उपसंचालक सुमित रेगे वन परिक्षेत्र अधिकारी,सतिराम उइके परिक्षेत्र सहायक, आकाश साहू वनरक्षक का विशेष योगदान रहा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया गया जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गुरुवार 25 जून 2026 को जनपद पंचायत लांजी के सभागार में जल गुणवत्ता परीक्षण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जल परीक्षण की तकनीकी जानकारी प्रदान करना था। प्रशिक्षण में महिला एवं बाल विकास विभाग के पांच प्रमुख सेक्टर—कालीमाटी, बहेला, कारंजा, भानेगांव एवं दिघोरी की 137 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) बालाघाट के कार्यपालन यंत्री बी.एल. उइके एवं लांजी उपखंड के सहायक यंत्री रवीन्द्र हटेवार द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को एफटीके (फील्ड टेस्ट किट) के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता की जांच करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि इस किट की सहायता से जल के विभिन्न मानकों की त्वरित एवं सटीक जांच की जा सकती है, जिससे किसी भी प्रकार की जल गुणवत्ता संबंधी समस्या की समय रहते पहचान की जा सकेगी। प्रशिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में जल स्रोतों की नियमित जांच करने तथा ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल जल संरक्षण एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट से श्रीमती शीतल मिश्रा, हरीश झा, पीएमयू समन्वयक, ब्लॉक समन्वयक ओमप्रकाश शिवनकर, श्रीमती रानी सिंह राजपूत, फनीश रंगारे, श्रीमती मोहिनी पटले, श्रीमती श्रुति डहाटे, केमिस्ट उज्जवल हरिन्द्रवार तथा हैंडपंप टेक्नीशियन युग्नेश बिजेवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती लता वर्मा का विशेष सहयोग रहा। अधिकारियों ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जल गुणवत्ता की निगरानी को मजबूत बनाया जा रहा है, जिससे प्रत्येक परिवार तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित आरोह 2026 ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का समापन विकासखंड लांजी में हुआ। जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के नेतृत्व एवं विकासखंड समन्वयक प्रज्ञात वासनिक के मार्गदर्शन में इस शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय के विभिन्न विकासखंडों के खेल मैदानों में आयोजित किया गया। उसी तरह विकासखंड लांजी के शहीद भगतसिंह स्पोर्ट्स अकेडमी के तत्वावधान में शासकीय उत्कृष्ट खेल मैदान एवं वीरांगना रानी अवंती बाई मिनी स्टेडियम में वॉलीबॉल, कबड्डी एवं एथलेटिक्स खेलों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 150 खिलाड़ियों ने लगातार 1 मई से प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस समर कैंप में लगभग 55 नए खिलाड़ियों ने भी प्रशिक्षण प्राप्त कर खेलों की बारीकियां सीखीं एवं खेलों से शरीर में होने वाले लाभों का लाभ उठाया।

प्रतिदिन सुबह 5 बजे से 9 बजे एवं शाम 5 बजे से 8 बजे तक लेते रहे प्रशिक्षण

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों द्वारा प्रतिदिन सुबह 5:00 से 9:00 बजे एवं शाम 5:00 बजे से 8:00 तक 1 मई से लगातार प्रशिक्षण प्राप्त किया गया, जिसमें खेलों की बारीकियां सीखीं एवं खेलों में आगे बढ़ाने की प्रेरणा के साथ खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया। खेलों से होने वाले मानसिक एवं शारीरिक बदलाव को खिलाड़ियों ने महसूस किया।

अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

समापन समारोह में उपस्थित मण्डल अध्यक्ष बिसोनी देवेश ऐड़े, साकेत पब्लिक स्कूल के डाइरेक्टर संतोष मोरघड़े, मण्डल अध्यक्ष लाँजी आलोक चौरसिया, महेन्द्र करहि, प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर लाँजी दिनेश गिरी गोस्वामी, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय गौतमा कटाने, विधायक प्रतिनिधि गौरव बैस उपस्थित रहे। सभी अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को जीवन में अनुशासन एवं लगातार प्रशिक्षण प्राप्त कर जीवन आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी गई। इस कड़ी में दुरूगकर सर द्वारा खिलाड़ी कैसे बने एवं खिलाड़ी बनकर जीवन को कैसे सफल बनाएं कविता द्वारा समझाइए दी गई एवं खेलों के साथ-साथ जीवन में पढ़ाई का महत्व भी समझाया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष आलोक चौरसिया द्वारा खिलाड़ियों को एक कहानी सुनाकर खेलों में कैसे आगे बढ़े और कैसे खेले का जीवन में पालन करें अपने विचारों द्वारा खिलाड़ियों को समझाइश दी गई। उसी प्रकार विधायक प्रतिनिधि जिला पंचायत बालाघाट गौरव बैस द्वारा खिलाड़ियों को खेलों में लगातार कैसे इंरूवमेंट करें और खेलों को अपने जीवन में कैसे उतारे तथा सभी आए हुए अतिथियों से खिलाड़ियों की मदद करने हेतु आगे आने को कहा गया, जिससे विकासखंड लांजी में विभिन्न अन्य खेलों का विकास हो सके तथा खिलाड़ियों को हमेशा अनुशासन बनाए रखने की प्रेरणा दी गई।

खेल किट पाकर खिलाड़ियों के चेहरे खिले

लांजी किरनापुर विधायक राजकुमार करहि द्वारा नए खिलाड़ियों को किट देकर सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया, इस दौरान लगभग 55 नये खिलाड़ियों को किट वितरित की गई जिसे पाकर अत्यंत हर्षित हुए। समापन कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लाँजी के प्रशिक्षक भगवती खान, शुभम रामटेके, कैस खान, रितेश आमाडारे, कशिश बारसागढ़े, मनसा घोंगढ़े, क्रिष्टि कोठारे, एवं सभी सीनियर खिलाडी उपस्थित रहे।

मोहर्रम एवं उर्स को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। पुलिस थाना लांजी में 25 जून को थाना प्रभारी दीपसिंह परमार की उपस्थिति में मोहर्रम एवं उर्स को शांति समिति की बैठक संपन्न की गई। बैठक में मुस्लिम समुदाय द्वारा मनाए जाने वाले मोहर्रम पर्व एवं निकाले जाने वाले ताजिए के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। जिसमें बताया गया 26 जून दशमीं तिथि पर शाम 4 बजे ताजिए निकले जाएंगे, जिन्हें नगर का गस्त करते हुए बालाघाट रोड़ हिरोला तालाब में ठंडे किए जाएंगे। इसके अलावा उर्स कमेटी के सदस्यों ने जानकारी में बताया कि नगर के सालेटेकरी मार्ग रेस्टहाउस के पास स्थित हजरत अब्दुल रहमान शाह बाबा दुल्हेशाह रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर 30 जून को सालाना उर्स लगेगा। इस दौरान शाही संदल निकालकर नगर का भ्रमण किया जाकर दरगाह पर चादर पेश की जाएगी। विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 29 जून 2026, सुबह – गुसल मजार ए पाक, रात 9.00 बजे मिलाद शरीफ, 30 जून 2026 को 2.00 बजे संदल निकाला जायेगा जो शहर का गस्त करता हुआ दरबार में पहुंचेगा और चादर चढ़ाई जायेगी रात में लंगर का भी इंतजाम रखा गया है। इसके उपरांत रात्रि 9.00 बजे कव्वाली का शानदार मुकाबला होगा। पुलिस ने सभी कार्यक्रमों को शांति पूर्वक सम्पन्न कराने की अपील की है।

30 जून को हजरत अब्दुल रहमान शाह बाबा दुल्हेशाह का 55 वॉ सालाना उर्स

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी के सालेटेकरी मार्ग पर स्थित हजरत अब्दुल रहमान शाह बाबा दुल्हेशाह रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह से 55 वॉ सालाना उर्स 30 जून को सालेटेकरी मार्ग स्थित दरगाह से पूरी शानो शौकत इबादत के साथ कौमी एकता उर्स कमेटी के तत्वाधान में मनाया जायेगा। कमेटी सदस्य के द्वारा जानकारी में बताया गया की उर्स कमेटी के दरगाह शरीफ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं जिसमें 30 को 4 बजे शाही संदल जो कि नगर भ्रमण करते हुये रात्रि 9 बजे दरगाह शरीफ पंहुचेगा जंहा दरगाह में चादर पेश की जावेगी। रात्रि 9 बजे से लंगरे आम का आयोजन किया गया है। रात्रि 10 बजे से शानदार कव्वाली आयोजन कौमी एकता उर्स कमेटी के तत्वावधान में किया जायेगा। कौमी एकता उर्स कमेटी ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुये कहा है कि सभी बाबा को चाहने वाले उक्त आयोजन में पंहुचे। आयोजन के संरक्षक हाजी जमील खान, राशिद खान बबलम, रफिक खान, कौमी एकता उर्स कमेटी के अध्यक्ष नसीमुद्दीन खान, सदस्यगण आशीष सोनू श्रीवास्तव, जहीर खान, सोनू दुबे, तकीब कुरैशी, आशिफ अंसारी, शेख जावेद पप्पू, वसीम शेख, जानी खान, मोहसीन साबरी, असीम खान, सुफीयान खान, साहिल अंसारी, असलम खान, तन्वीर खान, अमन रेहान, राजा राईन, सोभी राईन, साजिद शालू अली,खमलीक खान, फिरदोस खान, शोहेब शेख, कार्तिक पशीने, अमित आसटकर, रेहान रजा आदि के द्वारा उक्त आयोजन मे शरीक होने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

प्रदेश के लाखों कर्मचारी को राहत, फिर शुरू होगी पदोन्नति की प्रक्रिया

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को दिए तैयारी रखने के लिए निर्देश - हाईकोर्ट में दायर की जाएगी कैबिएट

भोपाल। प्रदेश में पिछले 10 साल से पदोन्नति की राह देख रहे 3 लाख से ज्यादा अधिकारी एवं कर्मचारियों को फिर पदोन्नति की उम्मीद जगी है। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत 1 जुलाई से विभाग पदोन्नति दे सकते हैं। इससे पहले सरकार की ओर से पदोन्नति नियम 2025 को लेकर न्यायालय में कैबिनेट दायर की जाएगी।

दरअसल, मप्र हाईकोर्ट में पदोन्नति नियम 2025 को लेकर लगाई गईं याचिकाओं पर सुनवाई कर रही बैंच के न्यायाधीशों का तबादला हो गया है। जिसमें हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा का दिल्ली तबादला हो गया है। जबकि जस्टिस विनय सर्राफ का इंदौर तबादला हो गया है। ऐसे में बैंच ने पदोन्नति मामले में आखिरी सुनवाई फरवरी 2026 में की थी। बैंच ने सुनवाई के बाद फैसला रख लिया था। बताया गया कि बैंच के दोनों जजों का तबादला होने के बाद सरकार पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू कर सकती है। इस संबंध में सरकार कानूनी विशेषज्ञों से सलाह भी ले चुकी है। मुख्य सचिव अनुराग जैन से सभी विभागों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को डीपीसी की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि इस प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ किया जाए। ऐसे में माना जा रहा है कि विभागीय पदोन्नतियां 1 जुलाई से शुरू हो सकती हैं। क्योंकि ज्यादातर विभाग पदोन्नति को लेकर पिछले साल ही तैयारी कर चुके थे।

पिछले साल हो चुकी थी पदोन्नति की प्रक्रिया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर सरकार पिछले साल 17 जून को पदोन्नति नियम 2025 लेकर आई थी। जिसके तहत 1 जुलाई से पदोन्नति की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी थी। नए नियमों के तहत सबसे पहले राज्य निर्वाचन आयोग ने कर्मचारियों को पदोन्नति दी। हालांकि अन्य विभागों में पदोन्नतियां होने से पहले हाईकोर्ट में नए नियम को लेकर याचिकाएं दायर कर दी गईं। इसके बाद पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लग गई। बताया गया कि सरकार कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेकर फिर से पदोन्नति शुरू कर रही है।

10 साल से बंद हैं पदोन्नति

प्रदेश में वर्ष 2016 से विभागीय पदोन्नतियां बंद हैं। इस अवधि में सुप्रीम कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक अलग-अलग सुनवाई हुई हैं। इस अवधि में करीब पौने दो लाख अधिकारी एवं कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इस वजह से सरकार का पंचायत से लेकर मंत्रालय तक प्रशासनिक ढांचा बिगड़ गया है। पिछले साल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के परिपालन में पदोन्नति के लिए नया नियम बनाया। इसे भी कोर्ट में चुनौती दे दी गई।

एसपीएस के 9 अफसरों को आईपीएस बनाने हुई डीपीसी

- दो अधिकारी बाहर, दो के लिफाफे हो सकते हैं बंद; जल्द होगा नोटिफिकेशन

भोपाल। मध्य प्रदेश के 9 राज्य पुलिस सेवा के अफसरों को आईपीएस अवार्ड करने डीपीसी मीटिंग हो गई है। गृह विभाग के प्रस्ताव पर संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य संजय वर्मा की मौजूदगी में डीपीसी बैठक में नामों के सिलेक्शन को मंजूरी दी गई है। साथ ही राजेश मिश्रा और संदीप मिश्रा की पदोन्नति भी अटकने की संभावना जताई जा रही है। वहीं दो अन्य अधिकारी सिलेक्शन दौड़ से बाहर बताए जा रहे हैं।

राज्य पुलिस सेवा के अफसरों की डीपीसी की बैठक में इस बार 1997 और 1998 बैच के अधिकारियों के नामों पर विचार किया गया है। राज्य पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा के लिए जिन अफसरों के नाम पर विचार किया गया उनमें 1997 बैच के सीताराम ससत्या, अमृत मीणा, वर्ष 1998 बैच के निमिषा पांडेय, राजेश मिश्रा, मलय जैन, अमित सक्सेना, मनीषा सोनी, सुमन गुर्जर, संदीप मिश्रा, सब्यसाची सर्राफ, समर वर्मा, सत्येंद्र सिंह तोमर समेत कुल 27 नाम शामिल हैं। इनमें से सीताराम ससत्या, अमृत मीणा के नाम बाहर होना बताया जा रहा है जबकि राजेश मिश्रा और संदीप मिश्रा की विभागीय जांच के चलते डीपीसी अटक सकती है। इनका लिफाफा बंद रखा है।

मप्र की वोटर लिस्ट में 58 लाख नामों का बड़ा अंतर

- अब घर-घर पहुंचकर सत्यापन करेगा निर्वाचन आयोग

भोपाल । मध्य प्रदेश में आगामी नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायती राज चुनावों को निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। आयोग अपनी मतदाता सूची को पूरी तरह से अपडेट और शुद्ध करने की कवायद में जुट गया है। अब मैदानी स्तर पर जाकर मौके पर सत्यापन की कार्रवाई भी की जाएगी।

दरअसल, मौजूदा राज्य निर्वाचन आयोग और भारत निर्वाचन आयोग की वोटर लिस्ट के बीच प्रदेश में मतदाताओं की संख्या में एक बहुत बड़ा अंतर सामने आया है, जो करीब 58 लाख का है। इस भारी विसंगति को दूर करने के लिए अब राज्य निर्वाचन आयोग व्यापक स्तर पर परीक्षण और जांच की शुरुआत कर रहा है। इस पूरी प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने के लिए राज्य निर्वाचन आयुक्त ने आगामी 29 जून को प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और उप जिला निर्वाचन अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होने वाली इस बैठक के लिए एक खास एजेंडा तय किया गया है, जिसके आधार पर ही पूरी वोटर लिस्ट का कड़ाई से परीक्षण किया जाएगा।

तीन पैमानों पर वोटर लिस्ट का परीक्षण

चुनाव आयोग ने इस गड़बड़ी और अंतर को ठीक करने के लिए तीन कड़े पैमाने तय किए हैं, जिनके आधार पर सूचियों को सुधारा जाएगा। पहला मतदाताओं की जांच और छंटनी। सूची में शामिल अनुपस्थित, शिफ्टेड, मृत और रिपीट यानी एसडीआर श्रेणी के मतदाताओं की बारीकी से जांच की जाएगी। इस प्रक्रिया के तहत जो वोटर मृत हो चुके हैं या अन्य स्थानों पर शिफ्ट हो गए हैं, उनके नाम सूची से पूरी तरह हटाए जाएंगे। दूसरा दोनों सूचियों का आपस में मिलान। भारत निर्वाचन आयोग की अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची 2026 में दर्ज मतदाताओं की संख्या और राज्य निर्वाचन आयोग की वर्ष 2025 की मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं के आंकड़ों का गहन मिलान कर इस 58 लाख के अंतर की असल वजह तलाशी जाएगी। तीसरा मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन। भारत निर्वाचन आयोग के डेटा और राज्य निर्वाचन आयोग के मतदाताओं का न सिर्फ मिलान होगा, बल्कि मैदानी स्तर पर जाकर मौके पर सत्यापन की कार्रवाई भी की जाएगी ताकि कोई भी फर्जी या गलत एंट्री सूची में न बचे।

बुजुर्गों और असहायों का सम्मान हमारी संस्कृति और धर्म का हिस्सा -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि बुजुर्गों, असहायों और समाज के कमजोर वर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति और धर्म का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी निर्धन परिवार, वृद्धजन, महिला या दिव्यांग स्वयं को बेसहारा महसूस न करे। मुख्यमंत्री गुरुवार को मंत्रालय में आयोजित सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 33 लाख 92 हजार 695 सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 203 करोड़ 56 लाख रुपये की राशि अंतरित की। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सरकार की ओर से सम्मान, स्नेह और सुरक्षा का वचन है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंत्योदय का संकल्प साकार हो रहा है और पिछले दस वर्षों में देश के 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण सुविधा का उल्लेख करते हुए कहा कि अब ऋण चुकाने की अवधि किसान के ऋण लेने की तिथि से 12 माह तक होगी।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि प्रदेशभर के हितग्राही वर्चुअली जुड़े।

स्वास्थ्य बीमा के मामले में गांवों ने शहरों को पछाड़ा

शहरी क्षेत्रों में 67.2 प्रतिशत तो ग्रामीण इलाकों में 76 प्रतिशत आबादी सुरक्षित

भोपाल। प्रदेश में स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर एक बेहद सुखद बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-छह के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में अब हर तीन में से लगभग दो से अधिक नागरिक किसी न किसी स्वास्थ्य बीमा या वित्तीय योजना के दायरे में सुरक्षित हैं। इस रिपोर्ट की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली बात यह है कि स्वास्थ्य बीमा के मामले में प्रदेश के ग्रामीण इलाकों ने शहरी क्षेत्रों को काफी पीछे छोड़ दिया है। यह बदलाव प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे में आ रहे जमीनी सुधारों और सरकारी योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत योजना की सफलता को बयां करता है।

पिछले सर्वे (एनएफएचएस-5) की तुलना में प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा का कवरेज लगभग दोगुना हो गया है। एनएफएचएस-पांच के दौरान प्रदेश में केवल 38.1 प्रतिशत परिवार ही किसी स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़े थे, जो अब एनएफएचएस-छह में बढ़कर 73.6 प्रतिशत हो गए हैं। जहां शहरों में 67.2 प्रतिशत सामान्य सदस्य स्वास्थ्य बीमा के दायरे में हैं, वहीं ग्रामीण भारत में यह आंकड़ा 76.0 प्रतिशत पर पहुंच गया है। यानी ग्रामीण क्षेत्रों के 100 में से 76 परिवारों के पास अब इलाज के लिए वित्तीय सुरक्षा कवच मौजूद है।

इलाज के खर्च से मिली मुक्ति

स्वास्थ्य क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि इस बदलाव के पीछे केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाएं हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने सीधे तौर पर ग्रामीण और गरीब परिवारों को कवर किया है। इसके अलावा, कोरोना महामारी के बाद से लोगों में स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी जागरूकता ने भी इस आंकड़े को बढ़ाने में मदद की है। प्रदेश में पहले यह देखा जाता था कि गंभीर बीमारी होने पर ग्रामीण परिवारों को अपनी जमीन-जायदाद बेचनी पड़ती थी या कर्ज के जाल में फंसना पड़ता था। लेकिन अब 73.6 प्रतिशत आबादी के पास स्वास्थ्य बीमा होने से वे अस्पतालों में मुफ्त या रियायती दरों पर इलाज करा रहे हैं।

मैहर जनपद पंचायत में फर्जी बीपीएल प्रमाण पत्र जारी करने का मामला, ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया भ्रष्टाचार का प्रकरण

भोपाल । आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) रीवा ने जनपद पंचायत मैहर, जिला मैहर में अपात्र व्यक्तियों के नाम बीपीएल सूची में जोड़कर फर्जी बीपीएल प्रमाण पत्र जारी किए जाने और शासन की योजनाओं का अनुचित लाभ दिलाने के मामले में आपराधिक प्रकरण दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि पटवारी सर्वे रिपोर्ट और तहसीलदार के सत्यापन के बिना ही अपात्र व्यक्तियों के नाम गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) सूची में शामिल किए गए।

ईओडब्ल्यू को प्राप्त शिकायत के सत्यापन में पाया गया कि जनपद पंचायत मैहर के जिम्मेदार अधिकारियों ने शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। जांच के दौरान अब तक 111 अपात्र हितग्राहियों को फर्जी बीपीएल प्रमाण पत्र जारी किए जाने के तथ्य सामने आए हैं। इसके अलावा कुछ मामलों में एक ही बीपीएल क्रमांक पर दो हितग्राहियों के नाम दर्ज कर गंभीर अनियमितताएं की गईं।

प्रारंभिक जांच के अनुसार वर्ष 2018 से वर्तमान तक अपात्र व्यक्तियों ने इन फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त किया, जिससे शासन को आर्थिक क्षति हुई। मामले में तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेदमणि मिश्रा, आर.एन. शर्मा, सहायक विकास विस्तार अधिकारी प्रेमलाल गौतम, तत्कालीन विकासखंड अधिकारी सुदामा प्रसाद चौरसिया, तत्कालीन बीपीएल प्रभारी दीपक मिश्रा, वर्तमान बीपीएल प्रभारी रामसुंदर मिश्रा तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 409, 120-बी तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(ए) एवं 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। ईओडब्ल्यू मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

कांग्रेस ने लॉच किया छात्रों की गूंज अभियान

- पेपर लीक और एनटीए की नाकामी के खिलाफ देशव्यापी कैंपेन
- 40 दिनों तक देश के 28 प्रमुख शहरों में चालाया जायेगा

भोपाल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी छात्रों की गूंज अभियान का शुभारंभ किया। 40 दिनों का यह अभियान देश के 28 प्रमुख शहरों में छात्रों, अभ्यर्थियों, कोचिंग हब, कॉलेज कैंपस, पुस्तकालयों और युवा समूहों के बीच चलाया जाएगा। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और एनएसयूआई के राष्ट्रीय सह प्रभारी अंशुल त्रिवेदी ने प्रेस वार्ता को संबोधित कर इस कैंपेन की जानकारी दी। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बताया कि यह अभियान उन छात्रों और नौकरी अभ्यर्थियों की आवाज है जिनकी मेहनत बार बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, रिजल्ट में देरी, भर्ती अटकने और एनटीए की नाकामी के कारण बर्बाद हो रही है। उन्होंने कहा कि छात्र कोई एहसान नहीं मांग रहे। वे सिर्फ निष्पक्ष परीक्षा और तय समय पर भर्ती मांग रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) को पारदर्शिता और सुधार के नाम भारत के छात्रों पर थोपा था, लेकिन यह संस्था आज करोड़ों छात्रों के लिए नेशनल ट्रामा एजेंसी बन चुकी है। देशभर में पिछले वर्षों में लगभग 89 से अधिक पेपर लीक और परीक्षा घोटाले सामने आए, लेकिन आज तक किसी बड़े सरगना, राजनीतिक संरक्षण

देने वाले व्यक्ति या पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश नहीं हुआ। गिरफ्तार हुए तो सिर्फ छोटे दलाल और मोहरे, जबकि असली किंगपिन और भाजपाई संरक्षक हमेशा बचते रहे।

इस दौरान एनएसयूआई के राष्ट्रीय सह प्रभारी अंशुल त्रिवेदी ने कहा कि नीटी यूजी 2026 की परीक्षा फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। इस घोटाले के बाद देशभर में 20 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या कर ली। कई छात्रों ने अपने सुसाइड नोट में व्यवस्था से टूटने और भविष्य के अंधकार का उल्लेख किया। फिर भी देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने न तो नैतिक जिम्मेदारी ली और न ही इस्तीफा दिया। अगर 20 से अधिक छात्रों की मौत, लाखों युवाओं का भविष्य और पूरे देश का भरोसा टूटना भी किसी मंत्री को पद छोड़ने के लिए मजबूर नहीं करता, तो जवाबदेही का अर्थ क्या रह जाता है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पूरे मुद्दे पर एक शब्द बोलना जरूरी नहीं समझा। सत्ता की चुप्पी इस बात का प्रमाण है कि युवाओं की पीड़ा उनकी प्राथमिकता नहीं है।

- शिक्षा मंत्री का इस्तिफा, वार्षिक परीक्षा और भर्ती कैलेंडर लागू किये जाने की मांग

कांग्रेस ने मांग की है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। और पेपर लीक माफिया, वेंडर एजेंसियों, अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण से उनके संभावित संबंधों की निष्पक्ष जांच हो। इसके साथ ही पूरी परीक्षा व्यवस्था का ओवरहॉल किये जाने, एनटीए, पेपर सेटिंग, प्रिंटिंग, ट्रांसपोर्ट, परीक्षा केंद्र, डिजिटल सिस्टम और वेंडर कॉन्ट्रैक्ट की करने के साथ ही हर चरण को सुरक्षित किये जाने और तय वार्षिक परीक्षा और भर्ती कैलेंडर लागू करने की मांग की है। इससे परीक्षा तिथि, रिजल्ट तिथि और नियुक्ति समयसीमा पहले से घोषित हों और उनका सख्ती से पालन हो ।

- हर छात्र और परिजन तक पहुचेंगा छात्रों की गूंज अभियान

अभियान के तहत 30 जून से 28 शहरों में पर्चा वितरण, नुक्कड़ बैठक और छात्र संपर्क अभियान चलाया जायेगा। इसके बाद जुलाई महीने में साप्ताहिक कार्यक्रम, कैंपस संपर्क और अंबेडकर संवाद होगा। कॉग्रेंस 1 अगस्त से 2026 को सभी 28 शहरों में कलेक्टरेट का घेराव करेगी। 9 अगस्त को दिल्ली चलो के साथ अभियान के प्रथम चरण का समापन होगया, जिसमें देशभर के छात्र एकजुट होकर अपनी आवाज़ सरकार तक पहुँचाएंगे।

- पार्टी ने छात्रों से आंदोलन में जुड़ने की अपील

कांग्रेस पार्टी ने छात्रों की गूंज आंदोलन के तहत छात्रों से जुड़ने की अपील की है, जिसके तहत एक मिस्ड कॉल नंबर - 9873036161 जारी किया गया है साथ ही छात्रों से इसी नाम की वेबसाइट पर जाकर रजिस्टर करने की अपील की गयी है।

9 साल बाद जीएसटी ट्रिब्यूनल शुरू, व्यापारियों को बड़ी राहत

भोपाल। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के लगभग नौ वर्ष बाद देश में जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल (जीएसटीएटी) की शुरुआत होने से व्यापारिक जगत ने राहत की सांस ली है।जीएसटी से जुड़े विवादों और अपीलों के निपटारे के लिए कारोबारियों को सीधे उच्च न्यायालयों का रुख नहीं करना पड़ेगा। ट्रिब्यूनल के गठन से लंबित मामलों के शीघ्र समाधान की उम्मीद बढ़ी है। जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। व्यापारिक संगठनों का कहना है, जीएसटी व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण न्यायिक प्रक्रिया है। जो करदाताओं और सरकार के बीच उत्पन्न विवादों के निपटारे को अधिक प्रभावी बनाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार ट्रिब्यूनल के संचालन से कर प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी। व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

ट्रक में घुसी कार, 4 लोगों की मौत

मंदसौर। मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, रेनॉल्ट ट्राइबर कार में छह लोग सवार थे। सभी महाराष्ट्र के औरंगाबाद के रहने वाले हैं। वे दिल्ली की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसे के बाद कार में सवार लोग करीब एक घंटे तक वाहन में फंसे रहे। एक्सप्रेस-वे से गुजर रहे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों ने राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद सभी घायलों और मृतकों को कार से बाहर निकाला गया।

एमपी हाईकोर्ट में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर संभालेंगे इंदौर खंडपीठ की नई जिम्मेदारी

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया ने आदेश जारी कर दिए हैं। न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर, वर्तमान प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला का स्थान लेंगे। न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला 27 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसके बाद इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी न्यायमूर्ति अभ्यंकर संभालेंगे।

न्यायिक और प्रशासनिक मामलों की करेंगे निगरानी

प्रशासनिक न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति अभ्यंकर इंदौर खंडपीठ के न्यायिक एवं प्रशासनिक मामलों की निगरानी करेंगे। हाई कोर्ट प्रशासन द्वारा जारी आदेश के बाद न्यायिक क्षेत्र में इसे नियमित प्रशासनिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। इस नियुक्ति के साथ इंदौर खंडपीठ के प्रशासनिक कार्यों में नई व्यवस्था लागू होगी।

जल-जंगल-जमीन संरक्षण के लिए कांग्रेस ने गठित की विशेष समिति

- अजय सिंह, उमंग सिंघार और विक्रांत भूरिया शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में आदिवासियों से जुड़े मुद्दों और जल, जंगल व जमीन के अधिकारों के संरक्षण के लिए कांग्रेस पार्टी ने एक बड़ा कदम उठाया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने एक विशेष उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। यह समिति प्रदेश में आदिवासी समाज के हितों की रक्षा और उनसे जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर पार्टी की आगामी रणनीति तय करेगी।

कांग्रेस द्वारा गठित इस समिति में पार्टी के कई वरिष्ठ और प्रभावशाली चेहरों को जगह दी गई है। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को इस समिति में प्रमुख रूप से शामिल किया गया है। उनके अलावा पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह (राहुल भैया) और आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया को भी समिति का सदस्य बनाया गया है।

समिति मुख्य रूप से इन विषयों पर काम करेगी

जल, जंगल, जमीन और आदिवासियों के पारंपरिक व संवैधानिक अधिकारों का संरक्षण करना। वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन और इससे जुड़े जमीनी मुद्दों की समीक्षा। आदिवासी अंचलों में जमीन से जुड़े विवादों और हक की लड़ाई को लेकर कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक व सामाजिक रणनीति तैयार करना। माना जा रहा है कि इस समिति के गठन के जरिए कांग्रेस मध्य प्रदेश में आदिवासी वर्ग के बीच अपनी पकड़ को और मजबूत करने तथा उनके मुद्दों को सडक़ से लेकर सदन तक पुरजोर तरीके से उठाने की तैयारी में है।

बैंड बजाओ, पुलिस आरक्षक बन जाओ-भर्ती प्रक्रिया पर उठे सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस बैंड में आरक्षक भर्ती प्रक्रिया को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। भर्ती के लिए जारी नियमों के अनुसार अभ्यर्थियों को न तो लिखित परीक्षा देनी होगी,नाही सामान्य पुलिस भर्ती की तरह शारीरिक दक्षता परीक्षा (फिजिकल टेस्ट) से गुजरना पड़ेगा। चयन केवल संगीत एवं बैंड वादन कौशल के आधार पर तय किया जा रहा है। जिससे भर्ती प्रक्रिया चर्चा का विषय बन गई है।

राज्य सरकार ने पुलिस बैंड के लिए कांस्टेबल से लेकर एसआई स्तर तक कुल 932 पद स्वीकृत किए हैं। जिनमें से 679 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन पदों के लिए हजारों युवाओं ने आवेदन किए हैं। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में अभ्यर्थियों की स्किल और बैंड वादन परीक्षा आयोजित की गई है।

गृह विभाग ने यह शर्त रखी है, चयनित कर्मियों को केवल बैंड बजाने का कार्य नहीं करना होगा, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित जिलों में सामान्य पुलिसिंग की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। इसी कारण इस भर्ती पर कई विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। जब चयनित कर्मियों को नियमित पुलिस कार्य भी करना है। ऐसी स्थिति में उनके लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण क्यों नहीं रखा गया है। भर्ती प्रक्रिया को लेकर सोशल मीडिया और विभिन्न मंचों पर बहस तेज हो गई है। समर्थकों का कहना है कि यह विशेष तकनीकी भर्ती है, आलोचकों का मानना है कि पुलिस सेवा में बिना फिजिकल टेस्ट भर्ती सुरक्षा व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। इसमें बड़े भारी गोलमाल की चर्चा भी होने लगी है। कहा जा रहा है पिछले दरवाजे से सीधी भर्ती की जा रही है।

भारत-आयरलैंड पहला टी20 आज, वैभव करेंगे डेब्यू

लंदन । श्रेयस अय्यर की कप्तानी में युवा क्रिकेटरों से भरी भारतीय टीम शुक्रवार को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में उतरेगी। इस मैच से 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना डेब्यू कर सकते हैं। आयरलैंड के खिलाफ ये मैच श्रेयस के लिए भी बेहद खास है। वह पहली बार भारतीय टी20 टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। हालांकि टीम को सीरीज शुरू होने से पहले झटका लगा है। ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी चोट के कारण बाहर हो गए हैं और उनकी जगह मुंबई के युवा खिलाड़ी सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। ऐसे में दो मैचों की इसी सीरीज से सूर्यांश भी अपना डेब्यू कर सकते है।

वैभव को अगर अंतिम ग्यारह में अवसर मिलता है तो वह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे। हाल ही में उन्होंने भारत ए के लिए शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। इस मैच में सूर्यांश शेडगे और अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय डेब्यू कर चुके प्रिंस यादव को भी अवसर मिल सकता है। वहीं चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा पर भी नजरें रहेंगी।

वहीं दूसरी ओर आयरलैंड की टीम लॉर्कन टकर की कप्तानी में उतरेगी। इस टीम में भारतीय मूल के जय मूंद्रा भी शामिल हैं। आयरलैंड टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर भारत की युवा टीम को कड़ी टक्कर देना है। पिछले कुछ समय में आयरिश टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं -

भारत- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), सूर्यांश शेडगे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी और प्रसिद्ध कृष्णा।

आयरलैंड- लॉर्कन टकर (कप्तान), रॉस अडायर, बेन कैलिट्ज़, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, स्टीफन डोहनी, मैथ्यू हम्फ्रीज़, गैविन होई, मैथ्यू हीलाई, लियाम मैकार्थी, जय मूंद्रा, हैरी टेक्टर, टिम टेक्टर और रूबेन विल्सन।

अमेरिकी ओपन बैडमिंटन में भारत के श्रीकांत जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे

महिला वर्ग से तन्वी, देवका और रक्षिता भी जीतीं

न्यूयार्क । भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ ही पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। श्रीकांत ने टूर्नामेंट के पहले दौर में अच्छा प्रदर्शन करते हुए आसानी से अपने ही साथी खिलाड़ी दयानंद सनीथ को सीधे गेमों में 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। अब दूसरे दौर में श्रीकांत का सामना मलेशिया के शीर्ष खिलाड़ी ली जी जिया से होगा।

एक अन्य मैच में भारत के रौनक चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने ही हमवतन शंकर सुब्रमण्यम को रोमांचक मुकाबले में 23-21, 21-16 से हरा दिया।

वहीं महिला एकल वर्ग में भारतीय की शुरुआत अच्छी नहीं रही। युवा खिलाड़ी अनमोल खरब

को पहले दौर में ही बुल्गारिया की कैलोयाना नालबांतोवा के हाथों 15-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा आकर्षी कश्यप, तान्या हेमनाथ और प्रियांशी वालिसेट्टी भी अपने-अपने मुकाबले हारने के कारण बाहर हो गयीं हालांकि तन्वी शर्मा और देविका सिहाग ने जीत के साथ अगले दौर में प्रवेश किया। तन्वी ने जर्मनी की यवोन ली को 23-21, 21-16 से हराया, जबकि देविका ने पेरू की इनेस कैस्टिलो को 21-14, 21-14 से पराजित किया। इसके अलावा रक्षिता रामराज ने चेक गणराज्य की टेरेज़ा स्वाबिकोवा को 21-15, 21-8 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। दूसरी ओर मिश्रित युगल मुकाबले में ध्रुव रावत और मनीषा की भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के विरवान एहसान एडम और सेरेना कानी को सीधे गेमों में 21-15, 21-16 से हराया।

कतर के खिलाड़ी असीम पर पांच मैच का प्रतिबंध

अटलांटा। फीफा विश्वकप फुटबॉल में कतर के फुटबॉलर असीम मदीबो पर कनाडा के मिडफील्डर इस्माइल कोने को टक्कर मारकर गंभीर रुप से घायल करने के कारण पांच मैच का प्रतिबंध लग दिया गया है। असीम की टक्कर से कनाडा के इस्माइल के पैर में फ्रैक्चर हुआ है। प्रतिबंध का फैसला फीफा की अनुशासनात्मक समिति ने सुनाया। यह घटना वैंकूवर में खेले गए एक दोस्ताना मैच के दौरान घटी थी, जहाँ कनाडा ने कतर को 6-0 से हराया था। मैच के दौरान मदीबो ने जिस तरह से टैकल किया, वह इतना खतरनाक था कि उन्हें तुरंत लाल कार्ड दिखाया गया था। उनकी इस हरकत ने न केवल खेल की भावना का उल्लंघन किया, बल्कि प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना का सबसे गंभीर शिकार इस्माइल कोने रहे, जिन्हें तुरंत स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। बाद में पता चला कि उनके बाएं पैर की हड्डी टूट गई थी, जिसके लिए उन्हें तत्काल सर्जरी करानी पड़ी।

मेक्सिको में छाया फीफा विश्वकप का खुमार, सड़क किनारे टीवी पर मैच देखकर अपनी टीम का जोश बढ़ा रहे लोग

मेक्सिको सिटी। फीफा विश्वकप फुटबॉल के संयुक्त मेजबान मेक्सको में भी लोग खेल के दीवाने हैं पर महंगे टिकटों के कारण कई लोग स्टेडियम जाने में असमर्थ हैं। ऐसे लोग अब सड़कों पर लगी टीवी स्क्रीन पर ही मैच का आनंद ले रहे हैं। इसी कारण आजकल मेक्सिको सिटी की हलचल भरी गलियों और व्यस्त इलाकों में फुटबॉल प्रशंसक जमे हुए हैं। अब प्लास्टिक की मेजों पर रखे टेलीविजन के सामने जुटी भीड़ पूरे शहर में फैल रही है। खुले मैदानों से लेकर दुकानों तक, टीवी स्क्रीन पर निगाहें टिकाए मेक्सिकोवासी अपनी राष्ट्रीय टीम का जोश बढ़ा रहे हैं। साथ समर्थन कर रहे हैं। अमेरिका और कनाडा के साथ अपने देश में आयोजित हो रहे इस विश्व कप में मेक्सिको की दो लगातार जीतों ने देश भर में लोगों को उत्साह से भर दिया है। अधिकांश मेक्सिकोवासियों के लिए इन मैचों के महंगे टिकट खरीद पाना संभव नहीं है। ऐसे में, लोगों ने इस भव्य आयोजन से जुड़ने का अपना अनूठा तरीका ढूंढ लिया है- सड़कों पर जश्न मनाना। गौरतलब है कि फीफा को विश्व कप टिकटों की बढ़ती कीमतों को लेकर दुनिया भर में आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। मेक्सिको में एक औसत कर्मचारी की मासिक आय लगभग 433 डॉलर है, जबकि इस वर्ष की शुरुआत में टिकटों की कीमत 140 डॉलर से 8,680 डॉलर तक थी, जो बाद में बढ़कर फाइनल के लिए लगभग 32,970 डॉलर तक पहुंच गई। एक प्रशंसक का कहना है कि यह सामाजिक असंतोष बढ़ा रहा है, क्योंकि लोगों को लग रहा है कि यह एक ऐसा जश्न है जिसमें हमें बुलाया ही नहीं गया। फीफा अधिकतम कमाई के नजरिये से चल रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोग इससे बाहर हो रहे हैं। हालांकि, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने इन कीमतों का बचाव करते हुए कहा है कि यह अमेरिकी बाजार के अनुरूप है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने भी टिकटों की ऊंची कीमतों की आलोचना करते हुए फीफा से अपनी मूल्य निर्धारण नीति पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। उन्होंने जोर दिया कि फुटबॉल केवल कारोबार नहीं होना चाहिए, यह उससे कहीं अधिक है। शीनबाउम ने लोगों से मेक्सिको सिटी, ग्वाडालाहारा और मोंटेरे में स्थानीय प्रशासन और फीफा द्वारा आयोजित मुफ्त सार्वजनिक स्क्रीनिंग कार्यक्रमों में शामिल होने का भी आग्रह किया है।

विनीसियस जूनियर के दो गोलों से ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया

नेमार की वापसी से भी उत्साहित रही टीम

मियामी । विनीसियस जूनियर के दो गोलों की सहायता से ब्राजील ने फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के ग्रुप-सी मुकाबले में ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट चरण में शानदार प्रवेश किया। इस शानदार जीत के साथ ही ब्राजील सात अंकों के साथ ही ग्रुप में नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं एक अन्य मैच में मोरक्को भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गया हैं। ब्राजील की जीत में विनीसियस की अहम भूमिका रही। जिन्होंने पहले हाफ में दो बेहतरीन गोल किये। उन्होंने मैच के सातवें मिनट में ही टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई और फिर हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल कर स्कॉटलैंड की रक्षापंक्ति को तोड़ दिया।

वहीं दूसरे हाफ में भी ब्राजील टीम का दबदबा रहा। फॉरवर्ड मैथियस कुन्हा ने एक गोल दागकर स्कोर 3-0 पहुंचा दिया। इसके बाद स्कॉटलैंड ने मैच में वापसी के प्रयास किये पर वह असफल रही। उसके खिलाड़ी ब्राजील की रक्षापंक्ति को नहीं भेद पाये।

इस रोमांचक में स्टार खिलाड़ी नेमार की वापसी से भी ब्राजीली टीम उत्साहित रही। नेमार साल 2023 के बाद पहली बार ब्राजील की जर्सी में उतरे। पिंडली की चोट और उससे पहले हुई एसीएल इंजरी के कारण वह लंबे समय से खेल से दूर थे। नेमार 76वें मिनट में मैथियस कुन्हा की जगह सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतरे। इसी के साथ ही वह विश्व कप में चौथा संस्करण खेलने वाले खिलाड़ी बन गये। इससे पहले नेमार ने साल 2014, 2018, 2022 और 2026 के विश्व कप में ब्राजील की ओर से खेला था। जीत के बाद उत्साहित नेमार ने टीम के सामूहिक जज्बे और एकजुटता की प्रशंसा की है। उन्होंने भावुक होकर कहा, केवल मैं ही नहीं, पूरी टीम खिताब जीतना चाहती है। अगर हम इसी तरह एक-दूसरे के साथ एकजुट रहे और हमारी जीत की भूख लगातार बढ़ती रही, तो हमारे पास अपने इस बड़े लक्ष्य को हासिल करने का एक शानदार अवसर है। इस मैच में विनीसियस जूनियर ने व्यक्तिगत रूप से भी एक बड़ा इतिहास रच दिया। वह पिछले 24 वर्षों में ब्राजील के ऐसे पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने विश्व कप के शुरुआती तीनों लीग मैचों में लगातार गोल दागे हैं। उन्होंने 2002 के विश्व कप में महान रोनाल्डो नजारियो और रिवाल्डो द्वारा बनाए गए इस विशिष्ट रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके साथ ही, वह ऐसा कारनामा करने वाले ब्राजील के सिर्फ पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं स्कॉटलैंड को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा है पर नॉकआउट चरण में पहुंचने की उनकी उम्मीदें पूरी तरह से खत्म नहीं हुई हैं। टीम के पास अभी भी तीन अंक हैं और अब उन्हें सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों की सूची पर अपनी नजर रखनी होगी, ताकि वे अगले दौर में जगह बना सकें।

भारतीय अंडर-19 टीम ने श्रीलंका को दूसरे टी20 मैच में 11 रनों से हराया

सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की

चेन्नई । तनिष्का शर्मा के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे टी20 मैच में भी श्रीलंका को 11 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। खास नहीं रही। पारी के दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज दीक्षा करटग्डू शून्य पर ही आउट हो गयीं। इसके बाद तनिष्का ने पारी संभाली। तनिष्का ने 56 गेंदों पर चौकों की सहायता से 58 रनों की अहम अर्धशतकीय पारी खेली। तनिष्का के अलावा इरा जाधव ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर 26 रन बनाए। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 57 रनों की अहम साझेदारी हुई। वहीं मध्यक्रम में कुमारी पलक ने भी तेजी से 18 21 रन जबकि काशी कंडिकुप्पा ने 12 रन बनाये। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 134 रन बना दिये।

वहीं जीत के लिए मिले 135 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम की ओर से विमोक्षा बालासूर्या ने अच्छी शुरुआत की। विमोक्षा ने 52 गेंदों पर 61 रन बनाये पर इसके बाद भारत की जाह्नवी वीरकर ने केवल 14 रन देकर तीन विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया। इसके अलवा मैत्री मनियार ने भी 26 रन देकर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया।

श्रीलंकाई टीम की अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर केवल 123 रन ही बना पायीं।

फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 में मैक्सिको, स्विट्जरलैंड और बोस्निया जीते, हेती को मिली हार

मैक्सको सिटी। फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 के संयुक्त मेजबान मैक्सिको की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए के ग्रुप स्तर के अपने तीसरे मुकाबले में चेक रिपब्लिक को 3-0 से हराकर अपने प्रशंसको को जश्न मनाने का अवसर दे दिया। यह पहली बार है जब मैक्सिको ने अपने पहले तीनों ही मैच जीत लिए हैं। वहीं इसके अलावा स्विट्जरलैंड और बोस्निया-हर्जेगोविना ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर नॉकआउट राउंड में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाये रखा है। वहीं एक अन्य मुकाबले में हैती की टीम को मोरक्को के खिलाफ 4-2 से हार का सामना करना पड़ा है पर जिस प्रकार से हेती ने विश्वकप में वापसी करते हुए दो गोल दागे उसके लिए उसकी तारीफ हो रही है। ग्रुप-ए की विजेता मैक्सिको ने चेक रिपब्लिक को 3-0 से हराया। टीम शुरू से ही चेक टीम पर हावी हो गयी। दूसरे हाफ में मातेओ चावेज ने 55वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दिलाई, जिसके छह मिनट बाद ही जूलियन क्रिनोनेस ने टूर्नामेंट का अपना दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इंजरी टाइम में अल्वारो फिडाल्गो के तीसरे गोल के साथ ही टीम को जीत दिला दी।

एक अन्य मुकाबले में, स्विट्जरलैंड ने ग्रुप-बी के निर्णायक मुकाबले में मेजबान कनाडा को 2-1 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। रूबेन वर्गास ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल कर स्विस टीम को बढ़त दिलाई, जिसके बाद 20 वर्षीय जोहान मंजांबी ने 57वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरी ओर कनाडा ने भी पहली बार विश्व कप के नॉकआउट राउंड में जगह बनाई है और अब उसका मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। सिएटल में खेले गए एक अन्य मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर नॉकआउट में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को तेजी दी है। 18 साल के केरिम अलायबेगोविच ने टीम को बढ़त दिलाई और वह विश्व कप इतिहास के सबसे युवा गोल स्कोररों में शामिल हुए। इस जीत से तीसरे स्थान पर रहने वाली बोस्निया अब तीसरे नंबर पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल होकर राउंड ऑफ-32 में पहुंचने की प्रबल दावेदार बन गई है।

वहीं 52 साल के लंबे इंतजार के बाद विश्व कप में वापसी कर रही हैती की टीम ने अपवने दो शानदार गोलों से प्रशंसकों का दिल जीता।

न्यूजीलैंड को झटका, हेनरी और फिलिप्स तीसरे टेस्ट से बाहर हुए

नॉटिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से ठीक पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड को इस मैच में अपने दो प्रमुख खिलाड़ियों मुख्य तेज गेंदबाज मैट हेनरी और मध्य क्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स के बिना ही उतरना होगा। इससे न्यूजीलैंड टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। तेज गेंदबाज मैट हेनरी को पिछले हफ्ते ओवल में खेले गए दूसरे टेस्ट में पिंडली में खिंचाव आ गया था। हेनरी ने उस मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 11 विकेट लिए थे। वह अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरे हैं। हेनरी के बाहर होने से न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाजी प्रभावित होगी। वहीं इसी प्रकार बल्लेबाज फिलिप्स भी चोटिल खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। उन्हें पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव आया है। इसी कारण वह भी इस मैच से बाहर हो गये हैं। फिलिप्स ने ओवल में खेले गए दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर स्थिति में पहुंचाया था। अब मध्य क्रम में उनके नहीं होने से टीम की बल्लेबाजी कमजोर होगी। इन दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने से पहले ही, न्यूजीलैंड ने अपने प्रमुख तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को आराम देने का फैसला कर लिया था।

अगले माह के अंत में शुरु हो होगा डीपीएल का तीसरा सत्र

नई दिल्ली। डीपीएल क्रिकेट का तीसरा सत्र 31 जुलाई से शुरु होगा। इसमें ऋषभ पंत, अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के अलावा नीतीश राणा ,नवदीप सैनी और प्रिंस यादव जैसे खिलाड़ी भाग लेंगे। यह रोमांचक टूर्नामेंट 31 जुलाई से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगा। इसमें राजधानी की सबसे अच्छी क्रिकेट प्रतिभाएं खेलती दिखेंगी। इससे पहले सभी की नजरें 1 जुलाई को होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी पर रहेंगी। इसमें सभी टीमें अपने दल को अंतिम रूप देंगी और नई प्रतिभाओं पर दांव लगाएंगी। इस लीग ने बहुत कम समय में ही अपनी पहचान बनायी है। इससे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए अपने फॉर्म को हासिल करने और युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का भी एक अच्छा अवसर रहता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत भरवेली

जनपद पंचायत बालाघाट जिला बालाघाट

क्रमांक-...../निविदा/2026 दिनांक 24.06.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए 15 वित्त आयोग, 16 वित्त आयोग, जय राम जी योजना, 5 वा वित्त आयोग, 7वा वित्त आयोग, विधायक निधि, सासंद निधि, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत अनुदान, समुदायिक भवन अनुदान, आंगनवाडी भवन अनुदान, स्वच्छ भारत मिशन, समस्त योजनाओं के निर्माण कार्यों में लगने वाली आवश्यक निर्माण सामग्री सीमेंट, एंगल, ओपन, जिम सामग्री, पौधे, झूले, डीजल, मिट्टी 40 लोहा, रेत, काला तार, खिला, सेंट्रिंग, परिवहन, पेयजल सुधार उपकरण इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, बल्ब, वायर, हार्डवयर सामग्री, फोटोकापी, स्टेशनरी, कम्प्यूटर मेंटनेंस, मोटर वाईडिंग, प्रकाश व्यवस्था हेतु बल्ब वायर इत्यादि, बिजली सुधार सामग्री, मुरम परिवहन, पानी टेंकर, जेसीबी और ट्रेक्टर किराया, ईट मिक्शर मशीन वाइब्रेटर, सेंटिंग, एवं अन्य लेखन, ओपन जिम समाग्री, एम एम ट्यूबलर पोल, एल डी लाइट फिटिंग सहित, Putty, POP Work, Material नल फिटिंग समाग्री, बिरला Whiite पेंट, चुना, कार्यालयीन अलमारी, कुर्सी, टेबल, कुलर, पंखा, स्टीलवर्क सामाग्री, (फेबरीकेशन) शौचालय सामाग्री, टाईल्स, दरवाजा, खिडकी, वेन्टीलेशन, चैनल गेट, टीन की चादर, ऐग्लल, पाईप, जल प्रदाय सामाग्री, पंडाल व्यवस्था डेकोरेशन, समस्त प्रकार की और अन्य आवश्यक सामग्री जीसटी बिल सहित निक्षेप राशि कि साथ निविदा दिनांक 25/06/2026 से दिनांक 01/07/2026 दिन बुधवार की सांय 3 बजे तक ग्राम पंचायत भरवेली में कायालीन समय में अवकाश के दिनों को छोडकर आमंत्रित किये जाते है। निविदा कि संबंध में विस्तृत जानकारी नियम तथा शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय में कार्यालयीन दिवसो में देखी जा सकती है।

श्रीमति उर्मिला मालेश सरपंच ग्रा.पं.भरवेली | राजेश बाहेश्वर उपसरपंच ग्रा.पं.भरवेली | दिलिप महोबे सचिव ग्रा.पं.भरवेली

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत भरवेली जिला बालाघाट(म.प्र)

कार्यालय कलेक्टर जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

अधिसूचना

आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति की कंडिका-11(1)

क्रमांक/8725/भू-अर्जन/2025 बालाघाट तारीख 07/11/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. शासन राजस्व विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल के पत्र दिनांक 12 नवंबर 2014 द्वारा जारी आपसी सहमति सक भूमि क्रय नीति अनुसार कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग सेतु, निर्माण उपसंभाग-बालाघाट द्वारा लांजी-बिसोनी-सोगलपुर-कलपाथरी-पाथरगांव-सिहारी-पोण्डी-बिंझलगांव-चिखलामाली-लांजीघाट-बिरसी (गोंदिया) में बाघ नदी पर पुल निर्माण (पहुंच मार्ग सहित) में ग्राम सावरीकला स्थित भूमि खसरा नम्बर 2/1 रकबा 0.336 हैक्टेयर में से रकबा 0.009 हैक्टे. एवं भूमि खसरा नम्बर 2/2 रकबा 0.243 हैक्टे. भूमि में से 0.315 हैक्टेयर भूमि भूमिस्वामी हक की भूमि (निजी भूमि) शासकीय भूमि पुल निर्माण के लिये उपलब्ध कराये जाने हेतु मौजा- सावरीकला, तहसील लांजी, जिला बालाघाट, म.प्र. के भूमिस्वामियों की निजी भूमि अनुसूची अनुसार भू-धारकों की सहमति से भूमि कय करने का विचार किया जा रहा है, जिसका विवरण निम्नानुसार है-

क्र	ग्राम का नाम	भूमिस्वामी/खातेदार का नाम	सर्वे न.	कुल रकबा है. में	क्रय हेतु प्रस्तावित रकबा है.	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
01	सावरीकला	जयचंद पुत्र लिखन जाति पंवार निवासी सावरीकला तह. लांजी जिला बालाघाट	2/1	0.336	0.009	चिखलामाली-लांजीघाट - बिरसी (गोंदिया) महा. में बाघ नदी पर पुल निर्माण (पहुंच मार्ग सहित) आपसी सहमति से भूमि कय नीति अंतर्गत भूमि का अधिग्रहण ।
02	सावरीकला	दिवारचंद पुत्र तिलकचंद, निलचंद, अमृताबाई पुत्री तिलकचंद जाति पंवार वगैरह निवासी सावरीकला तह. लांजी जिला बालाघाट	2/2	0.243	0.0315	
			कुल योग -	0.579 हें.	0.405 हे.	

उपरोक्तानुसार आपसी सहमति से कय की जा रही भूमियों के भूमि स्वामियों का हित व उस पर स्थित मकान / कुंआ / नलकुप/वृक्ष आदि के संबंध में दावा आपत्ति करनी हो तो वह मय अभिलेख के सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर इस कार्यालय में अपना दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति मान्य नहीं होंगे।

स्थान-बालाघाट
दिनांक-

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
कलेक्टर बालाघाट एवं पदेन उपसिचव,
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

महाराष्ट्र में आईएमडी का अलर्ट -31 जिलों में भारी बारिश की आशंका

मुंबई,। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूरे महाराष्ट्र में भारी बारिश की संभावना जताकर 31 जिलों के लिए मौसम संबंधी अलर्ट जारी कर दिया है। इस बीच, मुंबई में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण बीते 24 घंटों में 113 पेड़ और उनकी शाखाएं गिरने की घटनाएँ सामने आई हैं। आईएमडी द्वारा जारी अलर्ट में 25 जिलों को येलो अलर्ट पर और छह जिलों को ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है, जो लगातार बारिश, आंधी-तूफान और तेज हवाओं की आशंका को दिखाता है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के रिकॉर्ड के अनुसार, शहर के इलाके में 40, पूर्वी उपनगरों में 23 और पश्चिमी उपनगरों में 50 पेड़ गिरने की घटनाएँ दर्ज की गईं, क्योंकि आर्थिक राजधानी में भारी बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को प्रभावित किया।

दक्षिण-पश्चिम मानसून अब मुंबई सहित महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों में भी फैल गया है, जिससे पूरे राज्य में व्यापक बारिश हो रही है। बीते दो दिनों में मानसून की गतिविधि तेज होने के कारण मुंबई और पड़ोसी ठाणे में भारी बारिश दर्ज की गई है। पुणे, यवतमाल, लातूर, धाराशिव, चंद्रपुर और सतारा जैसे जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

किया गया है, जो भारी बारिश और खराब मौसम की आशंका को दिखाता है। वहीं, ठाणे, मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, नासिक, अहिल्यानगर, कोल्हापुर, सांगली, सोलापुर, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, परभणी, बीड, हिंगोली, नांदेड़, अकोला, अमरावती, भंडारा, बुलढाणा, गढ़चिरौली, गोंदिया, नागपुर, वर्धा और वाशिम को येलो अलर्ट पर रखा गया है।

महाराष्ट्र के करीब सभी इलाकों में मानसून सक्रिय हो गया है, जिससे कुछ जगहों पर भारी और कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। मुंबई, कोंकण क्षेत्र और उससे सटे गोवा में बारिश खास तौर पर अधिक रही है, जिससे लंबे समय से चली आ रही गर्मी से काफी राहत मिली है। नासिक, जलगांव, परभणी, जालना, छत्रपति संभाजीनगर, अमरावती, यवतमाल, नागपुर और चंद्रपुर सहित कई अन्य जिलों में भी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश में अचानक हुई तेजी किसी एक मौसम प्रणाली का परिणाम नहीं है, बल्कि यह तीन वायुमंडलीय प्रणालियों के आपसी मेल का नतीजा है, जिन्होंने मिलकर मुंबई और आसपास के इलाकों में मानसून की गतिविधि को तेज किया है।

आईएमडी ने अगले दो दिनों में पूरे महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान लगाया है, जिसके बाद तापमान स्थिर रहेगा। न्यूनतम तापमान में भी अगले चार से पांच दिनों में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र में मानसून सक्रिय बना हुआ है और आईएमडी ने संकेत दिया है कि अगले कुछ दिनों तक मानसून की यह तेज गतिविधि जारी रहने की संभावना है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की जानकारी पर नजर रखें और आवश्यक सावधानी बरतें।

मानहानि मामले में अभिषेक बनर्जी को राहत

ग्वालियर। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट से बहुत बड़ी राहत मिली है। आकाश विजयवर्गीय ने उनके खिलाफ भोपाल में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। हाईकोर्ट जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल ने खारिज की गयी याचिका को रिस्टोर करने की अनुमति प्रदान करते हुए भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट से जारी गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन पर रोक लगा दी है। भोपाल के एमपी-एमएलए विशेष न्यायालय में भाजपा नेता आकाश विजयवर्गीय द्वारा साल 2021 में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। हाईकोर्ट के जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की खारिज हो चुकी याचिका को दोबारा बहाल करने का आदेश पारित किया है।

पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है। सरकार ने 14वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर प्रेस ब्रीफिंग में ये बात बताई। मंत्रालय ने स्पष्टीकरण में कहा कि पासपोर्ट केवल अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा के लिए जारी किया जाता है। हालांकि यह सिर्फ भारतीय नागरिकों को ही दिया जाता है, लेकिन अपने आप में यह नागरिकता स्थापित करने वाला दस्तावेज नहीं माना जाएगा। इससे पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं। राष्ट्रीयता बताती है कि आप किस देश से संबंध रखते हैं। जबकि नागरिकता बताती है कि उस देश में आपको कौन-कौन से कानूनी अधिकार मिले हैं। राष्ट्रीयता आपकी पहचान होती है। नागरिकता आपके अधिकार और जिम्मेदारियां तय करती है।

दल-बदल विवाद में कांग्रेस को हाई कार्ट से झटका

जबलपुर । हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मिसल की युगलपीठ ने बीना विधायक निर्मला सप्रे से जुड़े बहुचर्चित दल-बदल विवाद में कांग्रेस को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को मामले का शीघ्र निपटारा करने अथवा कोई विशेष निर्देश जारी करने से इंकार करते हुए याचिका निरस्त कर दी। कोर्ट ने साफ किया कि विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष दल-बदल कानून के तहत दायर आवेदन पर विधिसम्मत सुनवाई जारी है और संबंधित पक्षों के बयान भी दर्ज किए जा चुके हैं। ऐसे में हाई कोर्ट के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

दरअसल, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार की ओर से दायर याचिका में मांग की गई थी कि कांग्रेस से निर्वाचित विधायक निर्मला सप्रे के विरुद्ध दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई कर उनका निर्वाचन शून्य घोषित किया जाए।

याचिका में आरोप लगाया गया था कि लोकसभा चुनाव के दौरान वे मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच साझा कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हुईं और व्यवहारिक रूप से भाजपा का समर्थन करती रहीं। वहीं विधायक सप्रे ने जवाब में कहा कि उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण नहीं की है तथा उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं। राज्य शासन ने भी कोर्ट को अवगत कराया कि विधानसभा अध्यक्ष मामले की सुनवाई कर रहे हैं और कोई असाधारण परिस्थिति नहीं है, जिससे न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़े। 18 जून को फैसला सुरक्षित रखने के बाद कोर्ट ने याचिका निरस्त कर दी। सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, विधायक सप्रे की ओर से अधिवक्ता संजय अग्रवाल तथा याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल ने पैरवी की।

पीएमओ ने राम मंदिर ट्रस्ट से मांगा था चंदे का हिसाब

लखनऊ। अयोध्या के राम मंदिर में दान और चढ़ावे में हेराफेरी व चोरी मामले अब नया खुलासा हुआ है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जिला प्रशासन को संदर्भित पत्र पर एसआइटी जांच का हवाला देते हुए वित्तीय जानकारी देने से इन्कार कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने अयोध्या के स्थानीय भाजपा नेता रजनीश सिंह के द्वारा लिखे गए पत्र पर जब जिला प्रशासन ने राममंदिर ट्रस्ट से आय-व्यय, दान, बैंक खातों, जमीन के लेन-देन और संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी तो जांच का हवाला देकर ट्रस्ट ने आए हुए संपत्ति का विवरण देने से मना कर दिया।

भाजपा नेता रजनीश सिंह ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन चंदा चढ़ना और जमीन खरीद फरोख्त में गड़बडियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। रजनीश सिंह ने पीएमओ से मांग की थी कि मंदिर ट्रस्ट को निर्देश दिया जाए कि वह अब तक के वित्तीय लेनदेन और संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करे।

भाजपा नेता ने पीएमओ से की शिकायत

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले को लेकर भाजपा के स्थानीय नेता डा. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री कार्यलय को दो बार पत्र लिखा। रजनीश सिंह ने पहली बार नौ जून को प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखा था। उन्होंने मांग की थी कि मंदिर ट्रस्ट को निर्देश दिया जाए कि वह अपनी शुरुआत से लेकर अब तक के वित्तीय लेनदेन और संपत्ति की पूरी जानकारी सार्वजनिक करे। इसके बाद दूसरी बार उन्होंने 12 जून को एक और पत्र लिखकर राम मंदिर के चढ़ावा को सार्वजनिक करने की मांगी की। 13 जून को एसआईटी गठित कर दी गई थी।

पीएमओ ने मांगा ट्रस्ट के चंदे का हिसाब

भाजपा नेता के पत्र को संज्ञान में लेते हुए प्रधानमंत्री कार्यलय (पीएमओ) ने जिला प्रशासन को संदर्भित किया। पीएमओ को मिली शिकायत के लिए अयोध्या जिला

चंपत राय ने जांच का हवाला देकर कर दिया इनकार

प्रशासन को भेजा गया था। जिला प्रशासन ने इस मामले को लेकर श्रीराम मंदिर ट्रस्ट से संपर्क किया। सूत्रों की मुताबिक 23 जून को अयोध्या के एडीएम (प्रशासन) विशु राजा को लिखे एक पत्र में एडीएम (कानून-व्यवस्था) इंद्रकांत द्विवेदी ने कहा कि उन्होंने पीएमओ द्वारा शिकायत में मांगी गई जानकारी के लिए राम मंदिर ट्रस्ट के चंपतराय से संपर्क किया था।

चंपत राय ने नहीं दिया चंदे का हिसाब

अयोध्या एडीएम (कानून-व्यवस्था) इंद्रकांत द्विवेदी के मुताबिक चंपत राय ने यह कहकर कुछ भी जानकारी देने से मना कर दिया कि फिलहाल एसआईटी जांच चल रही है और जांच पैनल सभी जरूरी रिकार्ड और जानकारी इकट्ठाकर रहा है। इसीलिए अभी मांगी गई जानकारी नहीं दी जा सकती। पीएमओ को भाजपा के नेता रजनीश सिंह के द्वारा भेजी गई शिकायत में कई जानकारियों को सार्वजनिक करने की मांग की गई थी। इनमें समर्पण निधि अभियान के जरिए इकट्ठाकिए गए कोष, अलग-अलग तरीकों से मिले दान, सोना, चांदी और गहनों के रूप में मिले योगदान, बैंक खाते और वित्तीय लेन-देन, जमीन की खरीद-बिक्री, मंदिर निर्माण और प्रशासन पर खर्च, और आडिट व निरीक्षण रिपोर्ट शामिल हैं।

नागरिकता विवाद पर हरीश साल्वे ने सरकार के रुख का किया समर्थन

नई दिल्ली। पासपोर्ट और नागरिकता को लेकर देश में चल रहे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिश साल्वे ने केंद्र सरकार के रुख का समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि नागरिकता केवल दस्तावेजों से तय नहीं होती, बल्कि इसके लिए कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रियाएं निर्णायक होती हैं।

यह बयान उस बहस के बीच आया है जो हाल ही में पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण मानने को लेकर शुरू हुई थी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय पासपोर्ट केवल एक यात्रा दस्तावेज है और इसे नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। इस पर राजनीतिक और कानूनी हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

हरिश साल्वे ने कहा कि भारत में नागरिकता का निर्धारण नागरिकता अधिनियम, 1955 और संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत होता है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि केवल दस्तावेजों के आधार पर नागरिकता तय करना कानूनी रूप से पर्याप्त नहीं है। केंद्र सरकार का कहना है कि पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में विस्तृत सत्यापन होता है, लेकिन यह केवल पहचान और यात्रा सुविधा के लिए होता है, न कि नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में। सरकार ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि यह कोई नई नीति नहीं है, बल्कि वर्षों पुरानी कानूनी व्याख्या पर आधारित है। इस मुद्दे पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार और कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि नागरिकता और पहचान दस्तावेजों के बीच अंतर को समझना जरूरी है। फिलहाल यह मामला राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बना हुआ है और आने वाले समय में इस पर और बहस तेज होने की संभावना है।

बहुचर्चित टेंडर घोटाले में आरोपी रिशु श्री के साथ अफसरों का कनेक्शन

बिहार से 3 आईएएस फरार, खोज रही पुलिस

पटना। बिहार के 3 आईएएस अधिकारी इन दिनों फरार बताए जा रहे हैं। तीनों के नाम का जिक्र राज्य के बहुचर्चित टेंडर घोटाले में आया है। इसको लेकर बिहार पुलिस की स्पेशल विजिलेंस यूनिट बड़ा एक्शन लेते हुए 1997 बैच के आईएएस संजीव हंस के साथ-साथ 7 अन्य लोगों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। हालांकि, इस चार्जशीट में दो अन्य फरार आईएएस अभिलाषा कुमारी शर्मा और योगेश कुमार सागर का नाम नहीं है।

स्पेशल विजिलेंस यूनिट के मुताबिक अब तक आईएएस अभिलाषा कुमारी शर्मा और योगेश कुमार सागर के खिलाफ टेंडर घोटाले में सीधे तौर पर शामिल होने के साक्ष्य नहीं हासिल हुए हैं। लेकिन ईडी की रिपोर्ट में उनपर निजी व्यक्ति से लाभ लेने का आरोप है। इस मामले में राज्य सरकार द्वारा दोनों आईएस अधिकारियों को 30 मई को ही निलंबित किया जा चुका है। इस बीच स्पेशल विजिलेंस यूनिट के कार्रवाई तेज होने के साथ ही आईएएस अभिलाषा कुमारी शर्मा और योगेश कुमार सागर 19 जून से लापता हो गए हैं। वहीं, संजीव हंस को 27 मई से लेकर अब तक ट्रेस नहीं किया जा सका है।इसी दिन स्पेशल विजिलेंस यूनिट मामले के एक अन्य आरोपी रिशु श्री की गिरफ्तारी की थी, जिसका कनेक्शन तीनों आईएएस अधिकारियों से निकल कर सामने आया था।

अधिकारियों को निजी लाभ देने का खुलासा

स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने टेंडर हेराफेरी, कमीशनखोरी और आईएएस अधिकारियों को रिश्वत देने के मामले में 27 मई को रिशु श्री नाम के एक ठेकेदार और व्यवसायी को गिरफ्तार किया गया था। स्पेशल विजिलेंस यूनिट के मुताबिक इसने अलग-अलग सरकारी विभागों में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए ठेके हासिल किए। इसके बदले उसने अधिकारियों को कमीशन दिया। साथ ही उन्हें विदेश भेजने के साथ लग्जरी लाइफस्टाइल भी मुहैया कराई।

डिजिटल अरेस्ट घोटाले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

16 राज्यों में 80 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने गुरूवार को 16 राज्यों में 80 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े मामले में की गई। सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र के तहत यह कार्रवाई की। इस ऑपरेशन के जरिए सीबीआई द्वारा साइबर अपराध के बुनियादी ढांचे पर समन्वित कार्रवाई की गई है। इससे पहले भी सीबीआई डिजिटल अरेस्ट स्कैम से जुड़े मामलों में कई कार्रवाई कर चुकी है। सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र-चार के दौरान 60 विशेष टीमों का गठन किया है। इन टीमों ने पंजाब, गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, कर्नाटक और ओडिशा समेत 16 राज्यों में 80 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। सीबीआई की यह कार्रवाई डिजिटल अरेस्ट स्कैम की जांच का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश में डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों के 200 से अधिक मामलों में शामिल परिचालन नेटवर्क को खत्म करना है। सीबीआई ने इस मामले में शेल कंपनियों के गठन और अवैध बैंक खातों को खोलने के मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इन खातों का इस्तेमाल डिजिटल गिरफ्तारी से मिली धांधली की रकम को मनी लॉन्ड्रिंग करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

एयरपोर्ट पर दो विमान आमने-सामने आए

अहमदाबाद। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा टल गया। एअर इंडिया और इंडिगो के दो विमान एक ही टैक्सीवे (रनवे का एक हिस्सा) पर आमने-सामने आ गए। हालांकि दोनों विमानों को समय रहते रोक लिया गया। सूत्रों के अनुसार, मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान मुंबई से अहमदाबाद पहुंची एअर इंडिया की फ्लाइट पार्किंग बे की ओर जाते समय गलती से गलत मोड़ ले बैठी और उसी टैक्सीवे पर पहुंच गई, जहां इंडिगो का विमान मौजूद था। दोनों विमानों के बीच करीब 200 मीटर की दूरी रह गई थी। बाद में एअर इंडिया विमान को टो करके सही पार्किंग बे तक ले जाया गया।

इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट की टीम ने किया किरनाई मंदिर का भ्रमण

पद्मेश न्यूज़ किरनापुर। इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट के संग्रहाध्यक्ष डॉ वीरेंद्र सिंह गहरवार और साथ में राजेंद्र ब्रम्हे, दिनेश नेमा ने आज दिनांक 25/06/26 को किरनापुर में किरनाई मंदिर आगमन हुआ पुरातत्व विद श्री डॉ वीरेंद्र सिंह गहरवार के अनुसार मंदिर के प्रांगण में पीपल का वक्ष लगभग 400 वर्ष पूर्व और शिव लिंग 10 वीं शताब्दी और माता रानी की प्रतिमा 300-400 वर्ष पूर्व और हनुमान जी प्रतिमा 250 पूर्व की बताई गई और मंदिर परिसर के बारे में अनेको जानकारी दी गई। तथा भविष्य में किरनाई मंदिर को पर्यटन से जो जाने की बात कही। वही किरनाई मंदिर ट्रस्ट द्वारा इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय बालाघाट की टीम के सदस्यों का शॉल श्रीफल भेट कर आत्मीय

स्वागत किया गया। इस अवसर पर किरनाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल सचिव उमेंद्र मेश्राम ,सुरेश रतनेरे,महेंद्र तारन , संजय सारडा, नन्हे बहेकार, बंटी अर्जुनवार,भूरू यादव, आशीष सोनी , मनीष उपाध्याय, दीपक दाते, शिव तारन सहित अनेक लोगों की मौजूदगी रही।

पंजाब बीजेपी प्रमुख का हमला- भगवंत मान से इस्तीफे की मांग, वायरल वीडियो विवाद तेज

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब की राजनीति में वायरल वीडियो विवाद को लेकर सियासी तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में पंजाब बीजेपी प्रमुख ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें झूठ का नकाब उतारने और तुरंत इस्तीफा देने की मांग की है। बीजेपी का आरोप है कि इस पूरे मामले में फॉरेंसिक रिपोर्ट में गड़बड़ी और कथित तौर पर रिश्वतखोरी जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। बीजेपी नेता केवल सिंह ढिल्लों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी सफाई में उन अहम सवालों का जवाब नहीं दिया है, जिनमें कथित 10 लाख रुपये की रिश्वत, फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट और गुरुग्राम में दर्ज एफआईआर शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में सच्चाई को दबाने की कोशिश की गई है। वहीं, यह विवाद उस वायरल वीडियो से जुड़ा है जिसमें कथित रूप से भगवंत मान जैसे दिखने वाले व्यक्ति को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए थे। मुख्यमंत्री मान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि यह वीडियो फर्जी है और उन्हें बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने दावा किया है कि वीडियो में मास्क या तकनीक का इस्तेमाल कर फर्जी फुटेज तैयार की गई है। इस मुद्दे पर विपक्षी दलों की ओर से लगातार हमले किए जा रहे हैं और पंजाब की राजनीति में माहौल गर्म है। मामले की जांच जारी है और पुलिस तथा संबंधित एजेंसियां सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं।

सात माह बाद भी नहीं मिले मृतक के परिजन पुलिस ने नागरिकों से मांगी मदद

जिला अस्पताल में उपचार के दौरान हुई थी मौत

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मृत हुए एक व्यक्ति के परिजनों का सात माह बाद भी पता नहीं चल पाया है। कोतवाली पुलिस लगातार मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों की तलाश कर रही है तथा नगर एवं जिलेवासियों से सहयोग की अपील की है। कोतवाली पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 नवंबर 2025 को सुबह 11:45 बजे डायल-112 के माध्यम से राहुल पिता शंकर सोनवाने 40 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया गया है कि उक्त व्यक्ति का कोई स्थायी निवास ज्ञात नहीं था और वह शहर में घूम-फिरकर लोगों से भोजन मांगकर अपना जीवनयापन करता था। अचानक तबीयत बिगड़ने तथा सड़क किनारे असहाय अवस्था में पड़े होने की सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम द्वारा उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया था। जहां उपचार के दौरान 19 नवंबर 2025 को दोपहर 2:10 बजे उसकी मृत्यु हो गई।मृत्यु के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई एवं पोस्टमार्टम कराकर शव का कफन-दफन कराया था। मामले में मर्ग क्रमांक 69/2025 धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों की पहचान और तलाश के लिए लगातार प्रयास किए गए। लेकिन सात माह बीत जाने के बाद भी उसके परिवार अथवा रिश्तेदारों के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है।कोतवाली पुलिस ने नगर एवं जिले के नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक राहुल पिता शंकर सोनवाने या उसके परिजनों एवं रिश्तेदारों के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल कोतवाली थाना पुलिस से संपर्क कर सूचना प्रदान करें ताकि आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बालाघाट
शुक्रवार 26 जून 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

पेट दर्द और उल्टी के बाद बिगड़ी तबीयत अस्पताल ले जाते समय युवती की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल उपचार के लिए लाई जा रही एक 21 वर्षीय युवती की रास्ते में ही मौत हो गई। मृतिका शीतल चौधरी पिता धनराज चौधरी 21 वर्ष कटिंगटोला आंवलाझरी थाना भरवेली निवासी है।जिसका शाम होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं हो सका। जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। शव का पोस्टमार्टम 26 जून को किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शीतल अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ रहती थी। वह परिवार की इकलौती बेटी थी तथा बी.ए. अंतिम वर्ष की छात्रा थी। उसकी मां भरवेली माइंस में कार्यरत हैं। जबकि पिता लकवाग्रस्त होने के कारण घर पर ही रहते हैं। बड़ा भाई निजी कंपनी में कार्य करता है और मंझला भाई पढ़ाई कर रहा है। बताया गया है कि 25 जून को शीतल अपने पिता के साथ घर पर थी। उसकी मां ड्यूटी पर भरवेली माइंस गई हुई थीं और बड़ा भाई भी काम पर गया था। शाम करीब 4:30 बजे शीतल ने परिजनों को पेट दर्द होने की शिकायत की। इसके बाद उसे उल्टियां होने लगीं। परिजन तत्काल उसे निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे लेकिन वहां मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार शीतल की मौत जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में हो चुकी थी। मामले की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है।फिलहाल युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

नाला निर्माण बना राहगीरों की परेशानी का कारण, बारिश के बाद हनुमान चौक पर लगा जाम

अंबेडकर चौक से हनुमान चौक तक चल रहे निर्माण कार्य से बिगड़ी यातायात व्यवस्था, जलभराव ने बढ़ाई मुश्किलें

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के अंबेडकर चौक से लेकर हनुमान चौक तक नगर पालिका द्वारा कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य के कारण आम नागरिकों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात का मौसम शुरू होते ही निर्माणाधीन क्षेत्र में यातायात व्यवस्था चरमराने लगी है। 25 जून को हुई बारिश के बाद हनुमान चौक क्षेत्र में हालात ऐसे बने कि कुछ समय के लिए पूरा यातायात प्रभावित हो गया और सड़क पर लंबा जाम लग गया।

जानकारी के अनुसार नगर पालिका द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नाला निर्माण कार्य कराया जा रहा है। हनुमान चौक क्षेत्र में इन दिनों निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसके चलते सड़क का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित है। इसी बीच बारिश होने से स्थिति और अधिक खराब हो गई। निर्माणाधीन क्षेत्र में पानी की समुचित निकासी नहीं हो सकी, जिससे सड़क पर जलभराव की स्थिति बन गई। बारिश के बाद सड़क पर जमा पानी और निर्माण सामग्री के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को रास्ता निकालने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। देखते ही देखते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और कुछ ही देर में जाम की स्थिति निर्मित हो गई। जाम में फंसे लोग काफी देर तक परेशान होते रहे और कई वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों की तलाश करते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र में यातायात लगातार प्रभावित हो रहा है। खासकर व्यस्त समय में यहां जाम की स्थिति आम बात बन चुकी है। बारिश के मौसम में सड़क की स्थिति और खराब हो जाती है, जिससे लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ जाती है। जाम की सूचना मिलने पर यातायात पुलिस का अमला मौके पर पहुंचा और वाहनों की आवाजाही को सुचारू करने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद यातायात को नियंत्रित किया, जिसके बाद धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो सकी। हालांकि लोगों का कहना है कि जब तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक इस तरह की समस्याएं लगातार सामने आती रहेंगी। यातायात विभाग के अधिकारियों ने भी माना है कि नगर पालिका द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य का सीधा असर यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है। निर्माण स्थल के कारण सड़क की चौड़ाई कम हो गई है, जिससे वाहनों का दबाव बढ़ने पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निर्माण कार्य पूर्ण होने तक भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करने की योजना बनाई जाएगी, ताकि शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम किया जा सके। इधर नागरिकों का कहना है कि मानसून की शुरुआत हो चुकी है और यदि निर्माण कार्य के दौरान जल निकासी एवं यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है। लोगों ने नगर पालिका से मांग की है कि निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के साथ-साथ वैकल्पिक मार्ग और सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। फिलहाल हनुमान चौक क्षेत्र में नाला निर्माण कार्य विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, लेकिन निर्माण अवधि के दौरान यातायात और जलभराव की समस्या शहरवासियों के लिए चिंता का विषय बन गई है। अब लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन और नगर पालिका मिलकर जल्द कोई प्रभावी व्यवस्था करेंगे, जिससे राहत मिल सके।

दोस्तो के साथ मकान की छत पर सो रहा था युवक, छत से गिरने से हुई मौत

पद्मेश न्यूज। बैहर। दोस्त के साथ मकान की छत पर सो रहे एक युवक की छत से नीचे गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। मामला बैहर के नरसिंह टोला का बताया गया है।मृतक की पहचान गढ़ी निवासी 24 वर्षीय तरुणसिंह धुर्वे पिता प्रभुदयाल धुर्वे के रूप में हुई है।बताया गया कि प्रभुदयाल धुर्वे सरकारी शिक्षक हैं।जो बैहर में किराए के भवन में निवास करते हैं, उसी भवन में उनका पुत्र तरुण भी उनके साथ रह रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार रात तरुण अपने दो दोस्तों के साथ भवन की छत पर सो रहा था।देर रात अचानक वह छत से नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

दोस्तो को नहीं है मामले की स्पष्ट जानकारी

बताया जा रहा है कि युवक के साथ मौजूद दोनों दोस्तों को घटना की स्पष्ट जानकारी नहीं है।पुलिस द्वारा मृतक तरुणसिंह धुर्वे के साथ सोए दोनों युवकों से पूछताछ की जा रही है।बताया गया कि घटनास्थल के पास शराब की एक खाली बोतल भी मिली है।प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि युवक शराब के नशे में संतुलन खोने के कारण छत से गिर गया हो गया। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की, वही परिजनों व सम्बधितों के ब्यान दर्ज कर शव को अपने कब्जे में लिया। वही मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। इस मामले में पुलिस द्वारा विवेचना की जा रही है।

कीटनाशक सेवन से एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवा का सेवन करने के बाद नगर के एक निजी अस्पताल में उपचाररत एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक महेश डहारे पिता गनूलाल डहारे 38 वर्ष ग्राम लड़सड़ा, थाना रामपायली निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि महेश ने किन परिस्थितियों में कीटनाशक का सेवन किया। इसका खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश खेती किसानी का कार्य करता था। उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। उसकी चार बहनों की शादी हो चुकी है। पास में ही उसकी मौसी मां सायवंती अपने परिवार के साथ अलग निवास करती हैं।बताया गया है कि घटना से दो दिन पहले महेश की पत्नी अपने मायके चली गई थी। घर में महेश और उसके दोनों बच्चे ही मौजूद थे। 23 जून की शाम करीब 7 बजे जब सायवंती अपनी बहू के साथ भोजन करने के बाद घर में टीवी देख रही थीं। इसी दौरान महेश के दोनों बच्चे रोते हुए उनके घर पहुंचे और बताये कि उनके पिता उल्टियां कर रहे हैं तथा तड़प रहे हैं।सूचना मिलते ही सायवंती बच्चों के साथ महेश के घर पहुंचीं। जहां उन्होंने देखा कि महेश की हालत गंभीर थी। इसके बाद उन्होंने महेश के मामा सावनलाल दमाहे को फोन पर जानकारी दी। सावनलाल के पुत्र दिनेश और नीलेश मौके पर पहुंचे और सभी ने मिलकर महेश को 108 एम्बुलेंस की सहायता से वारासिवनी अस्पताल पहुंचाया।वारासिवनी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने महेश को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। 24 जून को परिजन महेश को बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। जहां भर्ती कर उसका उपचार शुरू किया गया। बाद में चिकित्सकों ने उसे उच्च चिकित्सा केंद्र ले जाने की सलाह दी। इसके बाद परिजन महेश को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मामले की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया था। 25 जून को पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया।फिलहाल महेश द्वारा कीटनाशक सेवन किस वजह से किया जिसका खुलासा नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला अग्रिम जांच के लिए थाना रामपायली को भेज दिया है। जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

NEW HOLLAND
आज आखिरी मौका
10 पे 35 का दम
छूटे ना हाथ से!
₹10 000/- की बुकिंग पर पाएं | ₹35 000/- की रसीद
साईं ट्रेक्टर ने बालाघाट की धरती में पहली ट्रेक्टर डीलरशीप की शुरुआत 1997 में की, साईं ट्रेक्टर बालाघाट 30 वर्षों से ट्रेक्टर में न. 1, किसानों के विश्वास के साथ अब दुनिया के बेहतरीन, उन्नतशील टेक्नोलॉजी वाली 130 वर्ष पुरानी ट्रेक्टर कंपनी (न्यू हालैण्ड भारत वर्ष में 25 वर्षों से) के साथ...
20 से 110 एच.पी. ट्रेक्टर श्रेणी
25000/- का फायदा
न्यू हालेण्ड ट्रेक्टर अलग क्यों
लिफ्टोमेटिक बटन, सात प्रकार की स्पीड
पीटीओ गेयर बाक्स के साथ
डबल क्लच सभी 4x4 मॉडल पर
सिप्रोमेश फुल्ली लोडेड गेयर बॉक्स
एसीबी (आक्जरी कंट्रोल वॉल युनिट उपलब्ध)
4x4 के सभी मॉडल पर उपलब्ध
सभी गाड़ियों में डबल डीजल फिल्टर उपलब्ध
इंडिगलेज ग्लॉस मिरर में
हाईडेन्सिटी फायबर डीजल टेंक
साईं ट्रेक्टर्स (EX पॉवरट्रेक वाले)
नर्मदा नगर, बालाघाट, मो. 8770334649 | 9425138685
असली हीरो की असली ताकत

PADMESH X FIBERNET
Connecting the Unconnected..
Escape the reality and dive into some drama..
CHOOSE PADMESHXFIBERNET SERVICE..
Follow us on @padmeshxfibernet 08045777666 www.padmeshdigital.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट